@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 5 अगस्त 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 266 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद कांग्रेस का आरोप, कहा-
'राहुल गांधी को संसद में बोलने नहीं दे रहे'

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'चीन द्वारा भारत की जमीन पर कब्जा' वाले बयान पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी को लेकर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी को चीन के मुद्दे पर संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से मीडिया ने सवाल किया। उन्होंने जवाब में कहा, ÷मैंने अभी तक कोर्ट के बयान को विस्तार से नहीं देखा है। मैं इसे पढ़ने के बाद ही कोई टिप्पणी करूंगी। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का जिक्र करते हुए आईएएनएस से बातचीत में कहा, ÷लोकसभा में राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया जा रहा है। राहुल लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और संसद की कार्यवाही के 10 दिन बीत जाने के बाद भी सिर्फ उन्हें एक ही दिन बोलने दिया गया है। सरकार चीन और गलवान वैली पर चर्चा नहीं करना चाहती है। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने बातचीत में कहा, 'जहां तक राहुल गांधी का सवाल है, सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। राहुल गांधी भी यही पूछ रहे हैं कि सच्चाई क्या है? वे इस बारे में बताते नहीं हैं और इसलिए ऐसी बातें फैलती हैं।' कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने अगर कोई टिप्पणी की है, तो मुझे लगता है कि राहुल गांधी उसको देखेंगे।'

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने राहुल गांधी पर निशाना साधा

उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी हमेशा भारत के खिलाफ बोलते हैं। चाहे वह अर्थव्यवस्था पर हो या रक्षा बलों से संबंधित मुद्दा हो, वह हमेशा भारत के खिलाफ बोलते हैं। वह दुश्मन देशों के समर्थन में बोलते हैं। उनकी भारत विरोधी मानसिकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा उन्हें फटकार लगाना स्वागत योग्य है। आने वाले समय में अन्य लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि वे भारत के सम्मान, अखंडता और मनोबल को ठेस न पहुंचाएं।'

धर्मेंद्र प्रधान का राहुल गांधी पर तंज, कहा-पहली बार विपक्ष के नेता पर सुप्रीम कोर्ट को करनी पड़ी सख्त टिप्पणी

एजेंसी
नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 'चीन के भारत की जमीन को कब्जे म' करने वाली टिप्पणी पर फटकार लगाई। इस पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा पर दिए गए गैर-जिम्मेदाराना बयानों के लिए कड़ी फटकार लगाई। देश के संसदीय इतिहास में यह पहली बार है, जब विपक्ष के नेता पर इस तरह की सख्त टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट को करनी पड़ी है।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का इतिहास सेना को अपमानित करने का रहा है, चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर, उन्होंने हर अवसर पर हमारे वीरों के त्याग पर प्रश्नचिह्न खडा किया। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यदि आप सच्चे भारतीय होते, तो आप ये बयान कभी नहीं देते!', आज सर्वोच्च न्यायालय ने राहुल गांधी को सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा पर दिए गए गैर-जिम्मेदाराना बयानों के लिए कड़ी फटकार लगाई। चीन द्वारा 2,000 किमी भारतीय भूमि पर कब्ज़े के झूठे दावे पर कोर्ट ने पूछा- 'क्या आप वहां थे? आपके पास कोई प्रमाण है? सिर्फ़ विपक्ष के नेता होने का मतलब यह नहीं कि आप कुछ भी कहें!' उन्होंने आगे लिखा, 'देश के संसदीय इतिहास में यह पहली बार है, जब विपक्ष के नेता पर इस तरह की सख्त टिप्पणी सर्वोच्च न्यायालय को करनी पड़ी है। राहुल गांधी और कांग्रेस का इतिहास सेना को अपमानित करने का रहा है, चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर, उन्होंने हर अवसर पर हमारे वीरों के त्याग पर प्रश्नचिह्न खड़ा किया। इनकी निष्ठा राष्ट्र से नहीं, सिर्फ़ एक परिवार से है, इसलिए राष्ट्र के प्रति सम्मान इनकी मूल सोच में ही नहीं है। आज पूरा राष्ट्र उनके इस देश विरोधी मानसिकता से आहत है और राहुल गांधी व कांग्रेस से माफी की अपेक्षा करता है।'

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने गंगा राम अस्पताल में शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सर गंगा राम अस्पताल में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी। दोनों नेताओं ने उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। प्रधानमंत्री ने अस्पताल में शिबू सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात कर शोक व्यक्त किया। बाद में प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स पर पोस्ट में लिखा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दुख की इस घड़ी में उनके परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उनका पूरा जीवन जनजातीय समाज के कल्याण के लिए समर्पित रहा, जिसके लिए वे सदैव याद किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि शिबू सोरेन का लंबी बीमारी के बाद आज सुबह 8.56 बजे दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में निधन हो गया।

5,000 सिखों की लाशें कहाँ जलाई थी ?
ऑल इंडिया सिख कॉन्फ्रेंस बब्बर ने उठाए चौंकाने वाले सवाल!

कौमी पत्रिका
विशेष संवाददाता

नई दिल्ली, 4 अगस्त। ऑल इंडिया सिख कॉन्फ्रेंस (बब्बर) के अध्यक्ष सरदार गुरचरन सिंह बब्बर ने भारत सरकार और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से एक विस्फोटक मांग की है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है कि नवंबर 1984 के सिख नरसंहार के दौरान दिल्ली में मारे गए लगभग 5,000 निर्दोष सिखों की लाशों का अंतिम संस्कार आखिर कहाँ किया गया था ? बब्बर ने कहा कि यह सवाल सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में बसे करोड़ों सिखों के मन में पिछले 41 वर्षों से गूंज रहा है।

बब्बर ने चौंकाने वाले तथ्य उजागर किए

1. 1984 में दिल्ली में केवल 24 श्मशान घाट थे। इनमें हजारों लाशों का अंतिम संस्कार करना असंभव था।

2.किसी भी श्मशान घाट के रिकॉर्ड में हजारों सिखों के अंतिम संस्कार का कोई उल्लेख नहीं है।

3.हजारों लाशों को ट्रकों में भर ,भरकर अरावली की पहाड़ियों और आसपास के जंगलों में ले जाकर जलाए जाने की खबरें सामने आईं ।

4.सिख रीति-रिवाजों का पालन नहीं किया गया, न ही किसी गुरुद्वारे से ग्रंथी साहिब को अंतिम अरदास के लिए बुलाया गया।

बब्बर ने सवाल किया , अगर इन लाशों को जंगलों में नहीं जलाया गया, तो कहाँ ले जाया गया ? किसके आदेश पर इनका गुप्त निपटान किया गया ? और सरकार के पास इसका कोई रिकॉर्ड क्यों नहीं है?

ऑल इंडिया सिख कॉन्फ्रेंस बब्बर ने कहा कि दिल्ली पुलिस को यह बताना होगा

1.हजारों लाशों का पोस्टमार्टम कहाँ हुआ ?

2.पीड़ित परिवारों को अपने प्रियजनों का शव लेने का अधिकार क्यों नहीं दिया गया ?

3.हजारों लाशों के अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी, घी आदि सामग्री का कोई सरकारी रिकॉर्ड क्यों नहीं है ?

4.उन्होंने कहा 5,000 लाशों को जलाना कोई मामूली काम नहीं है। फिर भी सरकार की फाइलों में इसका जिक्र तक नहीं। आखिर यह चुप्पी क्यों?

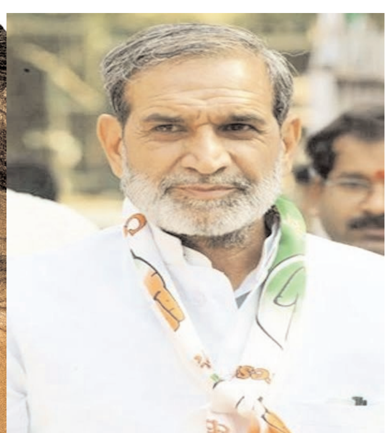

सिख इतिहास का हवाला देते हुए बब्बर ने कहा, जैसे सिखों ने मुगल अत्याचारी औरंगज़ेब और जहाँगीर को नहीं भुलाया, जिन्होंने गुरु अर्जन देव जी और गुरु तेग बहादुर जी को शहीद किया, वैसे ही नवंबर 1984 के सिख कत्लेआम को भी नहीं भुलाया जाएगा।

सिख कौम श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के अपमान, सैकड़ों गुरुद्वारों की तबाही, सिख महिलाओं के साथ हुए बलात्कार और हजारों निर्दोष सिखों की हत्या को कभी नहीं भूलेगी।

उन्होंने कहा, जिस तरह हमारे हिंदू भाइयों ने सदियों तक अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर को नहीं भुलाया, उसी तरह सिख कौम नवंबर 1984 को नहीं भूलेगी ।

न्यायपालिका की विफलता- देश के माथे पर कलंक

बब्बर ने कहा कि 40 साल में न तो किसी बड़े अपराधी को फांसी हुई और न ही सिखों को न्याय मिला। यह भारत की न्याय प्रणाली पर एक काला धब्बा है। उन्होंने कहा, एक पूरी कौम को न्याय से वंचित रखा गया है। यह सिर्फ सिखों का नहीं, बल्कि पूरे भारतीय लोकतंत्र का अपमान है।

बब्बर ने प्रधानमंत्री मोदी से भावुक अपील करते हुए कहा, प्रधानमंत्री जी, यह मुद्दा केवल न्याय का नहीं, बल्कि पूरी सिख कौम के सम्मान का है। दुनिया देख रही है। भारत और विदेशों में बसे सिख जवाब चाहते हैं। आप इस मामले में बड़ा कदम उठाएं, जांच कराएं और दोषियों को सजा दें। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया भर में सिख आंदोलन कर रहे हैं। यह जख्म आज भी ताजा है। हम प्रधानमंत्री से निवेदन करते हैं कि इसे हल्के में न लें।

सिख कौम कभी नहीं भूलेगी

बब्बर ने कहा, हम वह कौम हैं जिसने मुगलों के अत्याचारों के खिलाफ लड़ा, बलिदान दिया। लेकिन हम 1984 को कभी नहीं भूलेंगे, जब तक हर दोषी को सजा नहीं मिलती और हर सवाल का जवाब नहीं मिलता।

यह सिर्फ न्याय की मांग नहीं है, बल्कि यह इतिहास, सम्मान और सच के लिए जंग है। सिख कौम तब तक आंदोलन जारी रखेगी जब तक न्याय नहीं मिलता।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन का निधन

नई दिल्ली, 4 अगस्त। झारखंड के महानायक और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर सोमवार को दिल्ली से विशेष विमान के जरिए रांची लाया गया। जैसे ही विमान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पहुंचा, वहां पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शिबू

सोरेन अमर रहें के नारों से पूरा एयरपोर्ट गूंज उठा। वहीं चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार ने अब शिक्षक अभ्यर्थियों को बड़ी सौगात दी है। वह जिस चीज की मांग पिछले कई महीनों से कर रहे थे, उसे सीएम नीतीश कुमार ने सुन लिया है। उन्होंने बुधवार को इसका एलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था के सुदृ?ीकरण हेतु ब?ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। एक तरफ अमर उजाला और इससे जुड़े उपक्रम माय ज्योतिष की तरफ से ज्योतिष महाकुंभ आयोजित किया गया। मयूर विहार स्थित होटल क्राउन प्लाजा में हुए इस आयोजन में देश के प्रतिष्ठित ज्योतिषाचार्यों ने हिस्सा लिया। अमर उजाला माय ज्योतिष महाकुंभ में ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न पहलुओं पर संवाद हुआ। वहीं दूसरी ओर शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ उसी की जमीन पर टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। भारत ने लंदन के केनिंगटन ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच को जीतकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर दी। भारत ने इंग्लैंड को पांचवें टेस्ट के अंतिम दिन छह रनों से हराया। यह भारत की टेस्ट में सबसे कम अंतर से जीत है।झारखंड के महानायक और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर सोमवार को दिल्ली से विशेष विमान के जरिए रांची लाया गया। जैसे ही विमान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पहुंचा, वहां पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शिबू सोरेन अमर रहें के नारों से पूरा एयरपोर्ट गूंज उठा। पढ़ें पूरी खबर... चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार ने अब शिक्षक अभ्यर्थियों को बड़ी सौगात दी है। वह जिस चीज की मांग पिछले कई महीनों से कर रहे थे, उसे सीएम नीतीश कुमार ने सुन लिया है। उन्होंने बुधवार को इसका एलान कर दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर व ऑपरेशन महादेव ने राष्ट्र का गौरव बढ़ाया: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली- 4 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर व ऑपरेशन महादेव एक सैन्य अभियान नहीं था, वह देश के हर परिवार के सम्मान का प्रतीक था। मुख्यमंत्री ने कल दिल्ली विधानसभा में इन दोनों मसलों पर अपने विचार व्यक्त किए और देश की सैन्य सफलताओं, राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों और ऐतिहासिक निर्णयों पर विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर' और ऑपरेशन महादेव की सफलता को राष्ट्र के गौरव से जोड़ा और भारतीय सेना के शौर्य को नमन किया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक दृ? शक्ति वाले राष्ट्र नायक की भूमिका निभाते हुए भारत की सभी बहनों का मान-सम्मान और स्वाभिमान बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष का कटघरे में खड़ा किया और कहा कि विपक्ष और उसके नेताओं ने कभी भी देशहित की परवाह नहीं की और भारत की गरिमा को नीचा दिखाने के लिए लगातार षडयंत्र किए। सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की साख जनता के भरोसे पर रहती है। ऑपरेशन सिंदूर उत्तर था, उन सभी आंसुओं का जो हमारी बहनों की आंखों से निकले। प्रधानमंत्री जी ने एक साहसी पिता, एक संवेदनशील भाई और एक दृ? शक्ति वाले राष्ट्र नायक की भूमिका निभाते हुए भारत की सभी बहनों का मान-सम्मान और स्वाभिमान बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल और उसके नेता अपने स्वार्थों के चलते देशहित से लगातार दूर होते जा रहे हैं। इन्हें देश विरोधी ताकतों से प्यार है, जहां इनको अपना प्रतिबिंब दिखता है। भारत की प्रगति में, भारत के आगे बढ़ने में यह लोग खुश नहीं हैं। ये चाहते

हैं कि देश पिछ?ा रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में चर्चा हुई तो विपक्ष ने कई सवाल उठाए। जिनको अपनी देश की सेना के वक्तव्य पर विश्वास नहीं, जिनको अपने प्रधानमंत्री पर विश्वास नहीं, वह विश्वास करते हैं दूसरे देशों के आकाओं पर। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सेनाएं आज भी उसी वीरता और निष्ठा से राष्ट्र की रक्षा कर रही हैं, जैसा उन्होंने 1965 और 1971 के युद्धों में किया था। लेकिन उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने उन ऐतिहासिक सैन्य जीतों के बावजूद राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव क्यों दिखाया। उन्होंने कहा कि 1965 के युद्ध में जब भारत ने विजय पाई थी, तो क्यों हमारी सरकारें दबाव में आकर जीती हुई ज़मीनें लौटा आईं? क्यों संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका की मध्यस्थता स्वीकार की गई? और 1971 में, जब भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बनाया, तब उन्हें बिना किसी शर्त के क्यों छोड़ दिया गया? मुख्यमंत्री ने शिमला समझौते, पीओके के मुद्दे और कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के पलायन जैसे ऐतिहासिक संदर्भों को भी रेखांकित किया और विपक्ष की चुप्पी व तत्कालीन नेतृत्व की निर्णयहीनता पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर कभी कोई जवाबदेही नहीं ली गई, जबकि आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सशक्त नेतृत्व ने निर्णायक कार्रवाई की गई है, तो उसे काल्पनिक बताकर नकारने का प्रयास हो रहा मुख्यमंत्री ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक और हालिया ऑपरेशन महादेव का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि यह सरकार न तो झुकती है, न रुकती है, न थमती है—बल्कि देश के हर सवाल से लड़ती है। उन्होंने कहा कि जिस नेता ने मिट्टी की खुशबू से रिश्ता निभाया है, उस दीपक का नाम मोदी कहलाता है। मुख्यमंत्री ने अंत में देश की सेनाओं और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता के लिए धन्यवाद दिया और सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर पूरे सदन से हर-हर महादेव के जयघोष के साथ अपने भाषण का समापन किया।

कांग्रेस सांसद सुधा सुबह सैर पर निकलीं....बाइक सवार ने गले से सोने की चेन छीन ली

-घटना के बाद सांसद ने गृहमंत्री अमित शाह को लिखा खत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कांग्रेस सांसद सुधा रामकृष्णन के साथ चेन छीनने की घटना सामने आई है। यह वारदात चाणक्यपुरी इलाके में सोमवार सुबह करीब 6ः15 बजे हुई। सांसद रामकृष्णन, जो तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से हैं, अपने साथी सांसद डीएमके की रजती के साथ पोलिश दूतावास के पास टहल रही थीं, तभी स्कूटर सवार एक बदमाश ने उनकी चेन छीन ली। बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था, इसकारण उसका चेहरा छिपा हुआ था। घटना में कांग्रेस सांसद रामकृष्णन की गर्दन पर चोट आई है और उनके कपड़े भी फटे है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा है। दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में कई टीमें तैनात की हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चश्मदीदों से भी पूछताछ कर रही है। तमिलनाडु भवन और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सांसद सुधा ने पत्र में बताया कि वे पिछले एक साल से नई दिल्ली में तमिलनाडु हाउस (कमरा नंबर 301) में रह रही हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक आधिकारिक आवास नहीं मिला है। वे नियमित रूप से संसदीय कार्यवाही और समिति बैठकों में भाग लेती हैं। सुधा ने बताया कि समय मिलने पर वह सुबह की सैर के लिए निकलती हैं। 4 अगस्त को सुबह करीब 6 बजे सुधा और राज्यसभा की एक अन्य सांसद सैर के लिए निकलीं। पोलैंड दूतावास के गेट-3 और गेट-4 के पास एक अज्ञात व्यक्ति, जो हेलमेट पहने हुए स्कूटी चला रहा था, ने उनकी सोने की चेन झपट ली। सांसद ने बताया कि स्कूटी सवार धीरे-धीरे विपरीत दिशा से आया, जिसके कारण उन्हें कोई शक नहीं हुआ। झपटमारी से उनकी गर्दन पर कुछ निशान भी पड़ गए। उन्होंने खत में लिखा है कि इस अचानक हुई वारदात से वे चोटिल हुईं। वह किसी तरह गिरने से बच गईं। इसके बाद दोनों सांसदों ने मदद की गुहार लगाई।

नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस बढ़ाएगी जांच का दायरा, नेपाल सीमा तक

-अयोध्या में आरोपी अब तक पांच लाख रुपये के नकली नोट खपा चुके

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में पकड़ी गई नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस नेपाल तक जांच का दायरा बढ़ा रही है। 31 जुलाई को रामजन्मभूमि पुलिस ने पूर्वी चंपारण जिले के राजाबाबू को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 5,000 रुपये के नकली नोट बरामद हुए थे। उसके भाई राज बाबू और पिता संजय बाबू की तलाश जारी है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि राजाबाबू के पिता संजय नेपाल से नकली नोट लाकर उन्हें उपलब्ध कराते थे, जिन्हें राजाबाबू और राज धार्मिक स्थानों पर खपाते थे। यह गिरोह 2023 से सक्रिय है और अब तक पांच लाख रुपये के नकली नोट खपा चुका है। राजाबाबू की गिरफ्तारी हनुमानगढ़ी क्षेत्र में आदर्श सोनी की दुकान पर हुई, जहाँ राजा ने नकली 500 रुपये का नोट चलाया था। दुकानदार को संदेह होने पर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राजाबाबू को तोताद्रि मठ के रास्ते से पकड़ा गया, जबकि उसका भाई राज फरार हो गया। मामले में पुलिस टीम का गठन किया है, जो नेपाल और उससे सटे बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में पड़ताल करेगी ताकि नकली नोट तस्करी के तार और वांछितों का पता लगाया जा सके। पुलिस बिहार से आरोपितों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाएगी।

निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीद हो रही कम, पीड़ित के भाई ने फांसी की मांग की

-अटॉर्नी जनरल और जज को पत्र लिखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। निमिषा को 16 जुलाई 2025 को ही फांसी मिलनी थी लेकिन भारत के एक मुस्लिम धर्मगुरु के हस्तक्षेप के बाद सजा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया। निमिषा को जिस यमनी नागरिक की हत्या के मामले में फांसी होनी है, अब उसके भाई ने पत्र लिखकर मांग की है कि उन्हें जल्द से जल्द सजा दी जाए। मृतक के भाई ने पत्र में साफ लिखा है कि परिवार सुलह या मध्यस्थता के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। दरअसल केरल निवासी निमिषा प्रिया 2017 के मामले में फांसी की सजा का सामना कर रही हैं जिसमें उन्होंने गलती से एक यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या कर दी थी। महदी के भाई अब्दुल फत्तेह अब्दो महदी ने यमन के अटॉर्नी जनरल और जज अब्दुल सलाम अल-हूती के नाम एक पत्र लिखकर सोशल मीडिया पर साझा किया है। पत्र में मृतक के भाई ने लिखा कि उनका परिवार चाहता है, निमिषा प्रिया को फांसी दी जाए। मूल रूप से अरबी भाषा में लिखे पत्र में महदी के भाई ने लिखा है, 16 जुलाई को फांसी की सजा स्थगित करने के बाद आधे महीने से ज्यादा समय हो चुका है और फांसी की सजा की नई तारीख तय नहीं हुई है। हम पीड़िता के वारिस, बदले की सजा को लागू करने के अपने वैध अधिकार का पूरी तरह से पालन करते हैं और सुलह या मध्यस्थता के सभी कोशिशों से इंकार करते हैं। पत्र में महदी के भाई ने मांग की कि फांसी की सजा को लागू करे और फांसी की नई तारीख तय की जाए।

विदेश में नौकरी दिलाने और वीजा के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी

गांधीनगर (एजेंसी)। गांधीनगर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहाँ 10 लोगों से ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और कनाडा में परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) वीजा और नौकरी दिलाने के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी की गई है। इस धोखाधड़ी का खुलासा फर्जी दस्तावेजों के द्वारा हुआ है। मामले में मुख्य आरोपी उर्जित कवि, अहमदाबाद का निवासी।

दिल्ली पुलिस ने बंगाली भाषा को 'बांग्लादेशी' बताया, भड़की सीएम ममता

-कहा - यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और बंगाली भाषी लोगों का अपमान

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाली और बंग्लादेशी भाषा को लेकर राजनीति गरमा गई है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे गए पत्र पर आपत्ति जताई। उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा 3 अगस्त को लिखे गए पत्र को 'निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्रविरोधी और असंवैधानिक' बताया है। दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे पत्र में बंगाली या बांग्ला भाषा को ÷बांग्लादेशी भाषा÷ कहा था। बंगाली कलाकारों, ममता बनर्जी के साथ-साथ उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी पार्टी सीपीएम (सीपीएम) समेत अन्य दलों ने भी इसका विरोध किया, साथ ही उन्होंने एक्स पर पोस्ट में देशभर के लोगों से इसका विरोध करने की अपील भी की है।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि अब देखिए कैसे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण में दिल्ली पुलिस बंगाली को 'बांग्लादेशी' भाषा बता रही है। बंगाली हमारी मातृभाषा है, रवींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद की भाषा है, वह भाषा जिसमें हमारा राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत लिखे गए हैं, वह भाषा जिसे करोड़ों भारतीय बोलते और लिखते हैं और वह भाषा जो भारत के संविधान द्वारा पवित्र और मान्यता प्राप्त है, उसे अब बांग्लादेशी भाषा बताया जा रहा है। यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और असंवैधानिक है।

ममता बनर्जी ने आगे लिखा कि यह भारत के सभी बंगाली भाषी लोगों का अपमान है। वे ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर सकते जो हम सभी को नीचा और अपमानित करे। हम भारत की बंगाली-विरोधी सरकार के खिलाफ कड़े विरोध का आग्रह करते हैं, जो भारत के बंगाली-भाषी लोगों का अपमान करने के लिए ऐसी संविधान-विरोधी भाषा का प्रयोग कर रही है।

बता दें दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली स्थित पश्चिम बंगाल के राजकीय अतिथिगृह को पत्र लिखकर बांग्लादेश से अवैध रूप से आए आठ संदिग्ध व्यक्तियों के 'बांग्लादेशी भाषा' में लिखे दस्तावेज़ों के अनुवाद में सहायता मांगी थी। पुलिस ने इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, इस वजह से इसकी प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकती है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने गृह मंत्री अमित शाह से माफी मांगने की मांग की, जिनके मंत्रालय के अंतर्गत दिल्ली पुलिस आती है।

बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर 'वोट बैंक की राजनीति' के लिए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते कहा कि उनकी एक्स पोस्ट को 'एक बुरी तरह से रची राजनीतिक चाल' बताया है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने टीएमसी पर भारतीय बंगालियों के लिए 'भय फैलाने की रणनीति' अपनाने और अवैध प्रवासियों को ÷बचाने÷ का आरोप लगाया है।

फिल्म डायरेक्टर श्रीजीत मुखर्जी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- 'यह बांग्लादेशी भाषा नहीं

हैज्यह बांग्ला या बंगाली है, वही भाषा जिसमें आपका राष्ट्रगान मूल रूप से लिखा गया था और यह भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है।' गायक सुरोजित चटर्जी ने लिखा, 'बांग्ला को बांग्लादेशी भाषा कहा गया है. ठीक इसी तरह की अज्ञानता की मैं जिम्मेदार लोगों से अपेक्षा करता हूं. बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ।

फिर दिखी आतंकियों की हलचल- कुलगाम के बाद अब हीरानगर में मुठभेड़ की आशंका, सेना अलर्ट

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में एक बार फिर आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों के संकेत मिले हैं। शनिवार को कठुआ जिले के हीरानगर क्षेत्र में दो अज्ञात लोगों की संदिग्ध मौजूदगी ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर ला दिया है। घटना हीरानगर वार्ड नंबर 13 की है, जहां खेतों में घास काटने गईं दो-तीन महिलाओं ने ढोकला क्षेत्र की झाड़ियों के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों की हलचल देखी। इन महिलाओं ने तत्परता और साहस का परिचय देते हुए तुरंत स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस, बीएसएफ और एसओजी की टीमों ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सूचना मिलते ही डीएसपी अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में एसओजी टीम, थाना प्रभारी आशीष शर्मा तथा बीएसएफ के अधिकारी और जवान मौके पर पहुंचे। पूरे ढोकला नर्सरी क्षेत्र की घेराबंदी कर घने खेतों, झाड़ियों और पगडंडियों में देर रात तक सघन तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि, इस तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध गिरफ्त में नहीं आया और कोई ठोस सुराग भी नहीं मिले, लेकिन गश्त और सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है।

नागरिक सतर्कता बनी सुरक्षा की मजबूत कड़ी-

इस घटनाक्रम में महिलाओं की सजगता ने साबित कर दिया कि अब सीमावर्ती इलाकों के नागरिक भी देश की सुरक्षा में सजग भागीदार बन रहे हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना दें। गौरतलब है कि हीरानगर, सांबा और कठुआ जैसे इलाके पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के बार-बार घुसपैठ प्रयासों का शिकार रहे हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में ड्रोन के जरिए भेजी गई हेरोइन की खेप को जब्त किया था। 15 अगस्त के मद्देनज़र सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही अलर्ट मोड में हैं और ड्रोन या सीमा पार घुसपैठ की संभावनाओं पर नजर रखी जा रही है।

जब एयर इंडिया की फ्लाइट में टहलने लगे कॉक्रोच, यात्रियों ने की शिकायत

-कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारकर की गई सफाई, मुंबई आ रही थी फ्लाइट

जम्म (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट में कॉक्रोच होने की यात्रियों ने शिकायत की कि उनकी सीटों के नीचे कॉक्रोच टहल रहे हैं। इसके बाद दोनों यात्रियों को दूसरी सीटों पर शिफ्ट किया गया। कोलकाता में जब फ्लाइट उतरा तो सीटों के नीचे सफाई की गई। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि कोलकाता होकर सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जाने वाली फ्लाइट संख्या एआई180 में कॉक्रोच पाए गए थे जिसकी वजह से कुछ यात्रियों को असुविधा हुई। केबिन क्रू ने तुरंत यात्रियों के लिए दूसरी सीट की व्यवस्था की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एअर इंडिया ने कहा कि फ्लाइट ने फ्यूल भरने के लिए कोलकाता में लैंडिंग की। इसी दौरान ग्राउंड क्रू ने विमान की सफाई की। इसके बाद फ्लाइट मुंबई के लिए रवाना हुई। एयरलाइन ने कहा कि नियमित तौर पर साफ-सफाई के बावजूद ग्राउंड ऑपरेशन के दौरान कभी-कभी कॉक्रोच फ्लाइट में आ जाते हैं।

वहीं एक अन्य घटना में कोलकाता जा रहा एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान तकनीकी खराबी के कारण रविवार शाम बेंगलुरु वापस लौट आया था। जानकारी के मुताबिक एअरबस ए320 विमान द्वारा संचालित उड़ान आईएक्स2718 करीब दो घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रही और इसके बाद वापस लौट गई। 'एअर इंडिया एक्सप्रेस' के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि बेंगलुरु से उड़ा विमान तकनीकी खराबी के कारण हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। विमान ने सुरक्षित लैंडिंग से पहले ईंधन और वजन कम करने के लिए हवा में चक्कर लगा रहा। यात्रियों को कोलकाता ले जाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की गई।

तेजस्वी यादव को नोटिस... बिफरे पप्पू यादव ने इलेक्शन कमीशन को संदिग्ध आयोग बता दिया

भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव को दो मतदाता पहचान पत्र मामले में चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा नोटिस जारी करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम कर रहा है और यह खुद संदिग्ध आयोग बन गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अलादीन का चिराग नहीं है। उनका यह बयान तब आया जब आयोग ने तेजस्वी यादव को उनके ईपीआईसी (ईपीआईसी) कार्ड का विवरण मांगने के लिए नोटिस भेजा। सांसद यादव ने कहा कि भाजपा और मोदी जी भ्रम फैला रहे हैं। चुनाव आयोग अपने आप में एक संदिग्ध आयोग है। उन्होंने कहा है कि वे हर हाल में भाजपा के प्रवक्ता हैं।

दरअसल पटना में मौजूद निर्वाचन निबंधन अधिकारी ने तेजस्वी से उस ईपीआईसी कार्ड का विवरण देने को कहा था, जिसका जिक्र उन्होंने अपनी प्रेसवार्ता में किया था, ताकि मामले की गहन जांच हो सके। नोटिस में लिखा है कि तेजस्वी द्वारा प्रेसवार्ता में उल्लेखित ईपीआईसी नंबर आरएबी 2916120 आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया प्रतीत होता है। आयोग ने तेजस्वी से उल्लेखित ईपीआईसी कार्ड का विवरण (मूल प्रति सहित) उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी के मतदाता पहचान पत्र का वास्तविक ईपीआईसी नंबर आरएबी 0456228 है। आयोग ने बताया कि तेजस्वी का नाम मतदान केंद्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन) के क्रमांक 416 पर दर्ज है। इसके बाद बिहार में सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया। जहां पप्पू यादव ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग की आलोचना कर आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग बिहार के लोगों के अधिकारों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह से भाजपा और चुनाव आयोग ने पिछले दरवाजों से एसआईआर पर हमला किया है, उससे बिहार और बिहारियों के अधिकारों पर हमला हुआ है। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त से राहुल गांधी और गठबंधन के नेता बिहार का दौरा करने वाले है।

बात दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनका नाम मतदाता सूची से गायब है और उनका मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर बदल दिया गया है। इस दावे का खंडन करते हुए, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी का नाम मतदाता सूची के मसौदे में क्रमांक 416 पर शामिल है।

तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक को लेकर भूख हड़ताल पर बैठी बीआरएस नेता के.कविता

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के.कविता ने तेलंगाना में सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की तत्काल मंजूरी की मांग को लेकर सोमवार को 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है। यह हड़ताल हैदराबाद के धरना चौक पर चल रही है। बीआरएस नेता कविता ने अपनी हड़ताल से पहले कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के ओबीसी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक, जिसमें 42 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए लंबित है। इसके अतिरिक्त, राज्यपाल के स्तर पर एक अध्यादेश भी लंबित है। कविता ने मांग की है कि या विधेयक को तुरंत मंजूरी दी जाए या अध्यादेश को पारित किया जाए। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव के दौरान ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का वादा पूरा न करने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने भाजपा की इस शर्त की आलोचना की कि वह तभी आरक्षण देगी जब इसमें मुसलमान शामिल न हों। कविता ने ज़ोर दिया कि कांग्रेस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि राष्ट्रपति के पास भेजे गए 42 प्रतिशत आरक्षण विधेयक में मुसलमान शामिल हैं या नहीं। कविता के अनुसार, भूख हड़ताल का उद्देश्य इन राष्ट्रीय दलों के झूठ को उजागर करना और यह सुनिश्चित करना है कि हमें इन दोनों राष्ट्रीय दलों से किसी तरह की स्पष्टता मिले। यह भूख हड़ताल सोमवार सुबह 10 बजे से शुरू होकर 7 अगस्त को सुबह 10 बजे समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने उन्हें विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी, जिसके बाद उन्हें उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा।

खदान में काम कर रहे थे श्रमिक, चट्टान गिरने से 6 प्रवासी मजदूरों की मौत

-10 घायल, ओडिशा सीएम ने मृतकों के परिजन को सहायता राशि देने की घोषणा

बापटला (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में बल्लीकुरवा के पास सत्यकृष्ण ग्रेनाइट खदान में चट्टानों का एक बड़ा हिस्सा ढह जाने से कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब एक चट्टान का हिस्सा ढह गया।

पुलिस के मुताबिक हादसा रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे उस समय हुआ जब 10 से 15 मजदूर खदान में काम कर रहे थे। ओडिशा के सीएमए मोहन चरण माझी ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सभी पीड़ित ओडिशा के रहने वाले हैं। संदेह है कि पानी रिसाव के कारण चट्टान खिसकी और हादसा हुआ है। घटनास्थल पर कोई विस्फोट या भूकंपीय गतिविधि नहीं थी। फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। हादसे के बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया जिसमें खनन विभाग के अधिकारी भी पुलिस के साथ थे।

ओडिशा सीएमओ ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि सीएम मोहन चरण माझी ने आंध्र प्रदेश में हुए हादसे में गंजाम जिले के दंड बड़त्या, बनमाल चेहरा, भास्कर बिसोई, संतोष गौड़ और गजपति जिले के ताकुमा दलाई, मूसा जान की मौत पर शोक व्यक्त किया है। सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शवों को ओडिशा लाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इस बीच आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर शोक जताया। नायडू ने कहा कि मैंने अधिकारियों से बात की है और उन्हें घायलों को सर्वोत्तम उपचार देने और हादसे के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने भी हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत हृदयविदारक घटना है। ये मजदूर अपने परिवारों के लिए मेहनत करते हुए जान गंवा बैठे।÷ रेड्डी ने सरकार से घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा देने और मृतकों के परिजनों को त्वरित सहायता प्रदान करने की अपील की।

ओडिशा सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में कम से कम आठ ओडिया मजदूर घायल हुए हैं और उन्हें आंध्र प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि जब हादसा हुआ उस वक्त खदान में कम से कम 16 मजदूर काम कर रहे थे। ओडिशा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने भी हादसे में मजदूरों की मौत पर शोक जताया है।

भारत से इजराइल खरीद रहा गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट

-रेंज 10 किमी और 100 किमी/घंटा की रफ्तायर से लक्ष्यों को भेदने में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनी एनआईबीई लि ने हाल ही में इजराइल की रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एल्बिट सिस्टम से 70 मिमी क्लास की हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट का सौदा किया है। शनिवार को इस सौदे की घोषणा की गई। 6.12 करोड़ रुपए की लागत से इसे सितंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। यह सौदा भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का हिस्?सा है, जिसके तहत स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाया जा रहा है। अब मन में सवाल उठता है कि गाटर मिलाइल क्या है, जो इजराइल भारत से खरीदा रहा है?

गाटर एक कॉस्ट-इफेक्टिव हाई प्रीसीजन (सटीकता) वाला रॉकेट है, जिसे मध्यम दूरी के टैक्टिकल हवाई अभियानों के लिए डिज़ाइन किया है। इसकी रेंज 10 किमी तक है और यह 100 किमी/घंटा तक की गति से चल रहे लक्ष्यों को भेद सकता है। गाटर में अत्याधुनिक सेमी-एक्टिव लेजर गाइडेंस सिस्टम है, जो इसे बेजोड़ सटीकता प्रदान करता है। यह 16 किलोग्राम का वारहेड ले जा सकता है, जो 200 मिमी तक प्रबलित कंक्रीट को भेदने में सक्षम है। यह रॉकेट एएच-64 अपाचे और एचएएल रुद्र जैसे कई हमलावर हेलीकॉप्टरों के साथ इंटीग्रेट यानी लोड हो सकता है। इजराइल को भारत से गाटर रॉकेट चाहिए, क्योंकि यह लागत प्रभावी और सटीक है। इसकी 10 किमी रेंज और लेजर गाइडेंस इसे शहरी युद्ध के लिए आदर्श बनाता है। एनआईबीई पुणे में स्थित रक्षा टेक्नोलॉजी क्षेत्र में इनोवेशन, स्वदेशीकरण और वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है। यह कंपनी उन्नत रक्षा प्रणालियों के डिज़ाइन, निर्माण और इंटीग्रेशन में माहिर है। एल्बिट सिस्टम के साथ यह साझेदारी भारत में उच्च तकनीक वाले रक्षा उपकरणों के निर्माण की दिशा में एक कदम है।

एनआईबीई इस ऑर्डर के तहत गाटर के पुर्जों का निर्माण और आपूर्ति करेगा, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों और वैश्विक सहयोगियों के लिए मिशन की सफलता और परिचालन सुरक्षा में वृद्धि होगी। यह सौदा भारत की रक्षा निर्यात क्षमता को दर्शाता है। एनआईबीई की यह उपलब्धि भारत को वैश्विक रक्षा बाजार में एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है। यह साझेदारी तकनीकी उन्नति और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी, खासकर पुणे के विनिर्माण क्षेत्र में। यह भारत-इजराइल रक्षा सहयोग को भी मजबूत करता है, जो हाल के ऑपरेशन सिंदूर के बाद और प्रासंगिक है।

भारी बारिश का कहर-यूपी के 17 जिलों में बाढ़, बिहार में बिजली गिरने से 6 की मौत, अब तक 275 की गई जान

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में जारी भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में हालात गंभीर बने हुए हैं, जबकि देशभर में मानसून इस बार सामान्य से 4प्रतिशत अधिक सक्रिय रहा है।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लखनऊ, अयोध्या और अंबेडकरनगर में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बीते 24 घंटे में प्रदेश में बारिश संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की जान चली गई है।

वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। वाराणसी के 84 घाट जलमग्न हो गए हैं और एक लाख से अधिक घरों में पानी भर गया। प्रयागराज की सड़कों पर नावों का संचालन शुरू कर दिया गया है, और हजारों लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले चुके हैं। बताया जा रहा है कि 1978 के हालात न बनने पाएं इसलिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

मध्य प्रदेश में भी बारिश का कहर जारी है। बताया जा रहा है कि 16 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से अब तक 275 लोगों की मौत बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी है। कई नदियां और नाले उफान पर हैं।

बिहार में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। बीते 24 घंटे में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई है। पटना समेत सभी 38 जिलों में सोमवार को बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका जताई है।

जानकारी अनुसार वर्ष 2025 में अब तक देशभर में सामान्य से 4.1 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। जून में 9प्रतिशत अधिक और जुलाई में 5प्रतिशत अधिक वर्षा हुई। यह स्थिति 2013 के बाद पहली बार देखने को मिली है, जब मानसून के शुरुआती दो महीनों में लगातार सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें राहत कार्यों में जुटी हुई हैं। प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस बल की मदद से राहत व बचाव अभियान जारी है।

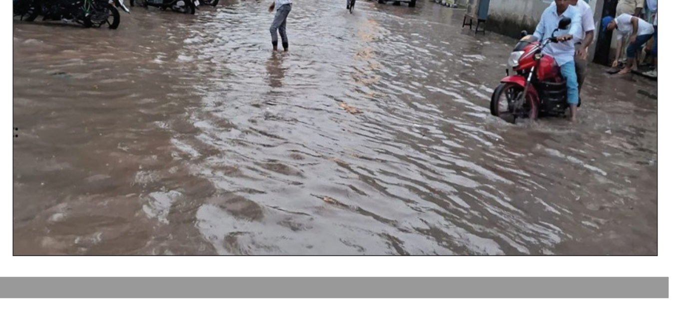

भारतीय सेना देश की रक्षक, रक्तदाता जीवन रक्षक: रविन्द्र इंद्राज

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 4 अगस्त। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर जापानी पार्क रोहिणी में आयोजित रक्तदान शिविर एक बूंद सेना के लिए में देश भर से आए रक्तदाताओं का उत्साह ब?ाया। रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि भारतीय सेना के शौर्य पर देश को गर्व है। सेना, देश की रक्षक है और वैसे ही रक्तदाता भी जीवन रक्षक हैं। समाज कल्याण मंत्री ने इस रक्तदान महाकुम्भ के आयोजन के लिए लक्ष्मी तरू फाउंडेशन, आर्मड फोर्सेज ट्रांसफ्यू ?न सेंटर और दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से

आए वालंटियर्स की सराहना की। शिविर में रिकॉर्ड 2240 यूनिट रक्त एकत्र हुआ, इसे सेना, दिल्ली के सरकारी अस्पतालों और गैर सरकारी ब्लड बैंकों के लिए उपलब्ध कराया गया। इस मौके पर थैलीसीमिया के स्क्रीनिंग के लिए भी रोटरी क्लब की ओर से शिविर लगाया गया। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार 'स्वच्छ दिल्ली-सशक्त दिल्ली' के संकल्प को आगे ब?ा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गरीब परिवारों को निःशुल्क इलाज के लिए शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली सरकार की पहली कैबिनेट में स्वीकृति दी गई। 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को प्रतिवर्ष 10 लाख तक के निःशुल्क इलाज के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना लागू की गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के निर्देश पर अब तक 67 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जा चुके हैं और कुल 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर सभी विधानसभाओं में खोले जाएंगे। हॉस्पिटल इन्फॉरमेशन मैनेजमेंट सिस्टम से अस्पतालों में ऑनलाइन ओपीडी अपॉइंटमेंट, डिजिटल ओपीडी स्लिप और रीयल-टाइम मेडिकल रिकॉर्ड्स उपलब्ध होंगे। रविन्द्र इंद्राज ने इस अवसर पर स्वच्छता अभियान-दिल्ली को कू? से आजादी को भी जन सहयोग से सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस माह आजादी के पर्व पर दिल्ली को स्वच्छ बनाने में सहयोग देकर देश के महानायकों को श्रद्धांजलि दें। इस अवसर पर लक्ष्मी तरू फाउंडेशन के प्रमुख विपिन गर्ग ने कहा कि 16 राज्यों के 40 से अधिक शहरों से रक्त दाताओं ने देश का अब तक का सर्वाधिक 2240 यूनिट ब्लड डोनेट किया है। सेना को समर्पित इस आयोजन को इंडियन बुक ऑ? रिकॉर्ड्स के लिए भेजा गया है।

एसएसबी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली का उद्घाटन

कौमी पत्रिका

दिल्ली, 4 अगस्त। चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणीय मुकाम हासिल कर चुके एसएसबी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल अब दिल्ली के लोगों को भी उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाएगा। दिल्ली की कैलाश कालोनी में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अत्याधुनिक 50-बेड के एसएसबी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। दिल्ली में अत्याधुनिक एसएसबी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन समारोह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने अस्पताल की आवरण पट्टिका का अनावरण किया। इस अवसर पर सांसद सुश्री बंसुरी स्वराज और विधायक श्रीमती शिखा राय भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर अस्पताल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस.एस. बंसल ने मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, सांसद सुश्री बंसुरी स्वराज और विधायक श्रीमती शिखा राय का फूलों का बुके भेंट कर स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डा. एस.एस. बंसल ने कहा कि आज के समय में अत्यधिक महंगे कॉरपोरेट अस्पतालों और सीमित सुविधाओं वाले छोटे नर्सिंग होम्स के बीच एक बड़ी खाई है। एसएसबी अस्पताल का उद्देश्य इस खाई को पाटते हुए एक ऐसा संस्थान बनाना

है जो आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ किफायती और मानवीय सेवा भी प्रदान करे। उन्होंने बताया कि अस्पताल में मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण और सशक्त आईसीयू बैकअप की सुविधा उपलब्ध है, जिससे जटिल सर्जरी और गंभीर रोगियों के इलाज में उच्च स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। डॉ. बंसल ने बताया कि अस्पताल लगभग सभी प्रमुख बीमा कंपनियों से पैनल पर है और आयुष्मान भारत - पीएम-जय योजना में भी पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार गरीब और वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को ?10 लाख तक की मुफ्त इलाज की सुविधा विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार निजी अस्पतालों जैसे एसएसबी अस्पताल के साथ मिलकर आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर सांसद सुश्री बंसुरी स्वराज और विधायक श्रीमती शिखा राय ने कहा कि यह अस्पताल उनके निर्वाचन क्षेत्र के नागरिकों को लंबे समय तक उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा और उन्होंने डॉ. बंसल की इस पहल की सराहना की। यह उद्घाटन समारोह क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है, जो उन्नत तकनीक, सेवा भावना और जनसुलभ चिकित्सा सुविधा को एक छत के नीचे लेकर आया है।

दिल्ली में दो विदेशी नागरिकों की मौत- एक कमरे में मिले दोनों के शव, खाना खाने गई दोनों की जान

नई दिल्ली। दिल्ली के डाबड़ी इलाके में रविवार शाम एक घर में दो नाइजीरियाई युवकों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को आशंका है कि दोनों की मौत नशे की ओवरडोज से या फिर दूषित खाना खाने से हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। मृतक की पहचान जोसफ और चिबिटर्न के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि रविवार शाम पुलिस को चाणक्य प्लेस स्थित ए-2/9, प्रथम तल पर कपड़े के गोदाम के पीछे एक इमारत में दो नाइजीरियाई नागरिकों के शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन करने के बाद क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किया। छानबीन के बाद पुलिस ने बताया कि मृतकों के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। जांच करने पर पता चला कि दोनों युवक बुराड़ी इलाके के रहने वाले थे। एक दिन पहले ही वह अपने एक परिचित हैनरी के पास आए थे जिसने मकान को किराये पर लिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में किसी भी प्रकार की कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीडीयू मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने दोनों मृतकों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए पुलिस की एक टीम को बुराड़ी के लिए रवाना कर दिया है। पुलिस मृतकों के बारे में पता कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

NAME CHANGE
I PETTY S/o GULZAR SINGH R/o H.NO. 14/69 BLOCK NO. 14 , SUBHASH NAGAR NEW DELHI. 110027 HAVE CHANGED MY NAME TO GURDARSHAN SINGH FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I hitherto known as ANNU S/o VINOD, R/o 191, Vikas Kunj, Loni, PO: Loni, Dist. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as ANIKET, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SATPAL S/O MUNNA LAL R/O BISHOKAR, MODINAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201204, have changed the name of my minor son ADESH aged 12 years and he shall hereafter be known as AYUSH.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHARMA SINGH S/O LAKSHMI NARAYAN MISHRA R/O KH NO.-1343 A, NEAR BALAJI MANDIR, SILWER CITY, LONI DEHAT, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as NARINDER NARAYAN.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mohd. Shafi** is purchasing the Ground Floor portion, without roof and terrace rights, Property bearing no. 1/254 (Old no. 28/2-E/17-E/1-C), area measuring 41.80 Sq. Meters i,e. 50 Sq. Yards, out of Khasra no. 721, situated at Village-Chandrawali alias Shahdara, in the abadi of Gali no. 5, Durga Mandir, Indira Park, Jwala Nagar, Shahdara, Delhi-110032 from Mr. Vishwas who is the owner of the property vide Relinquishment Deed dated 23.08.2019 which was registered as Doc. No. 6521, Book no. 1, Vol no. 1981, Pg. No. 45 to 51, dated 26.08.2019,SRO- Delhi and Intend to mortgage the said property with **Piramal Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती चंद्रवती पत्नी श्री मदनपाल, निवासी, मकान नंबर 234, ग्राम व पोस्ट खानदोई, जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश, एक आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 150.75 वर्ग गज, खसरा संख्या 2176, 2177, 2178, 2183, स्थित ग्राम रमपुरा, परगना बरन, तहसील व जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री पत्र दिनांक 15.05.2017, क्रमांक 2462, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 4916, पेज 205/250, सब रजिस्ट्रार 2, बुलंदशहर, द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित प्रॉपर्टी का पूर्व का दस्तावेज आरिजनल बिक्री पत्र दिनांक 09.09.2013, क्रमांक 6467, जिल्द संख्या 3587, पेज 1/32, सब रजिस्ट्रार 2, बुलंदशहर, कही खो गया, जिसके बावत खोने की रपट ऑनलाइन थाना क्राइम ब्रांच दिल्ली में, एल आर नंबर 3081233/2025, दिनांक 04.08.2025, को दर्ज है। मेरे मुविक्कल श्रीमती चंद्रवती उक्त संपत्ति को गिरवी रख कर ऋष्ठा ले रही हैं, जो सत्या माइक्रो हाउसिंग फाइनेन्स प्राइवेट लि0, शाखा बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या सत्या माइक्रो हाउसिंग फाइनेन्स प्राइवेट लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, SURESH JANRAO LOKHANDE is father of No. 2811348H Rank- SEP Name- LOKHANDE MANISH SURESH, R/o VPO- ASSEGAON BAZAR, TEH- AKOT, DIST- AKOLA, STATE -MAHARASHTRA PIN-444101,have changed my name from SURESH LOKHANDE to SURESH JANRAO LOKHANDE for all future purposes. Vide affidavit dated 28.07.2025. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MUHAMMED AALAM S/O MUHAMMED YOSUF Residing at H No H NO-796 KATRA CHAMAR WALA PACH, SADAR BAZAR, NORTH DELHI 110006 have changed my name to MOHD ALAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHABANA W/O MOHD ALAM Residing at H No H NO-796 KATRA CHAMAR WALA PACH, SADAR BAZAR, NORTH DELHI 110006 have changed my name to SHABANA PARVEEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, POONAM SINGH is legally wedded spouse of BHUPENDRA SINGH presently residing at H NO-4X, 0604, AWHO TOWNSHIP GURJINDER VIHAR, SEC-CHI-1, GREATOR NOIDA, GAUTAM BUDDH NAGAR (UTTAR PRADESH)-201308 have changed my name from POONAM SINGH to PUNAM SINGH for all future purposes. Vide affidavit dated 30/07/2025, Before Notary Public New Delhi.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as HARIOM KHANDELWAL ALIAS HARIOM GUPTA S/O RIKHI LAL R/O G-4/43-44 2ND Floor, Sector-16 Rohini, Rohini Sector15, PO: Rohini Sector 15, Dist: North West Delhi, Delhi-110089 have changed my name and shall hereafter be known as HARIOM KHANDELWAL.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 JITENDRA KUMAR S/O MAHENDRA SINGH R/O H No-421 Room No 51 1st Floor Habura Bichpatiya Mohalla Dallupura Po Vasundhra Enclave Dist East Delhi Delhi-110096 declare that name of mine has been wrongly written as PAPPU KUMAR in my minor daughter namely SUHANI KUMARI aged 13 years in her school record. The actual name of mine is JITENDRA KUMAR which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अमजद सैफी पुत्र मोहम्मद नसीर सैफी निवासी बशीर मोहल्ला, ग्राम इंदरगढी, डासना देहात, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, एक आवासीय प्लॉट/मकान नंबर 73, क्षेत्रफल 66 वर्ग गज, खसरा संख्या 253, स्थित इंदरगढी ग्राम व परगना डासना, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री पत्र दिनांक 21.06.2024, क्रमांक 7624, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 24140, पेज 01/30, सब रजिस्ट्रार 1, गाजियाबाद, द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित प्रॉपर्टी का पूर्व का दस्तावेज आरिजनल बिक्री पत्र दिनांक 01.07.2013, क्रमांक 6017, जिल्द संख्या 11201, पेज 49/64, सब रजिस्ट्रार 1, गाजियाबाद, कही खो गया, जिसके बावत खोने की रपट ऑनलाइन थाना क्राइम ब्रांच दिल्ली में, एल आर नंबर 3081372/2025, दिनांक 04.08.2025, को दर्ज है। मेरे मुविक्कल श्री अमजद सैफी उक्त संपत्ति मकान नंबर 73, को श्रीमती ललिता केशरी पत्नी त्रिलोक नाथ केशरी के हाथ बेच रहे हैं, जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, Aasiya Begam W/O Khan Sahab R/o VPO Sudaka Near Bus Stand, Mewat Nuh-122107, Haryana have changed my name to Ashiya for all future purposes

NAME CHANGE
I, Sehruni / Sahruna W/O Hamid Hussain R/o VPO Sudaka Near Bus Stand, Mewat Nuh-122107, Haryana have changed my name to Sehruni Hussain for all future purposes

NAME CHANGE
I, No. 15814568X Rank-HAV Name-KANZARIYA BHUDARBHAI BHAGVANBHAI Father of SHREYANSH KANZARIYA Presently residing at VPO-GHANSHYAMPUR, TEH-HALVAD, DIST-MORBI, GUJARAT-363330, have changed my minor son's name from SHREYANSH KANZARIYA to SHREYANSH BHUDARBHAI KANZARIYA for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JASPREET KAUR ALIAS JASPREET KAUR NIGAM D/O P P SINGH EX. WIFE OF ANKIT NIGAM PERMANENT RESIDING AT G-1/474, DAL MILL ROAD, OPPOSITE VIDYA MEMORIAL SCHOOL, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059 PRESENTLY RESIDING AT 166, T-3, GALI NO. 11, WEST GURU ANGAD NAGAR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 declare that I got divorced from my husband vide Court decree HMA No. 986/2021 dated 23.07.2025. Further I have changed the name of mine and my minor daughter AISHWARYA NIGAM aged 11 years and we shall hereafter be known as JASPREET KAUR and SIMARJEET KAUR.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Abhimanyu Singh S/o Pitam R/o Flat No 601, Surya Apartment 2, Sector 104, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 declare that name of mine has been wrongly written as Abhimanyu in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine is Abhimanyu Singh.

PUBLIC NOTICE
I, Giriraj Gupta S/o Raj Bahadur Gupta R/o Flat No- 602, Tower-D2, Greater Noida West, Sector 16B, Supertech Ecovillage 2, Greater Noida, Bisrakh, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306 have changed the name of my minor son Govind Gupta aged 10 years and he shall hereafter be known as Akshad Gupta.

NAME CHANGE
I, MOHD SAMEER S/O SHAMIM R/O HNO. F-62, FIRST FLOOR, MURADI ROAD, GALI NO 11, BATALA HOUSE, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025, declare that the name of my father and mother has been wrongly written as MD SHAHMIM PARVEEN in 10th and SHAHEEN PARVEEN in 12th certificates. The actual name of my father and mother is SHAMIM and SHAHEEN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Farhan Akhtar S/O Riyaz Khan R/O D-205A, GALI NO-2, WEST VINOD NAGAR, Shakar Pur Baramad, Shakarpur, Gandhi Nagar, East Delhi, Delhi - 110092, have changed my name from Farhan Akhtar Khan TO Farhan Akhtar for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SUNITHA KUMARI GR wife of JC-312158N, Rank-SUB Name-RAJAGOPAL K residing SOPANAM, PO-THIRUVALLOM, TALUK/DIST-THIRUVANANTHAPURAM, KERALA-695027, have changed my name from SUNITHA KUMARI GR to SUNITHAKUMARI G R for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, REHMUDDIN KHAN S/O NOOR MOHMMAD residing at PANCHANKA(244), HATHIN, PALWAL, HARYANA-121103. have changed my name to REHMUDDIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JASMEEN KAUR SIDHU W/O RAMESH RAI residing at PLOT NO-99, KALI PIYO, DICHAON ROAD, PART-B2, SURYA KUNJ, DELHI-110043. have changed my name to JASMEEN SIDHU VERMA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PINCHEN SHERPA is legally father of No 13758916A Rank HAV Name DAWA NARBU SHERPA is presently residing at VILL-UPPER RABEK LADAM KHASMAHAL, PO-KAGAY BAZAR, TEH-KALIMPONG, DIST-KALIMPONG (WEST BENGAL)-734311 have changed my name from PINCHEN SHERPA to RINCHEN SHERPA vide affidavit No. IN-DL28918246166305X dated 02/08/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Avinash Chauhan S/O G.S.Chauhan R/O House NO-E-96, Aali Vihar, Sarita Vihar, South Delhi-110076, declare that name of my wife has been wrongly written as PINKI CHAUHAN in my Passport No. N 4550404. The actual name of my wife is GEETA DEVI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, YASHAWANT SINGH S/O SHIV RAM R/O NEAR MARWADI CHOUPAL, DAKORA, PALWAL, HARYANA-121106, HAVE CHANGED MY NAME TO YASHWANT SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, NILAMBEN KANZARIYA Wife of No. 15814568X Rank-HAV Name-KANZARIYA BHUDARBHAI BHAGVANBHAI Presently residing at RUDRA TOWNSHIP, HALVAD, DIST-MORBI, GUJARAT-363330, have changed my name from NILAMBEN KANZARIYA to NILAMBEN BHUDARBHAI KANZARIYA for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2025 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुशील घोरावत प्रो. मेसर्स एसएन एक्वा सिस्टम्स, 42/18, साइट–IV औद्योगिक क्षेत्र, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 1887/18, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना बवाना, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सुशील घोरावत** नहीं मिल रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त दानिश **सुशील घोरावत** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1887/18, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना बवाना, दिल्ली** के अभियुक्त **सुशील घोरावत** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सार्थक पंवार
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05
उत्तरी जिला, कमरा नं. 114
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10231/ON/2025

NAME CHANGE
I GULSHAN PARVEEN, W/O NAWAB, R/O S-14, B-/326B , GROUND FLOOR, JJR CAMP, OKHLA PHASE 2,NEW DELHI 110020,HAVE CHANGED MY NAME TO GULSHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, KISHORE CHAND Father of JC-343305M Rank-NB SUB Name-PANKAJ SHARMA Presently residing at VILL-SHRI PANDIAN, PO-TALWARA, TEH-MUKERIAN, DIST-HOSHIARPUR, PUNJAB-144216, have changed my name from KISHORE CHAND to KISHOR CHAND for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as SABIRA W/O MOHAMMAD YUSUF R/O GALI NO-3, ASHIYANA CITY, LONI DEHAT, DISTT GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as FARDUL BEGAM.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Pinki D/O Suresh Kumar W/O Ronit Gahlot, R/O H.NO-3, NAWADA VILLAGE, UTTAM NAGAR, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi- 110059,have changed my name and shall hereafter be known as PINKI.

NAME CHANGE
I hitherto known as Jagdish Lal S/o Bhalle R/o H.No-26, MCD Colony Samai Pur, Badli, Samai Pur, North West Delhi, Delhi-110042 have changed my name and shall hereafter be known as Jagdish.

NAME CHANGE
I, SUBHAS YADAV is father of No. 2801553W Rank- HAV Name YADAV RADHESHYAM SUBHAS, R/O VILL-BIRPURA, POST-BIRPURA, TEH-RASRA, DIST-BALLIA, STATE-UTTAR PRADESH, PIN-221709 have changed my name from SUBHAS to SUBHAS YADAV and date of birth from 22/11/1956 to 01/7/1951 for all future purposes.Vide affidavit dated 28.07.2025. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Meena w/o Billa Bhatt R/o Tc-89, Gali No-10, Transit Camp, Anand Parbat, Karol Bagh, Central Delhi-110005 have change my name Meena Bhatt Permanently.

NAME CHANGE
I, Basanti w/o Ashok R/o B-178/H-196, Block-A-5, Transit Camp, Anand Parbat, Karol Bagh, Central Delhi - 110005 have change my name to Basanti Bhatt for all future purposes.

NAME CHANGE
I, 15814568X Rank-HAV Name-KANZARIYA BHUDARBHAI BHAGVANBHAI Presently residing at VPO-GHANSHYAMPUR, TEH-HALVAD, DIST-MORBI, GUJARAT-363330, have changed my father's name from BHAGWAN BHAI to KANZARIYA BHAGVANBHAI VITHALBHAI for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/08/1964 instead of his correct date of birth as 01/01/1966 vide Affidavit dated 04/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMED BASIR S/O AINUL HAQUE residing at ROAD NO-4/4, SANGAM VIHAR, JAGATPUR ROAD, WAZIRABAD, NEAR A K BUILDER, DELHI-110084 have changed my name to MOHAMMAD BASIR for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I KRISHNA SAKET W/O SHRI KAMLESH KUMAR R/O JHUGGI NO D - 343, GP-BLOCK, PITAMPURA, DELHI-110034 declare that name of mine has been wrongly written as KRISHNA DEVI in my minor son namely DEVANSH aged 13 years in his school record. The actual name of mine is KRISHNA SAKET which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ANIL MUKHIYA S/o JANY MUKHIYA R/o House No. 240, Village Pitampura, Near Shivaji Market, Delhi, Pitampura, North West Delhi, Delhi-110034, declare that name of my mine has been wrongly written as ANIL KUMAR in my minor daughter namely ARUSHI aged 10 years in her School Records. The actual name of mine is ANIL MUKHIYA, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Yatinder Kumar S/O Jagdish Kumar, R/O H N0-3904, Street N0-26, Near Vishnu Mandir Marg, Raigar Pura, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi, 110005, declare that name of mine has been wrongly written as YATINDER in my Minor son JAI KUMAR aged 17 years in his 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine is YATINDER KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, AAKASH RATRA, S/o KHUSHDIL RATRA, R/o B-805, 8th Floor Tower B, Oxy Homez, Indraprastha Yojna, Loni, PO: Loni, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed the name of my minor daughter RIYANI RATRA alias ADVITI RATRA aged 3 years and she shall hereafter be known as ADVITI RATRA.

PUBLIC NOTICE
I, Kanishk son of Sh. Bijendra Kumar resident of Garhi Kalanijri, Baghpat, Uttar Pradesh-250101 declare That my name is wrongly written in Aadhaar Card Number 5579 1679 9880 is Kanak and my name in my Senior School Certificate is written as Kanishk. Now I have changed my name from Kanak to Kanishk for all future purposes.

NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT. LTD.
Corp. Off.: ROF Group, Building No. 80, First Floor, Sector-44, Gurgaon-122003, Ph. 0124-4399399

Notice is hereby given to the Public at large that the following booking of residential apartments in the Affordable Housing Project **"ROF ALANTE "** being developed by **M/s NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT.LTD** situated at **Sector 108, Gurugram** , Haryana vide License No. 43 of 2019 dated: 05.03.2019. has been cancelled due to non –payment of installments of their apartments till its due date or any other reason, the information/reminders of which has been given them according to terms of the Haryana Affordable Housing Policy 2013, dated 19/8/2013 (as amended).

Application No.	Carpet Area (Sq. Ft.)	Apartment No.
1237 , 5259	3 BHK, TYPE A (645.743 SQ.FT.)	C-102 , D-201
3010	3 BHK, TYPE C (645.786 SQ.FT.)	D-805

That you have failed to make the payment within the stipulated period as notified earlier in reminders and various letters sent to you earlier, it is therefore presumed and/or deemed that the allottee (s) or concern has no claims/objections by virtue of this notice and, if any, the same have been waived or abandoned without any reference to such claims/objections made thereafter and necessary action will be taken as per the applicable Policy and Law.

For NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT. LTD.
Place: Gurugram (Haryana) Director

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **मोहम्मद सफ़र, पुत्रः रुस्तम, निवासीः सी–26, बुध सिंह विद्यालय के पास, अंजलि विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.15/2024 U/S. 356/379/411 IPC** के तहत एक मामला **थाना पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **मोहम्मद सफ़र** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **मोहम्मद सफ़र** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.15/2024 U/S. 356/379/411 IPC, थाना पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली** के आरोपी उक्त **मोहम्मद सफ़र** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए **दिनांक 06.10.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार सुश्री तानिया सिंह
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट–02,
कक्ष संख्या 295ए, द्वितीय तल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/10036/Rly/2025
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **मो. अफजल उर्फ अफजाल, पुत्रः सलाउद्दीन, निवासीः मकान नंबर 25, हाजी जमील का मकान, ग्राम महाराजपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.305/2023 U/S 379/356/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना मधु विहार, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **मो. अफजल उर्फ अफजाल** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **मो. अफजल उर्फ अफजाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.305/2023 U/S 379/356/411/34 IPC, थाना मधु विहार, दिल्ली** के आरोपी उक्त **मो. अफजल उर्फ अफजाल** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए **दिनांक 11.09.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, उदभव कुमार जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-04
कमरा नं. 13, द्वितीय तल,
शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/10259/ED/2025
(अदालती मामला)

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Nadeem Akhattar S/O Mohamd Saleem R/O H. No F-409,Gali No. 11,Khasra No. 199, Naseeb Vihar Ilachipur , Loni PO: Loni Dist: Ghaziabad Uttar Pradesh -201102, declare that name of my father and mother has been wrongly written as Mohd Shameen and Roshnara in my 10th and 12th educational documents,and name of my father has been wrongly written as Mohd Shameen in my Graduation educational documents and Pan Card No.CUYPA9399E.The actual name of my father and mother are Mohamd Saleem and Roshan Aara

Lost & found
This is for general public information that I Geetansh Malik Grandson of Trilok Chand Malik S/O Sant Ram Malik R/o D 127,12th Avenue Gaur City 2 Greater Noida West UP 201009 have lost the property documents of C-2, Hazara Park, Delhi – 110051 including its chain, registry and all annexure of it All concerned are hereby informed and requested that the original documents are missing/lost. If anyone finds them, please contact at the above address.

NAME CHANGE
I, RAMULAMMA mother of NO-15710141F Rank-HAV, Name-SANKARA REDDY YEDURU R/O VILL-GOVINDAPURAM, PO-KOTABOMMALI RS, TEHSIL-SANTHA BOMMALI, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532195 have changed my name from RAMULAMMA to YEDURU RAMULAMMA for all future purposes vide Affidavit Dated 04/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAMARAO father of NO-15710141F Rank-HAV, Name-SANKARA REDDY YEDURU R/O VILL-GOVINDAPURAM, PO-KOTABOMMALI RS, TEHSIL-SANTHA BOMMALI, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532195 have changed my name RAMARAO to YEDURU RAMARAO for all future purposes vide Affidavit Dated 04/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, AMI VIRANI W/O TAPAN VIRANI residing at A-752, SARITA VIHAR, DELHI-110076, declare that the name of mine has been wrongly written as AMEE VIRANI in my minor son Namely VEDANT VIRANI, aged 17 years in his 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine is AMI VIRANI, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, SUMIT SHRIVASTAV S/O MUKESH SHRIVASTAV residing at 330, KUCHA GHASI RAM, CHANDNI CHOWK, DELHI-110006. have changed my name to SUMIT SHRIVASTAVA for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for General information that I, Deepanshu Verma, S/o- Gitanand Verma, R/o: G-60, Gali No 10, Near Auto stand, Rajapuri, Uttam Nagar, D.K.Mohan Garden, PO: Uttam Nagar, DIST: West Delhi, Delhi-110059 Declare that Name Of Mine and My Father has been Wrongly Written as DEEPANSHU BANSAL and Gitanand in My 10th Class Education Documents The actual Name of Mine and My Father are Deepanshu Verma and Gitanand Verma which May be amended accordingly.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदे से छापकर प्रकाित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बंधवाड़ी कचरा प्लांट के पास गांवों में पानी के लिए अलग से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट हो : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित बंधवाड़ी कचरा प्रबंधन प्लांट का निरीक्षण कर प्लांट के संचालन व सौंदर्यकरण को लेकर अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्लांट के संचालन में पारदर्शिता और प्रभावशीलता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन पर विशेष जोर दिया। राव नरबीर सिंह ने प्लांट के आस-पास बसे गांवों की पानी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्लांट के फरीदाबाद रोड की ओर घने और सुंदर पेड़ लगाए जाएं, ताकि क्षेत्र की हरियाली बढ़े और प्रदूषण स्तर में कमी आए। इसके साथ ही उन्होंने प्लांट से लिचेट के बाहर रिसाव को रोकने के लिए मजबूत

व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि लिचेट ट्रीटमेंट प्लांट को मुख्य परिसर के भीतर ही बनाया जाए, ताकि प्रदूषण नियंत्रण बेहतर हो सके। प्लांट की बाहरी परिधि पर बांध बनाकर वहां पौधारोपण करने के भी निर्देश दिए गए। राव नरबीर सिंह ने प्लांट के आस-पास बसे गांवों की पानी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और स्वच्छता के लिए ठोस योजनाएं बनाई जाएं। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने मंत्री को अवगत कराया कि प्लांट में व्यू-कटर लगाने का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, जिससे इसकी बाहरी छवि में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त चारदीवारी निर्माण, पौधारोपण और अंदरूनी सर्कुलर रोड का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। दहिया ने बताया कि एनवीवीएनएल द्वारा भी इस प्लांट पर एक परियोजना प्रस्तावित है। बंधवाड़ी दौरे के बाद मंत्री ने राजीव चौक का भी निरीक्षण किया और वहां सौंदर्यकरण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके पश्चात स्थानीय लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में एक अहम बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें नजफगढ़ ड्रेन क्षेत्र में जलभराव की समस्या पर गंभीर मंथन किया गया।

महलाना में शुरू हुआ सुलह-समाधान का न्यायिक अभियान

एजेंसी

सोनीपत। न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सोनीपत जिले में एक नई पहल की गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गांव महलाना में जन-जागरूकता अभियान मेडिएशन फॉर द नेशन की शुरुआत की गई, जो वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रचेता सिंह ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से न्याय तंत्र पर बढ़ते बोझ को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। मध्यस्थता प्रक्रिया के जरिए जनता को शीघ्र, सरल, सौहार्दपूर्ण और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। महलाना में स्थापित सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र में तीन अनुभवी मध्यस्थों कुलदीप सिंह, ओपी रंगा और सुनीता की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। ये मध्यस्थ गांव के लोगों को आपसी बातचीत और समझौते के माध्यम से विवादों के समाधान में मदद करेंगे। प्रचेता सिंह ने

ग्रामवासियों से अपील की कि वे इस सुविधा का भरपूर लाभ लें और पारिवारिक, सामाजिक या अन्य विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाकर समाज में सौहार्द कायम रखें। अधिक जानकारी हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनीपत के हेल्पलाइन नंबर 0130-2220057 पर संपर्क किया जा सकता है।

हरियाणा के जोहड़ों के उत्थान में विश्वविद्यालय देगा सहयोग

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा में जल संरक्षण और जलाशयों के पुनर्जीवन को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी) ने हरियाणा तालाब प्राधिकरण के साथ मिलकर राज्य के तालाबों और जोहड़ों के संरक्षण, नियोजन व विकास में तकनीकी सहयोग देने का निर्णय लिया है। इस साझेदारी से न केवल पर्यावरणीय संतुलन में सुधार होगा, बल्कि विद्यार्थियों को भी व्यवहारिक प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। कुलगुरु प्रकाश सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय सामाजिक जिम्मेदारी के अंतर्गत जलाशयों के पुनरुद्धार में तकनीकी दक्षता से योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय में तालाब प्राधिकरण के प्रमुख सलाहकार प्रभाकर कुमार वर्मा की उपस्थिति में रविवार को एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिविल इंजीनियरिंग, वास्तुकला व पर्यावरण विभाग के साथ समन्वय की योजना बनाई गई। बैठक में तय हुआ कि पहले चरण में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व शिक्षक उन गांवों का सर्वेक्षण करेंगे, जहां जलाशयों का कार्य पूर्ण हो चुका है या चल रहा है। ग्रामीणों की प्रतिक्रिया और कार्य की गुणवत्ता का आकलन कर रिपोर्ट प्राधिकरण व सरकार को भेजी जाएगी। साथ ही जलाशयों के निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांचने के लिए शिक्षकों व विशेषज्ञों की टीम बनाई जाएगी।

हरियाणा विश्वविद्यालय अनुबंधित शिक्षकों को सेवा सुरक्षा की आस जगी

सोनीपत। हरियाणा में विश्वविद्यालयों के करीब 1400 अनुबंधित शिक्षक अब स्थायित्व की दिशा में एक कदम और करीब पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा पहले ही विभिन्न विभागों के अस्थायी कर्मियों को सेवा सुरक्षा दी जा चुकी है। अब यह मांग विश्वविद्यालयों तक पहुंच गई है। हरियाणा यूनिवर्सिटी अनुबंधित शिक्षक संघ (हुकटा) के प्रदेशाध्यक्ष विजय मलिक ने बताया कि सरकार कॉलेज, स्कूल, पॉलीटेक्निक और कौशल रोजगार निगम से जुड़े लगभग एक लाख 20 हजार कर्मचारियों और करीब 3000 शिक्षकों को पहले ही सेवा सुरक्षा दे चुकी है। अब विश्वविद्यालयों के अनुबंधित शिक्षकों की जानकारी कुलसचिवों से मंगाई गई है, जिससे इस दिशा में ठोस निर्णय की संभावना प्रबल हो गई है। बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के रीजनल सेंटर खरल की इकाई ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने आश्वासन दिया कि वे यह मुद्दा मुख्यमंत्री और मुख्य प्रधान सचिव के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार नीति निर्माण की प्रक्रिया में है और सभी अनुबंधित शिक्षकों की सेवा 100 प्रतिशत सुरक्षित की जाएगी। ज्ञापन सौंपते समय डॉ. सोनू, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. गीता, डॉ. सूरज भान, डॉ. मंजू, डॉ. लवली, डॉ. अर्चना, डॉ. स्वीटी, डॉ. वंदना सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। हुकटा ने आशा जताई है कि मानसून सत्र में इस संबंध में बड़ा निर्णय हो सकता है।

संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में गोहाना में चला तलाशी अभियान

सोनीपत। गोहाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सोनीपत पुलिस ने संदिग्धों की तलाश में गोहाना में तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व सहायक पुलिस आयुक्त राहुल देव ने किया, जिसमें शहर के प्रमुख क्षेत्रों में गहन जांच की गई। सोनीपत जिले के गोहाना शहर में रविवार को सहायक पुलिस आयुक्त गोहाना राहुल देव के नेतृत्व में एक व्यापक कांबिंग अभियान चलाया गया। थाना शहर गोहाना की पुलिस टीम ने इस अभियान के अंतर्गत पुरानी सब्जी मंडी, पानीपत चुंगी और विष्णु नगर सहित विभिन्न इलाकों में जांच-पड़ताल की। इसका उद्देश्य क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखना, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करना और नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाना था। पुलिस टीम ने जांच के दौरान झुग्गी बस्तियों में जाकर वहाँ रहने वाले लोगों से बातचीत की और यह सुनिश्चित किया कि कोई आपराधिक प्रवृत्ति वाला व्यक्ति इन स्थानों को अपना ठिकाना न बना रहा हो। इसके अलावा, होटलों, ढाबों और सार्वजनिक स्थानों की भी गहन जांच की गई। आम लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया।

भाजपा-कांग्रेस एक सिक्के दो पहलू: सुनैना चौटाला

सोनीपत। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की वरिष्ठ नेता सुनैना चौटाला ने सोनीपत जिले के खरखौदा विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाते हुए भाजपा और कांग्रेस दोनों पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इनेलो की नेता सुनैना चौटाला ने खरखौदा क्षेत्र के गांवों ककरोई, भदाना, झरोठी, खाण्डा, खेड़ी दहिया, निरथान, नकलोई, बिधलान, सिलाना, रिढ़ाउ, फरमाना, माजरा, गोरड, सिसाना, गढ़ी, चौलका, झरोठ, रोहट, बैयापुर, लहराडा का दौरा कर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि इनेलो जनता की समस्याओं को समझती है और उनका समाधान ही उसका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों में इनेलो को समर्थन देने की अपील की। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर उन्होंने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते कहा कि हत्या, लूट और धमकी जैसी घटनाएं।

राष्ट्रीय मित्रता दिवस पर कवियों ने किया मित्रता का गुणगान

एजेंसी

झज्जर। जिला के गांव नूनामाजरा में अखिल भारतीय साहित्य परिषद की जिला इकाई की ओर से राष्ट्रीय मैत्री दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कवियों ने मित्रता का अपने-अपने ढंग से बहुत रोचक गुणगान किया। राष्ट्रीय मित्रता दिवस के उपलक्ष में निकटवर्ती गांव नूनामाजरा में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्था के जिला संरक्षक कृष्ण गोपाल विद्यार्थी और जिलाध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुग्राम से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार त्रिलोक कौशिक ने की। इस अवसर पर उपस्थित रहे रचनाकारों डॉ मंजु दलाल,जगबीर कौशिक,अनिल भारतीय, मोहित कौशिक के अलावा पवन कुमार व शिवम् ने सभी को मैत्री दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपनी कविताओं के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संयोजक विरेन्द्र कौशिक द्वारा अतिथि कवियों का आभार जताने के साथ काव्य गोष्ठी का समापन हुआ। काव्य गोष्ठी में कवि त्रिलोक कौशिक ने कहा कि जिस नदिया में पानी काला, पत्थर काले बाकी हैं। उस नदिया में सबकी खातिर, कई उजाले, बाकी हैं। आंगन धोकर चली गई है बारिश कल फिर,सच है ये दीवारों पर आगजनी के, धब्बे काले बाकी हैं। बहादुरगढ़ के गीतकार कृष्ण गोपाल विद्यार्थी बोले, मत कर यहां बिगड़े हुए हालात की बातें।लाशों को क्या समझाएगा जज़्बात की बातें। कवि वीरेंद्र कौशिक ने मित्रता को इश्क बाजी से जोड़ते हुए कहा 'मेरा जीवन तार तार हो गया।तलवार की वो धार हो गया। नादां उम्र में किसी बेवफा से, मुझको बहुत प्यार हो गया। हरियाणवी कवि जगबीर कौशिक ने मां की पवित्रता पर बल दिया - नहाया धोया सेंट लगाया मन का धोया मैल नहीं।जो भीतर का काला हो वो किसै काम का छैल नहीं।।अनिल भारतीय गुमनाम ने दोस्ती के प्यार में डूबते हुए कहा- यूं तो हूं गुमनाम सा प्यारा बादल मैं। तेरे खालिस प्रेम में हो गया पागल मैं।। मोहित कौशिक ने महंगाई पर संजय करते हुए कहा - हम ने जिम्मेदारियों की ऐसी राह चुनी है। घर की हर एक ख्वाहिश बन्दूक सी तनी है। माँ की दवाई ने निवाला छोटा कर दिया, बच्चे की तालीम जान की दुश्मन बनी है। कवयित्री डॉक्टर मंजू दलाल बोली - हर पल आजकल नज़ारे हैं तुम्हारे। चलती हैं धड़कनें भी इसी सोच के सहारे।।

कैकेई बनवास न मांगती तो राम राजा बनकर रह जाते, राम नहीं बनतेः धनखड़

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने यहां दक्ष प्रजापति समारोह में आई भीड़ से गदगद होते हुए जबरदस्त हुंकार भरी और इस शहर का नाम झज्जर होने का श्रेय प्रजापति समाज के काम को दे डाला। उन्होंने कहा कि झज्जर की झझरी पूरे देश में प्रसिद्ध है। प्रजापति समाज के काम से यह झझरी प्रसिद्ध हुई और इसी से झज्जर का नाम निकला। धनखड़ ने मंच से अपने जोशीले अंदाज में कहा कि कैकेयी यदि राम के लिए बनवास नहीं मांगती तो राम राजा ही बनकर रह जाते राम नहीं। इसी तरह से यदि महाराजा दक्ष प्रजापति की बेटी यदि शपथ नहीं लेती तो आज हमारे देश में जो 52 शक्तिपीठ हैं, वे स्थापित न हो पाती। भाजपा नेता धनखड़ ने अपने ठेठ हरियाणवी में भारत में स्थापित इन 52 शक्तिपीठ के नाम भी मंच से गिनवाए। उन्होंने देश में प्रजापति समाज का अहम रोल बताया। उन्होंने कहा कि आज यदि कोई मिट्टी से बना हुआ बर्तन किसी

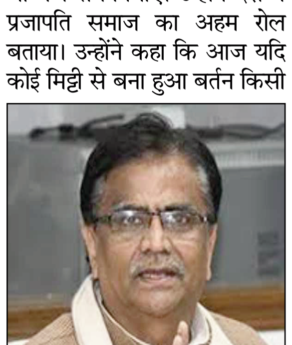

के हाथ में आ जाता है तो उसकी जिज्ञासा होती है कि यह कौन से वर्ष में बना था। धनखड़ ने मंच के माध्यम से प्रजापति समाज की सभी मांगें पूरी करने की मांग भी कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के सामने उन्हें ठाडा मंत्री बताते हुए रखी। इस दौरान धनखड़ ने मीडिया के सवालों के भी जवाब दिए। दुष्यन्त चौटाला के नायब सैनी सरकार को गायब सरकार बताने के सवाल का जवाब देते हुए न सिर्फ प्रदेश की सरकार को नायाब बताया, बल्कि यह भी कहा कि किसी के छोटा बताने से कोई छोटा नहीं बन जाता। राहुल गांधी के भाजपा पर वोटों की चोरी करने का आरोप लगाए जाने के सवाल का जवाब देते हुए धनखड़ ने कहा कि जब महाराष्ट्र का चुनाव हुआ था, तब यही लोग वहां वोट बढ़ाए जाने की बात कहते थे। अब जब बिहार का चुनाव आने वाला है तो यहीं लोग अब वहां पर वोट घटने की बात कहते है। इसी वजह से इन लोगों के बयान को कोई गंभीरता से नहीं लेता।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सबको मिलकर उठाने होंगे कदमः सुभाष बराला

एजेंसी

सिरसा। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसे गंभीर समस्याओं के समाधान की दिशा में उठाए जा रहे छोटे-छोटे कदम बहुत बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। हमें समझना होगा कि अगर हम आज हरियाली को नहीं बचाएंगे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध हवा और पानी सपना बन जाएगा। वे चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में आयोजित 76वें जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वन महोत्सव कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में 2000 से ज्यादा पौधे लगाए गए। वहीं, वनों को बढ़ावा देने व उनके संरक्षण की जानकारी के साथ-साथ आमजन में जागरूकता पैदा करने के लिए मौके पर स्टॉल लगाकर निःशुल्क पौधे

बांटे गए। इसके अलावा जिला सिरसा को हरा भरा बनाने में सराहनीय योगदान देने वाले नागरिकों को भी सम्मानित किया गया। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक का कर्तव्य है। इसलिए हम सभी को मिलकर पर्यावरण संरक्षण के लिए कदम उठाने होंगे और धरा को स्वच्छ व हरा भरा बनाना होगा। सुभाष बराला ने कहा कि आज का यह आयोजन सिर्फ एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह हमारी धरती मां के प्रति हमारी जिम्मेदारी और श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं जो न केवल पर्यावरण बचाने में मदद कर रही हैं, बल्कि आम जनता को भी इस अभियान में भागीदार बना रही हैं। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' सिर्फ एक स्लोगन नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और सामाजिक आंदोलन है। सीडीएलयू के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर को हरित बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हम विद्यार्थियों को भी प्रकृति के प्रति जागरूक कर रहे हैं, जिससे एक हराभरा और स्वच्छ वातावरण तैयार हो सके। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सिरसा यतिंद्र सिंह एडवोकेट, जिलाध्यक्ष डबवाली रेणू शर्मा, वेद फुलां ने भी पर्यावरण संरक्षण पर संदेश दिया।

सीईटी पास लड़कियों की नौकरी के साथ सरकार न करें राजनीतिः जयहिंद

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा से सीईटी पास महिलाओं का एक प्रतिनिधि मंडल ने जयहिंद से मिलकर अपनी समस्या रखी। महिलाओं ने बताया कि उन्होंने 2022 में सीईटी पास किया जिसके बाद हमारे एमपीएचडब्ल्यू मेन्स में भी कटऑफ से ज्यादा नंबर आए, लेकिन हमारी ज्वाइनिंग नहीं करवाई गई, जबकि कुछ लोगों की ज्वाइनिंग हुई। इस समस्या को लेकर हम मुख्यमंत्री व आयोग के चेयरमैन से भी मिल चुके है, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। महिलाओं ने जयहिन्द को आखिरी उम्मीद बताते हुए जयहिन्द के सामने अपनी बात रखी। जयहिन्द का कहना है कि जब कोई अपनी समस्या लेकर मुख्यमंत्री के दरबार में जाए और फिर भी उसकी समस्या का समाधान न हो, तो यह ठीक बात नहीं है। मुख्यमंत्री नायब सैनी व स्वास्थ्य मंत्री आरती राव से अनुरोध है कि समस्या पर गौर कर जल्द समाधान करे। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह से भी अपील की इन बच्चों को न्याय दिलवाइए, कोर्ट के चक्कर मत कटवाइए।जयहिन्द ने बताया कि ये महिलाएं एमपीएचडब्ल्यू की कैंडिडेट है, इन महिलाओं का काम जब कोई महिला गर्भवती होती है तो वहां से इनका काम शुरू होता है, और मृत्यु प्रमाण पत्र भी यही बनाती है, यानी गर्भ से लेकर मरने तक का होता है। साथ ही जयहिन्द ने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के बयान पर टिपण्णी करते हुए कहा कि अगर सरकार आप लोगों की वजह से बनी है तो इन महिलाओं की समस्या भी आप लोगों की वजह से खत्म हो जाए तो बहुत अच्छी बात होगी। महिलाओं ने बताया कि हम अपनी इस मांग को लेकर पहले धरना भी दे चुके है लेकिन आयोग के अधिकारियों द्वारा हमें नौकरी वापिस देने का झूठा आश्वासन देकर हमारे धरने को खत्म करवा दिया गया।

इस बार भी राखी पर्व पर रोडवेज बसों में महिलाओं और बच्चों के लिए फ्री यात्रा

जेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा में रक्षाबंधन पर्व पर रोडवेज बसों में महिलाओं और 15 साल तक के बच्चे फ्री यात्रा कर सकेंगे। यह जानकारी हरियाणा रोडवेज के फरीदाबाद डिपो के ट्रैफिक मैनेजर नवनीत बजाज ने दी है। हर साल की तरह इस बार भी आठ अगस्त दोपहर 12 बजे से नौ अगस्त रात 12 बजे तक महिलाएं और उनके साथ 15 साल तक के बच्चे हरियाणा रोडवेज की साधारण और स्टैंडर्ड बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। हालांकि, यह सुविधा एसी (एयर कंडीशन) बसों में नहीं मिलेगी।

फरीदाबाद डिपो के ट्रैफिक मैनेजर नवनीत बजाज ने बताया कि रक्षाबंधन पर हर साल यात्रियों की भीड़ काफी ज्यादा रहती है, खासतौर पर महिलाएं भाई से राखी बांधने के लिए ससुराल से मायके जाती हैं या फिर वापस लौटती हैं। ऐसे में महिलाओं और बच्चों की सुविधा के लिए यह विशेष मुफ्त यात्रा योजना लागू की जा रही है। फिलहाल विभाग को मुख्यालय से लिखित आदेश नहीं मिले हैं, लेकिन तैयारियां पूरी कर ली गई हैं

और अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दे दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह सुविधा केवल हरियाणा राज्य की सीमा के भीतर लागू होगी। किसी अन्य राज्य जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश (आगरा, अलीगढ़ आदि) में प्रवेश करते ही महिला और बच्चे को टिकट लेना होगा। एसी बसों में यह छूट लागू नहीं होगी। महिलाओं को यदि एसी बस में यात्रा करनी है तो उन्हें किराया देना पड़ेगा। सुविधा केवल साधारण और स्टैंडर्ड रोडवेज बसों पर ही लागू रहेगी।रोडवेज प्रशासन की ओर से यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए ड्राइवर और कंडक्टर की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। बस स्टैंड पर अतिरिक्त स्टाफ की ड्यूटी लगाई जाएगी और सूचना बोर्ड पर निर्देश भी चस्पा किए जाएंगे। रक्षाबंधन को देखते हुए फरीदाबाद से गुरुग्राम, सोहना, आगरा, अलीगढ़ और दिल्ली जैसे प्रमुख रूटों पर बसों की संख्या बढ़ा दी जाएगी। गुरुग्राम और सोहना रूट पर हर 15 मिनट में बसें चलेंगी ताकि महिलाओं को बसों का इंतजार न करना पड़े। ट्रैफिक मैनेजर नवनीत बजाज ने भरोसा दिलाया है कि रक्षाबंधन पर हर बहन-बेटी की यात्रा को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। बसों की कोई कमी नहीं है और त्योहारी सीजन में व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहेगी।

भाजपा की नीति से प्रभावित जजपा नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा की राजनीति में जननायक जनता पार्टी को एक बड़ा झटका उस समय लगा जब उसके बरोदा हलका अध्यक्ष सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। यह राजनीतिक घटनाक्रम न केवल बरोदा हलके की

राजनीति को प्रभावित करेगा बल्कि आगामी चुनावी समीकरणों में भी परिवर्तन की भूमिका निभा सकता है।

बरोदा हलका से जजपा को तगड़ा झटका देते हुए जजपा के हलका अध्यक्षपवन शर्मा ने अपने समर्थकों सहित भाजपा का दामन थाम लिया। उन्होंने यह निर्णय भारतीय जनता पार्टी की जनहितकारी नीतियों और संगठनात्मक मजबूती से प्रभावित होकर लिया। पवन शर्मा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के नेतृत्व में सोनीपत स्थित कार्यालय पहुंचकर सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रदीप सांगवान भी उपस्थित रहे, जिनके प्रयासों से यह बदलाव संभव हो सका। पवन शर्मा गांव मोई हुड्डा के वर्तमान सरपंच हैं और गोहाना की अनाज मंडी में व्यापारी भी हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले ही जजपा हलका अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। पवन शर्मा के साथ गांव पुठी के सरपंच आनंद धनखड़, गांव रभड़ा के सरपंच जयबीर और रभड़ा निवासी अनिल ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने सभी नवागत कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए इसे भाजपा की नीति व जनसेवा के प्रति बढ़ते जनविश्वास का प्रतीक बताया।

पिछड़ा वर्ग के साथ सबसे ज्यादा अन्याय हुड्डा राज में हुआ : रणबीर गंगवा

एजेंसी

झज्जर। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा है कि प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के साथ सबसे ज्यादा अन्याय हुड्डा राज में ही हुआ है। हुड्डा राज ने पिछड़ा वर्ग के बैकलॉग को तोड़ा और योग्य को अयोग्य घोषित करने का काम भी इसी राज में हुआ। रणबीर गंगवा झज्जर में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओपी धनखड़ के साथ जिला स्तर पर आयोजित दक्ष प्रजापति जयन्ती समारोह में बोल रहे थे। रणबीर गंगवा ने यहां दक्ष प्रजापति समारोह के बाद में मीडिया कर्मियों के सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने इस दौरान कांग्रेस को एक पार्टी न बता कर एक गुट बताया और कहा कि वहां पर सभी नेताओं के अपने अलग-अलग गुट हैं। दुष्यन्त चौटाला द्वारा हरियाणा की नायब सरकार को गायब सरकार बताए जाने पर टिप्पणी करते हुए गंगवा ने कहा कि हरियाणा की जनता जानती है कि प्रदेश से गायब कौन हो चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में हर जरूरत वाले व्यक्ति की जरूरत को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा शासन में किसी को कुछ मांगने की जरूरत नहीं होती। मुख्यमंत्री नायब

सिंह सैनी स्वयं किसान परिवार से आते हैं और यही वजह है कि वह हर वर्ग की समस्या से भली-भांति परिचित हैं और उस समस्या के निदान में लगे रहते हैं। गंगवा ने कहा कि प्रदेश की सभी खस्ताहाल सड़कों को दिसंबर माह तक चकाचक कर दिया जाएगा। टेंडर हो चुके हैं और जैसे ही मौसम ठीक होता है तो खस्ताहाल सड़कों को दुरूस्त करने का और नई सड़कें बनाने का काम शुरू हो जाएगा। राहुल गांधी द्वारा भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व पर वोटों की चोरी करने का आरोप लगाने के सवाल पर बोलते हुए रणबीर गंगवा ने कहा कि बिहार में भी वह इसी प्रकार के आरोप लगा रहे हैं।

नारनौल में ढोसी हिल्स की तलहटी में मनाया वन महोत्सव

एजेंसी

नारनौल। पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार राज्य के वन और वृक्ष आवरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ जैव विविधता का संरक्षण करते हुए नागरिकों के लिए एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने को कृतसंकल्पित है। ओमप्रकाश यादव 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत ढोसी हिल्स की तलहटी में स्थित च्यवन वाटिका हर्बल पार्क, (ढोसी) में पौधरोपण के बाद जिला स्तरीय वन महोत्सव में संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। विधायक ओम प्रकाश यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार ने वन संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए वन मित्र योजना जैसी महत्वपूर्ण पहल की है जिसका उद्देश्य गैर-वन भूमि पर पौधरोपण गतिविधियों में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इस योजना के तहत, सरकार वन मित्रों को पौधे लगाने और उनकी देखभाल के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इससे न केवल हरियाली बढ़ती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी पैदा होते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान को आगे बढ़ते हुए एक पेड़ जरूर लगाएं तथा उसे बड़ा होने तक संरक्षित रखें। महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि महर्षि च्यवन की धरा को इस कार्यक्रम के लिए चुना जाना हम सबके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि जिला महेंद्रगढ़ में प्रकृति ने बहुत से खूबसूरत स्थान दिए हैं। इनमें ढोसी पहाड़ भी एक महत्वपूर्ण स्थान है, जहां सरकार टूरिज्म को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। यहां रोपवे प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद बहुत बड़ा बदलाव आएगा।

NAME CHANGE

I, Tanish Dahiya S/o Mukesh Kumar R/o #H.No-1502, Pana Milan, Nahri, Sonipat Haryana-131103 hereby undertake that I Tanish Dahiya want to change my name to Amyra Dahiya and gender as female. I Tanish Dahiya henceforth be known as Amyra Dahiya D/o Mukesh Kumar

NAME CHANGE

I, Komal D/o Salinder Kumar R/o #Singhaur (163), Kurukshetra, Haryana-136156 hereby undertake that I Komal want to change my name to Kamal and gender as male. I Komal henceforth be known as Kamal S/o Salinder Kumar

मधुमेह और वजन घटाने की दवाओं को बाजार में उतारने की मची होड़

- सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करण बाजार में लॉन्च की तैयारी

नई दिल्ली।

मधुमेह और वजन घटाने की दवाओं की वैश्विक मांग बढ़ने के कारण, भारतीय फार्मा कंपनियां सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करणों (जीएलपी-1) को बाजार में लाने की तैयारी है। सेमग्लूटाइड एक दवा है जो मधुमेह और मोटापे के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। इस दवा का पेटेंट मार्च 2026 में खत्म हो जाएगा, जिसके बाद भारतीय कंपनियां इसके जेनेरिक संस्करण को बाजार में लाएंगी। भारत में अभी सेमाग्लूटाइड गोली और इंजेक्शन के रूप में उपलब्ध है जिसे डेनमार्क की कंपनी नोवो नॉर्डिस्क बनाती है।

दवा के जेनेरिक संस्करण का लॉन्च बेहद महत्वपूर्ण होगा क्योंकि भारतीय ग्राहकों के लिए कीमतें मौजूदा 17,000-26,000 रुपए मासिक से काफी कम होने की उम्मीद है जिससे ज्यादा मरीज इसका लाभ उठा पाएंगे। डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, सन फार्मा, मैनकाइंड फार्मा और अन्य कंपनियां लॉन्च करने की तैयारी में है। ये कंपनियां पेप्टाइड के उत्पादन को बढ़ा रही हैं और दूसरे इंतजाम के लिए साझेदारी कर रही हैं और नियामकीय रणनीतियों के अनुरूप ढलने की कोशिश में हैं ताकि तेजी से बढ़ते जीएलपी-1 बाजार में अपनी हिस्सेदारी बना सकें।

उम्मीद है कि दशक के अंत तक इस दवा का वैश्विक बाजार 150 अरब डॉलर से भी ज्यादा हो जाएगा। हैदराबाद की कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज (डीआरएल) की योजना, 2026 से 87 देशों में सेमाग्लूटाइड को वैश्विक स्तर पर लॉन्च करने की है जिसके तहत पेटेंट खत्म होते ही भारत और ब्राजील में इसे पहले ही दिन लॉन्च किया जाएगा। कंपनी के सीईओ ने कहा है कि उनकी दवा की कीमत नोवो नॉर्डिस्क की दवा की प्रतिमाह 17,000 रुपए से कम होगी। कंपनी अगले दशक में चरणबद्ध लॉन्च के लिए 26 पेप्टाइड आधारित जीएलपी-1 दवाएं भी तैयार कर रही है जिसके लिए 2026 में पेप्टाइड और बायोसिमिलर उत्पादन बढ़ाने के लिए 2,700 करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च किया जाएगा।

सिप्ला आंतरिक स्तर पर साझेदारी के जरिये पहले चरण के लॉन्च का लक्ष्य रखा है। कंपनी के एमडी और वैश्विक सीईओ ने कहा कि पिछले पांच सालों में हमने जीएलपी-1 को थेरेपी के क्षेत्र में एक बड़े मौके के तौर पर देखा है।

भारती एयरटेल की कुल आमदनी 49,615 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान

-अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में शानदार प्रदर्शन की बैठक में होगी घोषणा

नई दिल्ली।

देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी भारती एयरटेल इस बार अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर सकती है। कंपनी के नतीजे मंगलवार अगस्त को घोषित किए जाएंगे। विश्लेषकों का मानना है कि इस तिमाही में कंपनी की आमदनी और मुनाफा दोनों में अच्छी बढ़त देखने को मिल सकती है। इसकी वजह भारत में मोबाइल ग्राहकों की संख्या में इजाफा और औसत प्रति यूजर आय में सुधार माना जा रहा है।

भारती एयरटेल ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि कंपनी के बोर्ड की बैठक 5 अगस्त को होनी है। इस बैठक में कंपनी अप्रैल-जून तिमाही के स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड वित्तीय नतीजों पर मुहर लगाएगी। ये तिमाही 30 जून 2025 को खत्म हो गई है। बाजार के चार प्रमुख ब्रोकरेज संस्थानों नुवामा, कोटक, प्रभुदास लीलाधर और जेएम फाइनेंशियल ने अपने अनुमान जारी किए हैं। सभी ने भरोसा जताया है कि एयरटेल का प्रदर्शन मजबूत रहेगा। नुवामा का मानना है कि एयरटेल की कुल आमदनी 49,615 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है, जो पिछली तिमाही 48,362 करोड़ थी यानी करीब 2.6 फीसदी की ग्रोथ। साल दर साल तुलना करें तो यह बढ़त 27.6 फीसदी मानी जा रही है। भारत के मोबाइल सर्विस बिजनेस में ग्राहकों की संख्या बढ़ने से करीब 3.4फीसदी ग्रोथ आ सकती है, हालांकि एआरपीयू में केवल मामूली बढ़त का अनुमान है।

जेन स्ट्रीट की हेराफेरी ने भारत के डेरिवेटिव बाजार की खामियों को किया उजागर

नई दिल्ली।

देश के नियामकों ने एक हाई फ्रीक्वेंसी वाली ट्रेडिंग फर्म, जेन स्ट्रीट को बाजार में हेराफेरी करते पिछले दिनों पकड़ा था, लेकिन सच यह है कि इसने सालों की बढ़ोतरी के बाद भारत के डेरिवेटिव बाजार के मूल में मौजूद गहरी संरचनात्मक खामियों को उजागर कर दिया है। एक तो वायदा और विकल्प यानी एफऐंडओ कारोबार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सूचकांक त्रुटिपूर्ण हैं। दूसरा नीति निर्माताओं का यह दावा पूरी तरह सही नहीं है कि डेरिवेटिव बाजार कुशल मूल्य निर्धारण को सक्षम बनाता है, बाजार में नकदी की स्थिति में सुधार करता है और निवेशकों को जोखिम प्रबंधन की अनुमति देता है। इंडेक्स डेरिवेटिव्स में विशाल मात्रा केवल दो सूचकांकों तक सीमित है। निफ्टी 50 और बैंक निफ्टी और कुछ हद तक फिननिफ्टी। सूचकांक निर्माण को अक्सर एक अजीबो-गरीब अभ्यास माना जाता है। इसमें भार, नकदी, मुक्त प्रवाह, क्षेत्रवार प्रतिनिधित्व जैसे कार्यप्रणाली संबंधी मुद्दों पर बहस होती है और फिर सूचकांकों में शेयरों को जोड़ने और हटाने के लिए समय-समय पर इन सबकी समीक्षा होती है। ऐसे तकनीकी निर्णय ट्रेडिंग और सट्टेबाजी के लिए गौण लग सकते हैं, लेकिन इनके गहरे निहितार्थ होते हैं। इंडेक्स एफऐंडओ बाजार पर करीब काबिज दो सूचकांकों में से, बैंक निफ्टी और भी ज्यादा विषम है। इसके दो घटक यानी एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक इसके भार का आश्चर्यजनक रूप से 53 फीसदी हिस्सा रखते हैं। सूचकांक के शीर्ष पांच शेयरों का कुल भार 82 फीसदी है। यदि यह सूचकांक एक ऐसा उत्पाद होता जो केवल बैंकिंग शेयरों की दिशा का संकेत देता, तो यह हानिरहित होता। लेकिन यदि कोई म्युचुअल फंड बैंकिंग क्षेत्र का फंड प्रस्तुत करना चाहता है, तो वह बैंक निफ्टी को मानक सूचकांक के रूप में इस्तेमाल करेगा। समस्या यहीं से शुरु होती है। सेबी चाहता है कि निवेश प्रबंधक मानक सूचकांक को गंभीरता से लें, लेकिन एक ऐसा सूचकांक कितना सार्थक हो सकता है जहां 53 फीसदी भार दो शेयरों में है? यदि एक बैंकिंग क्षेत्र के फंड ने 25-30 शेयरों में निवेश किया है, जिसमें से 10 फीसदी एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को आवंटित हैं, तो ऐसे फंड के लिए मानक सूचकांक कितना सार्थक होगा?

ऑटो पीएलआई योजना में 84 में से 16 कंपनियों ने किए मानदंड पूरे

-16 कंपनियों को कुल 107 मॉडलों व कलपुर्जों के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने करीब दो साल पहले वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए 25,938 करोड़ रुपए की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू की थी, लेकिन इसके लिए पात्र 84 आवेदकों में से महज 16 कंपनियां ही अपने मॉडलों के लिए स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी मानदंडों को पूरा कर पाई हैं जो प्रोत्साहन पात्रता के लिए जरुरी है। इन 16 कंपनियों को कुल 107 मॉडलों व कलपुर्जों के लिए मंजूरी मिल गई है। इन कंपनियों ने 31 जुलाई तक के आंकड़ों के आधार पर प्रोत्साहन हासिल करने के लिए पात्रता के स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी मानदंडों को पूरा कर लिया है। भारत में मोटर बनाने के लिए जरुरी दुर्लभ खनिजों के आयात पर चीन के प्रतिबंधों के कारण 50 फीसदी स्थानीयकरण के लक्ष्य तक पहुंचना वाहन विनिर्माताओं के लिए कठिन हो सकता है। यही कारण है कि वाहन उद्योग स्थानीयकरण की गणना में मोटरों को शामिल न करने के लिए सरकार से अनुरोध कर रहा है। शुरू में इस योजना को 1 अप्रैल 2022 से मार्च 2027 तक लागू किया गया था, लेकिन बाद में उसे एक साल बढ़ाकर 2028 कर दिया गया। एक वाहन विनिर्माता के पहले मॉडल को 50 फीसदी स्थानीय मूल्यवर्धन को पूरा करने पर पीएलआई योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए 17 अगस्त 2023 को मंजूरी दी गई थी। स्थानीय मूल्यवर्धन मानदंडों को पूरा करने वाले मॉडल रखने वाली कंपनियों के रिकॉर्ड से एक अलग तस्वीर सामने आती है। प्रमुख ओईएम और वाहन क्षेत्र के नए निवेशकों के बीच 20 कंपनियों में से महज 7 कंपनियों के पास ही ऐसे मॉडल हैं जिनके लिए आवेदन किया गया और स्थानीय मूल्यवर्धन की मंजूरी मिली है। इनमें से 15 कंपनियों के इलेक्ट्रिक वाहन सड़क पर मौजूद हैं। चार ऐसी कंपनियां हैं जिनके पास एक भी ईवी मॉडल नहीं है। ध्यान देने की बात यह भी है कि ओईएम चैंपियन श्रेणी में ऐसी कोई भी बहुराष्ट्रीय कंपनी नहीं है जिसे स्थानीय मूल्यवर्धन मानदंडों को पूरा करने की मंजूरी मिली हो। इनमें सुजूकी, ह्युंडै, किया और पीसीए ऑटोमोबाइल्स समेत सभी घरेलू कंपनियां हैं। वाहन कलपुर्जा के मामले में यह आंकड़ा काफी कमजोर है, जहां 64 पात्र कंपनियों में से महज 9 कंपनियों को ही पीएलआई प्रोत्साहन के लिए मंजूरी मिल पाई है लेकिन करीब 3 कंपनियों को ट्रैक्शन मोटर्स या हब मोटर्स के साथ एकीकृत व्हील रिम बनाने की मंजूरी मिल गई है। चीन में दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर पाबंदियों के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

वारेन बफे के लगातार शेयर बेचने से निवेशक घबराए

पिछली तिमाही में 26154 करोड़ के शेयर बेचे, बफेट के पास 30 लाख करोड़ की नगदी

नई दिल्ली।

शेयर बाजार के शहंशाह वारेन बुफेट की कंपनी वर्कशायर हैथवे ने पिछली तिमाही में 26154 करोड रुपए के शेयर बेचे हैं।पिछले 3 साल की 11 तिमाही से वह लगातार शेयर बेचकर नगदी जमा कर रहे हैं। वर्तमान में कंपनी के पास 30 लाख करोड रुपए की रिकॉर्ड नगदी जमा हो चुकी है।

वारेन ने कोका कोला और बैंक ऑफ अमेरिका जैसी बड़ी कंपनियों के शेयर सबसे ज्यादा बेचे हैं। इनके शेयरों का मूल्य,बाजार मूल्य से ज्यादा है।वारेन और उनकी टीम को शेयर बाजार में निवेश करने के लिए कोई अच्छी कंपनियां नहीं मिल रही हैं। जिसके कारण उनका नगदी का भंडार बढ़ता चला जा रहा है।पिछली तिमाही में 619 अरब डॉलर के शेयर बेचे, और 3.9 बिलियन डॉलर के शेयर खरीदे हैं। पिछले साल वारेन की कंपनी ने एप्पल और बैंक ऑफ अमेरिका मैं अपनी हिस्सेदारी घटाई है। वारेन बुफेट को शेयर बाजार की अच्छी समझ है।उन्होंने जो भी कमाया है शेयर बाजार के माध्यम से कमाया है। शेयर बाजार की वह नस-नस से वाकिफ हैं। जिस तरह से वह शेयर बाजार में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। उससे निवेशकों के बीच में एक भय देखने को मिल रहा है। विभिन्न देशों के बीच में जिस तरह से सामरिक एवं व्यापारिक मतभेद देखने को मिल रहे हैं। जो बार-बार तृतीय विश्व युद्ध की ओर इशारा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार के निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.65 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बढ़कर 87.22 पर खुला। डॉलर सूचकांक में गिरावट और एशियाई मुद्राओं में तेजी के कारण भी भारतीय रुपया बढ़त के साथ खुला। स्थानीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.22 पर खुली, जो शुक्रवार के 87.54 के बंद भाव से 32 पैसे ज्यादा है। डॉलर सूचकांक 100 के करीब पहुंच गया, जिससे रुपया 100 पैसे नीचे आकर अगस्त के पहले दिन 87.52 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय शेयरों की लगातार बिकवाली और तेल की कीमतों में तेजी से रुपए में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट आई थी। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 47,666 करोड़ रुपए की बिक्री की। कारोबारियों को आज रुपये के87.00 से 87.50 के बीच और इस सप्ताह 87.00 से 87.80 के बीच कारोबार की उम्मीद है।

दिलीप बिल्डकॉन के शेयरों में 4.4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी... विश्लेषकों ने दी सेल की सलाह

मुंबई। गुरुग्राम मेट्रो रेल प्रोजेक्ट मिलने और पहली तिमाही के शानदार नतीजों के बाद 4 अगस्त, दिलीप बिल्डकॉन के शेयरों में 4.4 प्रतिशत के उछल के साथ 478 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह प्रोजेक्ट आरबीएल बैंक के साथ साझेदारी में 1,503.6 करोड़ का है। इसके तहत कंपनी मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर 9 और द्वारका एक्सप्रेसवे (1.85 किमी) तक एक वायडक्ट (उठा हुआ मार्ग) और 14 ऊंचे स्टेशन तैयार करेगी। इसमें सेक्टर 33 में डिपो तक का रैंप और भक्तावर चौक पर एक अंडरपास का निर्माण होना है। इस पूरे प्रोजेक्ट को 30 महीने में पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। 29 जुलाई को घोषित पहली तिमाही के नतीजों के अनुसार, कंपनी का शुद्ध लाभ बीते साल की तुलना में 94 प्रतिशत बढ़कर 271 करोड़ हो गया। यह बढ़ोतरी मार्जिन में सुधार और 170 करोड़ के एक्सेप्शनल गेन के कारण हुई। हालांकि, कुल आय में 16 प्रतिशत की गिरावट आई, जो ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) ऑर्डरों में कमी को दिखाती है। दिलीप बिल्डकॉन के सीईओ देवेंद्र जैन ने बताया कि ईपीसी सेगमेंट में चुनौतियां होने के बावजूद, कोयला खनन और एचएएम (हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल) सड़क परियोजनाओं से सहायता मिल रही है। उन्होंने भविष्य में पर्याप्त नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद जाहिर की। कंपनी ने अपनी ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ तक के एनसीडी (नॉन-कंवर्टिबल डिबेंचर) और कमर्शियल पेपर्स जारी करने को भी मंजूरी दी है। विश्लेषकों के अनुसार, दिलीप बिल्डकॉन के शेयर का औसत टारगेट मूल्य 453 है, जो मौजूदा कीमत से लगभग 1 प्रतिशत कम है। छह विश्लेषकों ने इस शेयर के लिए सेल की सलाह दी है। पिछले एक महीने में शेयर में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन पिछले दो साल में कंपनी के शेयर ने 43 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी की मौजूदा बाजार कीमत करीब 6,696 करोड़ है।

वीआई दे रहा जियो से 50 रुपए सस्ता प्लान, 30जीबी एक्सट्रा डेटा भी

नई दिल्ली।

जियो के प्लान दूसरी कंपनियों से बेनिफिट के मामले में बेहतर हैं, लेकिन कुछ मामलों में दूसरी कंपनियां अपने प्लान्स से जियो को टक्कर दे रही हैं। वोडाफोन-आइडिया (वीआई) का 1749 रुपए वाला प्लान इन्हीं में से एक है। वैलिडिटी के मामले में यह जियो के 1799 रुपए वाले प्लान से आगे है। जियो से 50 रुपए सस्ते प्लान में वोडाफोन-आइडिया अपने यूजर्स को 30जीबी एक्सट्रा डेटा दे रहा है। जियो इसमें यूजर्स को नेटफ्लिक्स का ऐक्सेस मिलेगा, जो वोडाफोन-आइडिया में नहीं मिलता। जियो का यह प्लान 84 दिन की वैलिडिटी के साथ आता है। इस प्लान में आपको रोज 3जीबी डेटा मिलेगा। एलिजिबल यूजर्स को कंपनी अनलिमिटेड 5जी डेटा भी दे रही है। प्लान डेली 100 फ्री एसएमएस और देशभर में सभी नेटवर्क के लिए अनलिमिटेड कॉलिंग देता है। जियो यूजर्स को इस प्लान के साथ नेटफ्लिक्स बेसिक का फ्री ऐक्सेस मिलेगा। साथ ही जियो हॉटस्टार और जियो टीवी भी ऑफर करता है। प्लान में कंपनी जियो एआई क्लाउड पर 50जीबी स्टोरेज भी दे रही है। वोडाफोन-आइडिया का यह प्लान 180 दिन की वैलिडिटी के साथ है। इसमें कंपनी हर दिन 1.5जीबी डेटा देती है। प्लान में बिना किसी अडिशनल चार्ज 45 दिन के लिए 30जीबी एक्ट्रा डेटा भी दिया जा रहा है। कंपनी के 5जी नेटवर्क कवरेज वाले एरिया में रहने वाले यूजर्स को अनलिमिटेड 5जी डेटा भी मिलेगा। यह प्लान रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक अनलिमिटेड डेटा भी ऑफर करता है। साथ ही इसमें वीकेंड डेटा रोलओवर और डेटा डिलाइट्स भी दिया जा रहा है। प्लान में अनलिमिटेड कॉलिंग और हर दिन 100 फ्री एसएमएस मिलते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 418 , निफ्टी 157 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आई टी , वाहन और धातु शेयरों में उछाल के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 418 अंकों के उछाल के साथ 81,018.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 157.40 बढ़कर 24,722.75 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान टाटा स्टील के शेयर में 4 फीसदी की बढ़त आई। वहीं अन्य धातु और वाहन क्षेत्र में अच्छी तेजी दर्ज की गयी। बाजार में उछाल का कारण दूनिया भर के बाजारों में आई बढत और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी से आई है।

बाजार में सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों मे टाटा स्टील के शेयरों में 4.31 फीसदी की बढ़त आई. इसके बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में 3.55 फीसदी , अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन में 3.24 फीसदी , टेक महिंद्रा में 2.53 फीसदी , और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में 2.39 फीसदी तक की बढ़त रही।वहीं पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के शेयर सबसे अधिक 1.01 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 0.99 फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक में 0.60 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर में 0.25 प्रतिशतफीसदी , और आईटीसी के शेयर में 0.04 फीसदी की गिरावट रही।

बाजार जानकारों के अनुसार धातु ओर वाहन क्षेत्र के शेयरों में आये उछाल के साथ ही अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, के साथ ही कंपनियों के तिमाही परिणामों में सुधार से भी बाजार को बल मिला और वह ऊपर आया।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 192 अंक करीब 0.25 फीसदी बढ़त के साथ ही 80,804 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 82 अंक तकरीबन 0.34 फीसदी बढ़कर 24,648 पर खुला। आज वाहन क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। शुरुआती कारोबार में ही निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.29 फीसदी उछल गया। इसके अलावा पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, मीडिया, रियल्टी, इन्फ्रा और कमोडिटीज शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। आईटी, दवा, उर्जा और निजी बैंक शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सपाट कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 4 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 56,635 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 16 अंक नीचे आकर 17,652 पर था।

वहीं अमेरिका में टैरिफ और रोजगार रिपोर्ट के ताजा डेटा के कारण शुक्रवार को बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। इस दौरान अमेरिकी शेयर बाजारों में जमकर गिरावट रही। डाउ जोन्स 1.23 फीसदी, एसएंडपी 1.60 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 2.24 फीसदी गिरा। इससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले महीने ब्याज दरों को घटाने की संभावनाएं बढ़ीं हैं। वहीं एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख रहाहे। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.23 फीसदी, हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स में 0.50 फीसदी की बढ़त रही जबकि दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.77 फीसदी की बढ़त आई। जापान के निक्केई 225 में सुबह के समय 1.63 फीसदी की गिरावट रही।दूसरी ओर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार बिकवाली का सिलसिला जारी रखा और 3,366 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,186 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

अनिल अंबानी पर ईडी का दोहरा वार, दर्जन भर बैंकों को भी भेजे पत्र से बढ़ीं मुश्किलें

-मंगलवार को ईडी के समक्ष होना है पेश

मुंबई। देश के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में शुमार अनिल अंबानी इस बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निशाने पर हैं। जांच एजेंसी ने उन्हें 5 अगस्त को पूछताछ के लिए समन जारी किया है, साथ ही उन 12 से 13 बैंकों को भी पत्र भेजे हैं जिन्होंने उनकी कंपनियों को ऋण दिए थे। इस तरह से अब ये जांच मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के नए दायरे में प्रवेश कर गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, उद्रयोगपती अनिल अंबानी मामले में ईडी ने भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी बैंकों को पत्र लिखकर उनसे रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस, रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस को दिए गए लोन की विवरणात्मक जानकारी मांगी है। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया, चूक की समय-सीमा और वसूली की स्थिति जैसे बिंदुओं पर फोकस किया जा रहा है। संभव है कि बैंक अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए तलब किया जाए, जिनकी निगरानी में ये लोन स्वीकृत हुए थे और जो बाद में एनपीए में तब्दील हो गए।

3,000 करोड़ की लोन हेराफेरी की जांच

ईडी की यह जांच साल 2017 से 2019 के बीच के उस कथित मामले से जुड़ी है, जिसमें यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपये के लोन की गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, इन ऋणों के जारी होने से ठीक पहले कुछ प्रवर्तकों को फंड ट्रांसफर भी किए गए थे, जिससे यह संदेह गहराया कि यह प्रणालिबद्ध लेन-देन योजना हो सकती है।

चीनी कंपनियों के साथ कोई साझेदारी नहीं, अदाणी समूह ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट को बकवास बताया

अहमदाबाद।

देश के दिग्गज कारोबारी समूह अदाणी ने ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट को निराधार और भ्रामक बातकर पूरी तरह से खारिज किया है, जिसमें समूह के चीनी कंपनियों बीवॉयडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ संभावित गठजोड़ का दावा किया गया था।

कंपनी की ओर से जारी बयान में, अदाणी समूह के प्रवक्ता ने कहा कि वे 4 अगस्त 2025 की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट का खंडन करते हैं, इससे भारत में बैटरी निर्माण और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए बीवॉयडी के साथ सहयोग की संभावना तलाशने की बात कही गई थी। अडानी समूह के प्रवक्ता ने कहा, यह रिपोर्ट निराधार, गलत और भ्रामक है। अदानी समूह भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवॉयडी के साथ किसी भी प्रकार के सहयोग की संभावना नहीं तलाश रहा है। इसके अतिरिक्त, अडानी समूह ने दो टूक कहा कि वे बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी के लिए कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं।

समूह का यह खंडन तब आया है, जब अदानी समूह अगले पांच वर्षों में करीब 100 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय निवेश की तैयारी कर रहा है। अदानी समूह थर्मल और रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, एलएनजी, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी, बैटरी स्टोरेज, हाइड्रोजन ट्रक, ईवी चार्जिंग स्टेशन, पंप हाइड्रो और खनन सहित कई अन्य क्षेत्रों में कारोबार करता है। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे कुशल सीमेंट निर्माता होने के साथ-साथ एयरोस्पेस और डिफेंस, डेटा सेंटर और रियल एस्टेट सेक्टर में भी मौजूद है।

बीएसएनएल ने 30 दिन तक वैलीडिटी वाले रिचार्ज प्लान्स की वैधता घटाई

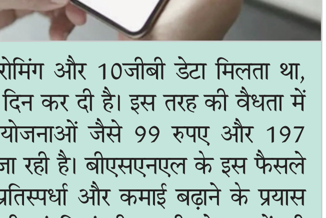

नई दिल्ली। सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल ने अपने बजट फ्रेंडली रिचार्ज प्लान्स की वैधता घटा दी है। पहले जहां बीएसएनएल के 147 रुपए वाले प्लान में 30 दिन तक अनलिमिटेड कॉलिंग, नेशनल रोमिंग और 10जीबी डेटा मिलता था, अब इसकी वैधता घटाकर 25 दिन कर दी है। इस तरह की वैधता में कमी कंपनी की दूसरी सस्ती योजनाओं जैसे 99 रुपए और 197 रुपए वाले प्लान्स में भी देखी जा रही है। बीएसएनएल के इस फैसले को टेलीकॉम इंडस्ट्री में बढ़ते प्रतिस्पर्धा और कमाई बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। निजी कंपनियां भी अपनी योजनाओं की वैधता कम करके ग्राहकों को बार-बार रिचार्ज कराने पर मजबूर कर रही हैं, और अब बीएसएनएल भी इस रास्ते पर है। वहीं दूसरी ओर, एयरटेल ने कॉलिंग और एसएमएस के लिए लंबी अवधि वाले प्लान पेश किए हैं, जो बिना डेटा के भी उपभोक्ताओं को ज्यादा दिन तक सेवा प्रदान करते हैं। एयरटेल का 469 रुपए का 84 दिन वाला प्लान और 1849 रुपए का सालभर वाला प्लान ग्राहकों को निरंतर संपर्क बनाए रखने का विकल्प देता है।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

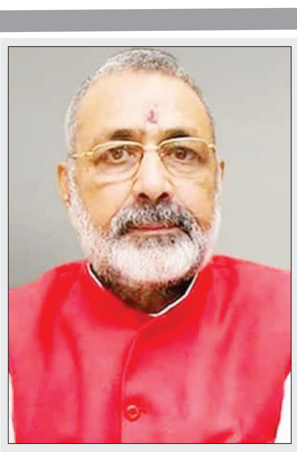

गिरिराज सिंह

आज, तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्त्रोत, रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दशार्ती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। 'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाजारों के लिए नए डिजाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के जरिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22% हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19% अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59% ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेजी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है। इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं। यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दशार्ता है।

आज, तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

संपादकीय

मिसाल हो कायम

बेंगलुरु स्पेशल कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को रेप के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 48 वर्षीय एक घरेलू सहायिका ने कई दफा रेप करने का आरोप लगाया था। बीते साल उस पर चार मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से पहले मामले में दोषी ठहराया गया है। उस पर आईपीसी की धाराएं 376 (2के) (प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा रेप), 376(2)(एन) (बार-बार रेप) 354(ए) (कपड़े उतारने के लिए हमला या बल प्रयोग), 354(सी)(ताकझांक), 506 (सबूतों को गायब करना), सूचना प्रोद्यौगिकी अधिनियम की धारा 66(ई) लगाई गई। 1632 पन्नों की चार्जशीट के साथ इलेक्ट्रॉनिक व अन्य 183 सबूत पेश किए गए। बीते साल कर्नाटक सैक्स स्कैंडल के उछलने के बाद प्रज्वल का नाम सामने आया था, उस पर पचास से ज्यादा महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है। पीड़ित अमूमन हासन, मैसूर व होलेनरासीपुर व करीबी इलाकों की हैं। हासन के इस सांसद के वहीं के स्टेडियम में सैकड़ों की तादाद में बिखरे मिले पेन ड्राइवों में तकरीबन तीन हजार सेक्स क्लिप व तस्वीरें मिलते ही मामले ने तूल पकड़ लिया था। कई वीडियो वह खुद बना रहा था। वीडियो वायरल होते ही वह देश छोड़ कर भाग गया। प्रधानमंत्री रहे दादा, मुख्यमंत्री रहे चाचा और मंत्री पिता का यह इंजीनियर बेटा 2019 में देश में तीसरा सबसे कम उम्र का सांसद बनने पर चर्चा में आया था। दादा के चेताने पर जर्मनी से लौटा तो एयरपोर्ट से ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पैसों और हैसियत के बल पर महिलाओं के साथ हैवानियत करने वाले की ताकत का ही भय है कि पचास में से केवल चार पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया। हालांकि पहले वह खुद को बेकसूर और आरोपों को झूठा बता रहा था। मगर पकड़े जाने के बाद उसने कन्नड़ टीवी चैनल को भेजे वीडियो में दादा, मां-बाप, जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकताओं व राज्य के लोगों से माफी मांगी। लोगों में अपराधियों के प्रति गुस्से के चलते मामले को दबाया नहीं जा सका। बेशक, यह न्याय प्रक्रिया की ताकत है जिसने राज्य चलाने वालों की विकृति को न सिर्फ उधेड़ा, बल्कि कमजोर वर्ग की उस स्त्री को न्याय देकर छिपी बैठीं पीड़िताओं को न्याया का भरोसा दिया है। हालांकि अभी दोषी ऊपरी अदालत जाने को स्वतंत्र है। वहां तक मामला जाने और सलाखों के पीछे जाने में सालों लग सकते हैं, जिससे बच जाना जरूरी हैं। ताकतवर दोषियों को सजा दिला कर कड़ा संदेश देना बेहद जरूरी है।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं।

शिबू सोरेन :'संथाल हूल' के विस्तार की से राजनीतिक शुरुआत

सुधीर पाल

सन् 1855 में जब सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, और फुलो-झानो ने 'दामिन-ए-कोह' की धरती पर अंग्रेजी राज, महाजनों और जमींदारों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका, तो वह सिर्फ हथियारबंद विद्रोह नहीं था, वह एक नई शासन व्यवस्था की माँग थी–जिसमें आदिवासी समाज अपने तरीके से जी सके, अपने नियम बना सके और अपनी जमीन, जंगल और संस्कृति की रक्षा कर सके।

इसी विचार की एक और कड़ी शिबू सोरेन की चेतना में दिखाई देती थी। शिबू सोरेन का प्रारंभिक संघर्ष भी बिल्कुल वैसा ही था जैसा संथाल विद्रोह का – महाजनों के खिलाफ, जमींदारों के शोषण के खिलाफ, और पुलिसिया अत्याचारों के विरुद्ध। उन्होंने 'धान काटो आंदोलन', जंगल में समाज सुधार सभाएं, शराबबंदी अभियान, बाल विवाह विरोधी आंदोलन जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए। शुरूआत में उनका आंदोलन उग्र था – हिंसा भी हुई, पुलिस से टकराव हुआ। लेकिन फिर के.बी. सक्सेना जैसे अधिकारियों के हस्तक्षेप और शिबू सोरेन की वैचारिक परिपक्वता के कारण यह आंदोलन लोकतांत्रिक दिशा में मुड़ा।

जहाँ संथाल विद्रोह में राजा की जगह आदिवासी ग्राम प्रमुख की कल्पना थी, वहीं शिबू सोरेन के आंदोलन में भी गांवों की संप्रभुता की मांग थी। जहाँ संथाल विद्रोह में हूल था, वहाँ शिबू सोरेन के आंदोलन में हुंकार थी–लेकिन उद्देश्य एक था-हम अपनी जमीन, जंगल और आत्मा पर किसी बाहरी सत्ता को स्वीकार नहीं करेंगे।

शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं हैं, वे उस क्रांति का नाम हैं, जो जमीन की गंध से उठी थी और संसद तक पहुंची। जब भारत की राजनीति में हाशिए पर खड़े समुदायों की बात होती है, तो झारखंड के आदिवासियों की पीड़ा और प्रतिरोध की गाथा में एक नाम सबसे पहले उभरता है–शिबू सोरेन। वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड के जनांदोलन के प्रतीक हैं। उनका जीवन, उनके विचार और उनके संघर्ष आदिवासी अस्मिता, जमीन, जंगल और जल की रक्षा के लिए खड़े हुए उस विराट आंदोलन का हिस्सा है, जिसने एक राज्य को जन्म दिया और हाशिए पर खड़े लोगों को आवाज दी।

एक समय नक्सली, फिर जन नेता

शिबू सोरेन का शुरूआती जीवन एक तरह से विद्रोही राजनीति की गोद में पला। उन्होंने जमींदारी, महाजनी और बाहरी तत्वों के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने आदिवासी किसानों को इकट्ठा कर धनकुबेरों की जमीनों पर हल चलाने की मुहिम शुरू की। यह आंदोलन कई बार हिंसक भी हुआ। सरकारी दस्तावेजों में उनका नाम खतरनाक तत्वों की सूची में आ गया। पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पा रही थी, लेकिन जनता उन्हें गुरुजी के नाम से जानने लगी थी।

कई दस्तावेज बताते हैं कि वे नक्सलपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित थे। लेकिन तभी उनकी मुलाकात हुई–के.बी. सक्सेना जैसे ईमानदार और संवेदनशील नौकरशाह से, जो उस वक्त बिहार सरकार में पदस्थ थे और बाद में भारत सरकार में सचिव बने। सक्सेना ने शिबू से कहा–तुम्हारी लड़ाई सही है, लेकिन रास्ता गलत है। अगर तुम्हें वाकई अपने लोगों को न्याय दिलाना है, तो बंदूक नहीं, संसद का रास्ता अपनाओ।

यह सलाह शिबू के जीवन का मोड़ बनी। उन्होंने आत्मनिरीक्षण किया और फैसला किया कि वे बंदूक की जगह वोट की ताकत से लड़ाई लड़ेंगे।

हूल बनाम हुंकारः दो युग, एक चेतना

जब भारत के आदिवासी आंदोलनों का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें दो प्रमुख मोड़ हमेशा उभर कर सामने आएंगे,पहला, 1855 का संथाल विद्रोह और दूसरा, 1970-2000 के झारखंड आंदोलन का उत्कर्ष, जिसका नेतृत्व शिबू सोरेन ने किया। इन दोनों संघर्षों के समय, परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ भिन्न हो सकती हैं लेकिन मूल चेतना, उद्देश्य और अस्मिता की रक्षा की भावना एक ही थी।

संथाल हूल तत्कालीन ब्रिटिश राज, महाजनी शोषण और जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ आदिवासी समाज की पहली संगठित प्रतिक्रिया थी। संथालों को उनकी जमीन से बेदखल किया जा रहा था, उन पर टैक्स थोपा जा रहा था, और महाजन उन्हें सूदखोरी के जाल में फंसा रहे थे। यह केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि एक समांतर शासन व्यवस्था की स्थापना का प्रयास भी था। सिदो-कान्हू ने घोषणा की थी कि अब वे ब्रिटिश राज से स्वतंत्र हैं, और संथाल क्षेत्र अब उनके अपने पारंपरिक प्रमुखों के नियंत्रण में रहेगा। उन्होंने ग्रामसभाओं की बैठकें और सामूहिक निर्णय प्रणाली को सक्रिय किया यानी एक वैकल्पिक, लोक-आधारित शासन मॉडल। हूल का प्रमुख लक्ष्य था जमीन की रक्षा। महाजनी और जमींदारी शोषण का प्रतिरोध और सांस्कृतिक और सामाजिक ढांचे की पुनः स्थापना। संथाल विद्रोह ने एक परंपरागत गणराज्य की कल्पना की थी। शिबू सोरेन ने ग्राम सभा की सर्वोच्चता, पेसा अधिनियम, और जनजातीय स्वशासन की धारणा को संवैधानिक पहचान दिलाने का प्रयास किया।

1970 के दशक में शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन ने रफ्तार पकड़ी। इस आंदोलन का उद्देश्य था–अलग झारखंड राज्य की स्थापना, ताकि आदिवासी बहुल इलाकों को उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान मिल सके। 1972 में एके राय और बिनोद बिहार महतो के साथ मिलकर उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की स्थापना की। यह पार्टी आदिवासियों की आवाज बनी। शिबू सोरेन ने जेएमएम के बैनर तले भूमि सुधार, वन अधिकार, और आदिवासी स्वशासन की माँग को लेकर आंदोलन चलाया। उनका आंदोलन सिर्फ भाषण नहीं था, वह आम जनता की चेतना का आंदोलन था। ग्रामीण क्षेत्रों में वह घर-घर जाकर लोगों को जगाते, बैठकें करते, और गीतों के जरिए लोगों को एकजुट करते। आदिवासी डोंग जैसे परंपरागत वाद्य यंत्रों की ध्वनि और शिबू के नारों की गूंज मिलती तो जंगल भी गवाह बन जाते।

जमीन और खनिज पर हक हूल और हुंकार दोनों के संघर्ष का केंद्र विंदु रहा। संथालों ने जमीन के लिए जान दी। संथाल हूल ने अस्मिता को जमीन से जोड़ा था। शिबू सोरेन ने संविधान के माध्यम से यही बात दोहराई–जंगल, जल, जमीन पर पहला हक आदिवासी का है। 1855 में संथालों की जमीन हड़पी जा रही थी। 1970 के बाद झारखंड में खनिज लूट के नाम पर जमीन अधिग्रहण, वन भूमि पर कब्जा, और विस्थापन की प्रक्रिया तेज हो गई। शिबू सोरेन ने कहा–झारखंड का खनिज झारखंडी का होना चाहिए। भूमि अधिग्रहण, खनिज लीज और विस्थापन के मुद्दे दोनों कालखंडों में प्रासंगिक रहे। शिबू सोरेन के आंदोलन ने भी आदिवासी भाषा, लिपि, रीति-नीति को सरकारी मान्यता दिलाने का प्रयास किया। शिबू सोरेन का आंदोलन इसके खिलाफ जनाधिकार का प्रतीक बना।

एक विद्रोही की जन्मकथा

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को बिहार (अब झारखंड) के हजारीबाग (अभी रामगढ़) जिले के नेमरा गाँव में हुआ था। उनके पिता सोबन सोरेन को महाजनों ने पीट-पीट कर मार डाला, क्योंकि उन्होंने बगैर ब्याज के ऋण लौटाने का साहस किया था। यह घटना शिबू के भीतर गुस्से की ऐसी आग भर गई, जो आगे चलकर जन आंदोलन की चिंगारी बन गई।

यहीं से उनकी चेतना का रूपांतरण हुआ–एक बालक जो खेती करता था, जो जंगलों में महुआ बीनता था, धीरे-धीरे एक सामाजिक कार्यकर्ता और फिर विद्रोही बन गया। उस समय संथाल परगना और आसपास के इलाकों में महाजन और जमींदार आदिवासियों का शोषण कर रहे थे। जमीनों पर कब्जा हो रहा था, और आदिवासी अपने ही जंगल में परदेसी बनते जा रहे थे।

संघर्ष से सत्ता तक

शिबू सोरेन ने 1980 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने दुमका से लोकसभा सांसद बनकर संसद में प्रवेश किया। यह एक ऐतिहासिक क्षण था–एक ऐसा व्यक्ति जो कभी सरकारी फाइलों में अपराधी लिखा जाता था, अब संसद में अपनी जनता की बात रखने वाला जननायक बन गया। इसके बाद 1989, 1991, 1996, 2002, 2004 और 2009 में भी वे सांसद बने। केंद्र सरकारों में उन्हें कोयला मंत्री और जनजातीय मामलों के मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद मिले। उनके प्रयासों से कई जनजातीय क्षेत्रों में योजनाएं लागू हुईं, स्कूल खुले, सड़कें बनीं और वन अधिकार कानून की दिशा में भी माहौल बना। लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी–झारखंड राज्य का निर्माण।

'निसार' : वैश्विक चेतना का उपग्रह

योगेश कुमार गोयल

श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 30 जुलाई की शाम जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 'निसार' (नासा-इसरो सिंथेटिक अपरचर रडार) उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। यह उपग्रह न केवल एक तकनीकी चमत्कार है, बल्कि विज्ञान, शोध, वैश्विक सहयोग और मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक भी है। 'निसार' को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में 747 किमी. की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है, जहां से यह अगले तीन से पांच वर्षो तक निरंतर पृथ्वी की निगरानी करेगा और प्रत्येक 12 दिन में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा तथा एक बार में 240 किमी. क्षेत्र को कवर करने की अद्वितीय क्षमता रखता है। इस उपग्रह को धरती की गहराइयों और उसकी सतह पर होने वाले बदलावों की सटीक, विस्तृत और सतत निगरानी करने के लिए डिजाइन किया गया है। 'निसार' इसरो और नासा के दस वर्षो के संयुक्त परिश्रम का परिणाम है। 'निसार' उपग्रह की दो प्रमुख विशेषताएं (एल-बैंड और एस-बैंड की दोहरी रडार प्रणाली तथा स्वीपएसएआर तकनीक) इसे अत्याधुनिक उपग्रहों की श्रेणी में खड़ा करती हैं। इस उपग्रह के एल-बैंड रडार को नासा ने विकसित किया है, जो 1.25 गीगाहट्र्ज फ्रीक्वेंसी और 24 सेमी तरंगदैंध्य पर काम करता है। यह रडार बर्फ, घने जंगलों और धरती की गहराई में होने वाले परिवर्तनों को मापने में सक्षम है। वहीं इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार 3.2 गीगाहट्र्ज की फ्रीक्वेंसी और 9.3 सेमी तरंगदैंध्य पर कार्य करता है, जो सतह पर होने वाली सूक्ष्मतम हलचल को भी दर्ज कर सकता है। इस प्रकार 'निसार' का यह दोहरा रडार सिस्टम भूगर्भीय घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, वनस्पति परिवर्तनों, कृषि गतिविधियों और मानवजनित प्रभावों की निगरानी के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा। यह उपग्रह दिन-रात, किसी भी मौसम में, बादलों, अंधकार या घने जंगलों की परवाह किए बिना सतत डेटा एकत्रित करता रहेगा। इसका रिजॉल्यूशन 5 से 10 मीटर के बीच होगा जिससे बड़े क्षेत्र में बहुत सूक्ष्म परिवर्तन भी पकड़ में आएंगे। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन के अनुसार, 'निसार' से मिलने वाला डेटा न केवल भारत और अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अमूल्य होगा। उपग्रह प्रति दिन लगभग 80 टेराबाइट डेटा जनरेट करेगा जिसे पूरी तरह ओपन-सोर्स के रूप में मुफ्त में साझा किया जाएगा। इसका लाभ वैज्ञानिकों, शोधकताओं, नीति-निमार्ताओं, किसानों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को समान रूप से मिलेगा। 'निसार' से संबंधित डेटा कृषि के लिए भी उपयोगी होगा। यह उपग्रह फसलों की वृद्धि, मिट्टी की नमी, मौसमी प्रभाव, रोग और कीट आक्रमण, और संभावित नुकसान का पूर्वानुमान लगाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से सरकारें कृषि बीमा योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से लागू कर सकेंगी। पर्यावरणीय क्षेत्र में 'निसार' जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा। यह समुद्र स्तर में वृद्धि, बर्फ पिघलने, तटीय कटाव, वनस्पति आवरण में परिवर्तन और भूजल स्तर की निगरानी करेगा। इससे पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता, जैव-विविधता संरक्षण, वनों की स्थिति और मानवजनित प्रभावों का अध्ययन किया जा सकेगा। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से भी यह उपग्रह क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। इसके जरिए भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट, सुनामी जैसी आपदाओं के प्रारंभिक संकेतों को पहचाना जा सकेगा जिससे समय रहते चेतावनी देकर जान-माल की हानि को कम किया जा सकेगा। भारत और अमेरिका की साझेदारी ने दिखा दिया है कि जब दो राष्ट्र साझा उद्देश्य, पारदर्शिता और वैज्ञानिक उत्कंठा के साथ एकजुट होते हैं, तब विश्व को अभूतपूर्व उपलब्धियां मिलती हैं। 'निसार' के माध्यम से भारत और अमेरिका पूरे ग्रह को एक साथ देखना, समझना और संरक्षित करना सीख रहे हैं। यह मिशन मानवता के भविष्य की रक्षा, पर्यावरण संतुलन के पुनर्निर्माण और पृथ्वी की बदलती धड़कनों को जानने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। यह उपग्रह वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार को नई दिशा देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को पृथ्वी और पर्यावरण के प्रति अधिक सजग बनाने में भी मदद करेगा। 'निसार' के माध्यम से विश्व को ऐसा शक्तिशाली उपकरण प्राप्त हुआ है, जो धरती की सतह, उसकी परतों, संसाधनों और संकटों को जानने की हमारी क्षमता को व्यापक और सटीक बनाएगा। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवीय चेतना का विस्तार है, ऐसा वैज्ञानिक यंत्र, जो हमारी पृथ्वी की नब्ज को सुन सकेगा और समय रहते बदलावों के प्रति हमें सचेत करेगा। इसीलिए 'निसार' को 'वैश्विक चेतना का उपग्रह' कहा जाना उपयुक्त होगा।

संक्षिप्त समाचार

सिख कारोबारी सुखी चहल की अमेरिका में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत, पुलिस जांच में जुटी

वाशिंगटन, एजेंसी। खालिस्तानियों का पुरजोर विरोध करने वाले सिख सुखी चहल की अमेरिका के कैलिफोर्निया में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सुखी चहल अमेरिका में ही रहकर कारोबार करते थे। वह अकसर खालिस्तान के विरोध में बयान भी दिया करते थे। जानकारों का कहना है कि उन्होंने अमेरिका में खालिस्तानियों की नाक में दम कर रखा था। सुखी के एक करीबी दोस्त जसपाल सिंह ने कहा कि शनिवार को उन्हें एक परिचित व्यक्ति ने डिनर पर बुलाया था। खाना खाने के बाद ही उनकी तबीयत खराब हो गई और मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पहले से सुखी को कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं थी। सुखी की अचानक मौत से कई सवाल भी उठ रहे हैं। विदेश में खालिस्तानियों की गतिविधियों के खिलाफ सुखी अकसर मोर्चा खोले रहते थे। वहीं वॉशिंगटन में खालिस्तानी संगठनों के जनमत संग्रह से पहले उनकी अचानक मौत ने राज और गहरे कर दिए हैं। 17 अगस्त का खालिस्तानी संगठन वॉशिंगटन डीसी में जनमत संग्रह करवाने वाले हैं। खालसा टुडे के संस्थापक और सीईओ सुखी चहल को अकसर खालिस्तानी धमकी देते रहते थे। इसके बाद भी वह निडर होकर खालिस्तानियों की आलोचना करते थे। सुखी के करीबी बूटा सिंह कलेर ने कहा कि उनकी मौत के बाद भारत का समर्थन करने वाले समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। कलेर ने कहा, पुलिस उनकी मौत की जांच कर रही है। ऑटोप्सी रिपोर्ट में सच सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा, सुखी हमेशा ही भारतीयों को यही सलाह देते थे कि अमेरिका में रहना है तो यहां के कानून का पालन करना पड़ेगा। इसके अलावा अपराध से दूर रहना होगा। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा था, अमेरिका में कानून व्यवस्था बेहद कड़ी है। अगर आप कानून तोड़ते हैं तो आपका वीजा रद्द हो सकता है और आपको अमेरिका से वापस जाना पड़ सकता है।

फिलिस्तीन की आजादी तक इजरायल से जंग रहेगी, हमास का हथियार छोड़ने से इनकार

गाजा, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध में शांति के दरवाजे एक-एक करके बंद होते नजर आ रहे हैं। इजरायल की तरफ से 60 दिन के सीजफायर के दिए गए प्रस्ताव को हमास ने अस्वीकार कर दिया है। हमास की तरफ से कहा गया है कि जब तक वह स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना नहीं कर लेते, तब तक हथियार नहीं छोड़ेंगे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक हमास ने बयान जारी करके कहा , वह सशस्त्र प्रतिरोध के अधिकार को तब तक नहीं छोड़ सकता जब तक कि यरूशलेम को अपनी राजधानी के रूप में एक स्वतंत्र, पूर्ण संप्रभु फिलिस्तीनी राज्यन बन जाए। हमास की तरफ से यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जबकि कतर, फ्रांस और मिस्त्र की मध्यस्थता में कुछ दिन पहले ही शांति प्रस्ताव को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत समाप्त हुई है। इसमें प्रस्ताव रखा गया था कि इस क्षेत्र में दो-राष्ट्र सिद्धांत को अपनाया जाएगा और हमास अपने हथियारों को फिलिस्तीनी प्राधिकरण को सौंप देगा। अब, जबकि हमास ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है, तो ऐसे में इसके भी ठंडे बस्ते में जाने की आशंका है। आपको बता दें इजरायली सरकार का शांति प्रस्ताव को लेकर सबसे बड़ी शर्त यही रही है कि हमास को हथियार डालने होंगे। वहीं दूसरी हो हमास लगातार इस बात पर अड़ा रहा है कि वह हथियार नहीं छोड़ेगा। दोनों पक्षों के बीच चल रही इस हां और न के बीच इजरायल लगातार गाजा में बम बरसा रहा है, जिससे अभी तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है और लाखों की संख्या में लोग भुखमरी की और बढ़ गए हैं। गौरतलब है कि पिछले महीने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भविष्य में फिलिस्तीनी राज्य के विचार को भी खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर यह बना तो यह इजरायल को नष्ट करने वाले एक मंच की तरह होगा। इतना ही नहीं उन्होंने फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने वाले यूके और कनाडा समेत कई देशों की आलोचना भी की थी।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में भूकंप के झटके

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के प्रमुख शहर न्यूयॉर्क में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 3.0 रही। यूरोपीय भूकंपीय एजेंसी ने बताया कि भूकंप के झटके शनिवार रात करीब 10 बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मैनहट्टन शहर से 13 किलोमीटर दूर ग्रेटर न्यूयॉर्क इलाके में जमीन में 10 मीटर की गहराई में था। भूकंप में फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। इधर पाकिस्तान में रविवार देर रात भूकंप से धरती कांप उठी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.8 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप भारतीय समयानुसार आधी रात को करीब 12:40 बजे आया। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले शनिवार को भी खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब और इस्लामाबाद सहित पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में 5.4 तीव्रता के भूकंप ने हलचल मचाई थी।

आपको गुमराह कर रहे मुनीर, पाकिस्तान में नहीं है तेल का भंडार, बलूच नेता ने ट्रंप को लिखा पत्र

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के साथ मिलकर तेल भंडार को विकसित करने के लिए उतावले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बलूच नेता ने पत्र लिखकर सच बताया है। बलूच नेता मीर यर बलूच ने ट्रंप से कहा है कि जनरल आसिम मुनीर ने आपको पाकिस्तान में तेल भंडार को लेकर गुमराह किया है। पाकिस्तान में कोई भी तेल या खनिज भंडार नहीं है। यह सब बलूचिस्तान में हैं।

पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ समझौते का एलान किया था। ट्रंप ने कहा था कि वे दक्षिण एशियाई देश के तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम उस तेल कंपनी का चयन करने की प्रक्रिया में हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। इससे पहले पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने ट्रंप के साथ लंच किया था और अपने देश में तेल भंडार होने की जानकारी दी थी।

इस पर बलूच नेता मीर यार बलूच ने ट्रंप को पत्र लिखकर चेताया है। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि इस क्षेत्र में विशाल तेल और खनिज के भंडार हैं। लेकिन पूरे सम्मान के साथ बताना चाहते हैं कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व जनरल आसिम मुनीर ने आपको पाकिस्तान के भूगोल और स्वामित्व के बारे में गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि तेल, प्राकृतिक गैस, तांबा, लिथियम, यूरेनियम और दुर्लभ खनिज भंडार पाकिस्तान में नहीं हैं। बल्कि यह बलूचिस्तान में हैं। जो अलग संप्रभु राष्ट्र और पाकिस्तान के कब्जे में है। ये संसाधन पाकिस्तान के हैं, यह दावा पूरी तरह झूठ है। पाकिस्तान ने राजनीतिक और वित्तीय लाभ के लिए बलूचिस्तान की संपत्ति का दुरुपयोग करने का प्रयास किया है।

उन्होंने पत्र में लिखा कि बलूचिस्तान बिकाऊ नहीं है। हम बलूच लोगों की स्पष्ट सहमति के बिना पाकिस्तान, चीन या किसी अन्य विदेशी शक्ति को अपनी भूमि या उसके संसाधनों का दोहन करने की अनुमति नहीं देंगे। हमारी संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता और उचित स्वामित्व और स्वतंत्रता के लिए हमारा संघर्ष गरिमा और दृढ़ता के साथ जारी है। हम अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हैं कि वे इन सच्चाइयों को स्वीकार करें और बलूच लोगों की स्वतंत्रता और अपनी मातृभूमि तथा प्राकृतिक संपदा पर नियंत्रण की वैध आकांक्षाओं का समर्थन करें।

आपको बता दें मीर यार बलोच की तरफ से ट्रंप के नाम यह खत ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रंप ने भारत पर दवाब बनाने की रणनीति के चलते पाकिस्तान के साथ तेल को लेकर व्यापारिक समझौता किया है। ट्रंप का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ मिलकर उसके क्षेत्र में तेल की खोज करेंगे। दोनों देशों की खोज का मुख्य क्षेत्र बलूचिस्तान वाला जमीनी हिस्सा और समुद्री सीमा में ही होगा। ऐसे में बलूच नेताओं की चिंता जायज है। बलूच नेताओं की चेतावनी को हल्के में इसलिए भी नहीं लिया जा सकता क्योंकि इस क्षेत्र में चीन की मौजूदगी का वह बहुत लंबे समय से मुकाबला कर रहे हैं। इस मुकाबले में चीन और पाकिस्तान दोनों के काफी संसाधन खर्च हुए हैं और लोगों की जान गई है।

खैबर पख्तूनख्वा में मोर्टार के गोले को गेंद समझ खेल रहे थे बच्चे, फटने से 5 की मौत, 12 घायल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवात जिले में मोर्टार के गोले के फटने से 5 बच्चों की मौत हो गई। 12 घायल हो गए। बच्चों को यह गोला खेत में मिला था। इसे गेंद समझकर वह सोरबंद स्थित अपने गांव ले आए और खेलने लगे, तभी गोला फट गया। बन्नू क्षेत्र के पुलिस प्रवक्ता आमिर खान ने शनिवार को बताया कि घायलों को बन्नू के खलीफा गुल नवाज अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बन्नू क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी (आरपीओ) सज्जाद खान ने कहा कि प्रभावित परिवारों को पूरी सहायता मिलेगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। आरपीओ ने कहा, बम निरोधक दस्ता विस्फोट स्थल पर पहुंचा था। फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। दरअसल, यह घटना पाकिस्तान में बिना फटे गोला-बारूद के लगातार बढ़ते खतरे को उजागर करती है। स्थानीय अखबार डॉन के अनुसार अक्टूबर 2023 में बलूचिस्तान के वाध में एक ग्रेनेड विस्फोट में बच्चे की मौत हुई थी। आठ घायल हुए थे। एक महीने पहले सिंध के काशमोर में एक घर में रॉकेट लॉन्चर के फटने से चार बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारी उन क्षेत्रों में सावधानी बरतने का आग्रह कर रहे।

यूक्रेन के परमाणु केंद्र पर हमला, अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी का दावा- धमाके के बाद धुंआ उठता देखा

कीव, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने शनिवार को दावा किया है कि यूक्रेन के एक परमाणु केंद्र पर हमला हुआ है। एजेंसी ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु केंद्र के नजदीक धमाके की आवाज सुनी और परमाणु केंद्र के एक हिस्से से धुंआ उठता देखा। अभी धमाके में हुए नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने दावा किया यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु केंद्र पर तैनात उनकी एक टीम ने शनिवार को परमाणु केंद्र के नजदीक धमाकों की आवाज सुनी और साथ ही नजदीकी ठिकाने से धुआं उठता देखा।

हमास कमांडर सलाह अल-दीन जारा को आईडीएफ ने मार गिराया, गाजा सुरंग में छिपे आतंकियों ने किया आत्मसमर्पण

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने हमास कमांडर सलाह अल-दीन जारा को मार गिराया है। वह हमास आतंकवादी संगठन में अल-फुरकान बटालियन का उप-कमांडर था। आईडीएफ का कहना है कि वह 24 जुलाई, 2025 को मारा गया। इसके अलावा, उत्तरी गाजा पट्टी के बेत हनून इलाके में सुरंग में छिपे आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। आईडीएफ के अनुसार, जारा पहले बटालियन की लड़ाकू सहायता कंपनी का कमांडर था। उसने गाजा पट्टी में इस्राइली नागरिकों और आईडीएफ बलों पर कई हमले करवाए थे।

100-200 नहीं, 1178 कैदियों को मिली रिहाई, राष्ट्रपति सुबियांतो की योजना के तहत लिया फैसला

जकारता, एजेंसी। इंडोनेशिया के नए राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने देश में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है। अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के पहले दो महीनों में ही उन्होंने सैकड़ों कैदियों को माफी देकर रिहा करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस फैसले में राजनीतिक अपराधों में सजा काट रहे कई लोगों को भी रिहा किया गया है। इसे राष्ट्रपति की 'यूनिटी प्लान' यानी राष्ट्रीय एकता योजना का पहला चरण माना जा रहा है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति सुबियांतो द्वारा हस्ताक्षरित राष्ट्रपतीय डिक्री के तहत 1178 कैदियों को शुक्रवार को रिहा किया गया। संसद के उपाध्यक्ष सफमी डास्को अहमद और कानून मंत्री सुप्रातमान एंडी आगतास ने इसकी घोषणा की। यह पहला चरण है, जिसमें कुल 44,000 कैदियों को रिहा किए जाने की योजना है। प्राथमिकता राजनीतिक कैदियों, बीमार, बुजुर्ग, नाबालिग और धार्मिक भावनाओं को लेकर सजा पाए लोगों को दी जा रही है। पीडीआई-पी नेता हास्तो क्रिस्तियान्तो को मिली रिहाई इस रिहाई सूची में इंडोनेशियाई डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ स्ट्रगल के महासचिव हास्तो क्रिस्तियान्तो भी शामिल हैं, जो देश की इकलौती

औपचारिक विपक्षी पार्टी के नेता हैं। वे भ्रष्टाचार के एक मामले में साढ़े तीन साल की सजा काट रहे थे। फरवरी से दक्षिण जकार्ता की भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी की हिरासत में थे। रिहाई के बाद उन्होंने समर्थकों से कहा कि हमें इस घटना से सीख लेनी चाहिए।

पूर्व मंत्री टॉम लेम्बॉन्ग पर भी केस वापस पूर्व व्यापार मंत्री टॉम लेम्बॉन्ग, जो पहले राष्ट्रपति जोको विडोडो के करीबी थे और बाद में प्रतिद्वंद्वी अनिस बसवेदान का समर्थन करने लगे, उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई भी वापस ले ली गई है। उन पर 2024 के चुनाव के दौरान चीनी आयात लाइसेंस में गड़बड़ी का आरोप था। पश्चिम पापुआ के अलगाववादी कार्यकर्ता भी रिहा इस रिहाई की सूची में पश्चिम पापुआ के छह स्वतंत्रता समर्थक कार्यकर्ता भी शामिल हैं, जिन्हें देशद्रोह के आरोप में कैद किया गया था। सरकार का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करने की दिशा में है और ऐसे लोगों को रिहा किया जा रहा है, जिन्होंने किसी न किसी रूप में देश की सेवा की है। दूसरी सूची में और 1668 कैदी होंगे शामिल कानून मंत्री आगतास ने बताया कि जल्द ही दूसरी सूची भी संसद में पेश की जाएगी, जिसमें 1668 और कैदियों के नाम होंगे। इस पूरे अभियान को राष्ट्रपति सुबियांतो की नई और समावेशी नीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसका मकसद देश में राजनीतिक और सामाजिक ध्रुवीकरण को खत्म करना है।

लंदन में आमने-सामने प्रवासियों के समर्थक और विरोधी, होटल के बाहर किया गया जोरदार प्रदर्शन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शनिवार को प्रवासियों को लेकर दो विरोधी गुटों के बीच टकराव हुआ। ये प्रदर्शन एक होटल के बाहर हुए, जहां शरणार्थियों को ठहराया गया है। एक तरफ कई सौ लोग यूनियन जैक (ब्रिटेन का झंडा) लहराते हुए थिसल सिटी बार्बिकन होटल के बाहर इकट्ठा हुए। उन्होंने होटल में रह रहे प्रवासियों के खिलाफ नारे लगाए जैसे- ब्रिटेन भर गया है और गंदे लोग। उनका कहना था कि यह होटल प्रवासियों के लिए बंद कर दिया जाना चाहिए। दूसरी ओर, एक बड़ी संख्या में लोग शरणार्थियों का स्वागत है जैसे नारे लगाते हुए इनका विरोध कर रहे थे। पुलिस ने दोनों गुटों को अलग-अलग रखने के लिए मोर्चा संभाला। होटल के अंदर मौजूद लोग इन विरोध प्रदर्शनों को खिड़कियों से देख रहे थे। ऐसे ही प्रदर्शन हाल ही में लंदन के बाहरी इलाके एपिंग में भी हुए, जहां एक प्रवासी पर यौन शोषण का आरोप लगा था। इसके अलावा इंग्लैंड के कई अन्य शहरों में भी प्रवासी-विरोधी प्रदर्शन हुए हैं। प्रदर्शनकारी कह रहे हैं कि वे प्रवासियों

से सुरक्षा को खतरा महसूस कर रहे हैं, खासकर वे प्रवासी जो हाल ही में छोटी नावों से इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंचे हैं। इनमें से ज्यादातर युवा पुरुष हैं। इन प्रदर्शनों में कुछ स्थानीय लोग शामिल हुए, लेकिन कई प्रदर्शन दक्षिणपंथी (फार-राइट) गुटों की तरफ से आयोजित या समर्थित भी थे। एक साल पहले, गर्मियों के मौसम में कई दिनों तक इंग्लैंड और नॉर्दर्न आयरलैंड में प्रवासी विरोधी दंगे हुए थे। तब भीड़ ने प्रवासियों को ठहराने वाले होटलों, मस्जिदों, पुलिस स्टेशनों और एक पुस्तकालय पर हमला किया था। कुछ हमलावरों ने गैर-श्वेत लोगों को भी निशाना बनाया था, और पुलिस पर ईंटें और आतिशबाजियां फेंकी थीं। इस हिंसा की शुरुआत साउथपोर्ट शहर में एक डांस क्लास के दौरान हुई थी, जहां तीन लड़कियों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैली कि हमलावर कोई नया प्रवासी है, जबकि असल में हत्यारा ऐक्सेल रूडकुबाना एक ब्रिटिश जन्मा 17 साल का युवक था। वहीं इसे लेकर तमाम विशेषज्ञ और सामाजिक संगठन कह रहे हैं।

कबाइली इलाकों में सैन्य अभियान के खिलाफ इमरान खान, अपनी पार्टी के सीएम से कहा- आप इसकी मंजूरी न दें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने खैबर पख्तूनख्वा के अपनी पार्टी के सीएम से कहा है कि वे अपने राज्य में सेना के अभियान को मंजूरी न दें। इमरान खान ने मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर को स्पष्ट संदेश में कहा है कि संघीय सरकार को खैबर पख्तूख्वा और उसके कबाइली इलाकों में एक और सैन्य अभियान शुरू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इमरान का यह बयान ऐसे समय में आया है जब सुरक्षा बलों ने तोपखाने और गनशिप हेलीकॉप्टरों के साथ इस हफ्ते की शुरुआत में बाजौर जिले की लोवी मामुंड तहसील में ऑपरेशन सरबकाफ शुरू किया था। सेना ने इस क्षेत्र में तीन दिनों का कर्फ्यू लगा दिया है, जिस पर पीटीआई नेतृत्व ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक संदेश में इमरान खान ने कहा, मैं अली अमीन को स्पष्ट संदेश देता हूं कि संघ को खैबर पख्तूनख्वा और कबाइली इलाकों में एक और सैन्य अभियान चलाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सेना और जनता के बीच टकराव सैन्य संस्था को नष्ट कर देता है। अभियान किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं। मुद्दों को वहां की व्यवस्था के अनुसार बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।

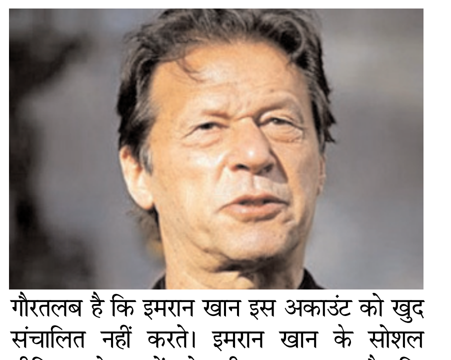

गौरतलब है कि इमरान खान इस अकाउंट को खुद संचालित नहीं करते। इमरान खान के सोशल मीडिया पोस्ट में ये भी कहा गया है कि अफगानिस्तान हमारा मुस्लिम पड़ोसी देश है। उनके साथ भी संबंध बेहतर करने की कोशिश होनी चाहिए और बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाया जाना चाहिए। इमरान खान के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने अपने निजी एक्स अकाउंट पर साझा पोस्ट में कहा कि उन्होंने इमरान खान की बात को ध्यान में रखते हुए प्रांत में कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए पहले ही कई जिरगाओं की बैठक कराई थी। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते की शुरुआत में गंडापुर ने उग्रवादियों के खिलाफ सैन्य अभियान समर्थन किया था।

हमारी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या बहुत ज्यादा, अब रूसी सांसद की ट्रंप को चुनौती

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने के आदेश पर रूस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। रूस की संसद डूमा के एक वरिष्ठ सदस्य विक्टर वोडोलात्स्की ने कहा है कि विश्व महासागरों में रूसी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या अमेरिका की तुलना में कहीं अधिक है, और अमेरिकी पनडुब्बियां पहले से ही रूसी कंट्रोल रूम के रडार में हैं।

वोडोलात्स्की ने रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस से कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन पनडुब्बियों को उपयुक्त क्षेत्रों की ओर भेजने की बात कही है, वे पहले से ही हमारे नियंत्रण के अंतर्गत हैं। इसलिए रूसी संघ की ओर से कोई विशेष प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है।ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा था कि उन्होंने दो अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों को उन क्षेत्रों की ओर भेजने का आदेश दिया है, जहां उत्तेजक गतिविधियांबढ़ रही हैं। ट्रंप की यह प्रतिक्रिया रूस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव के कथित भड़काऊ बयानों के बाद आई।

वोडोलात्स्की ने चुनौती भरे अंदाज में कहा, अमेरिका की दो पनडुब्बियों को आने दीजिए, वे पहले से ही हमारे निशाने पर हैं। अब जरूरत है कि रूस और अमेरिका के बीच एक मौलिक समझौता हो, जिससे दुनिया भर में तीसरे विश्व युद्ध को लेकर जारी अटकलें समाप्त हों।इस बीच, रशिया इन ग्लोबल अफेयर्स पत्रिका के प्रधान संपादक फ्योदोर लुक्यानोव ने ट्रंप के बयान को फिलहाल गंभीरता से न लेने की सलाह दी है। उन्होंने

कहा, ट्रंप अपने चैनल पर अपनी भावनाओं के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। अमेरिकी सशस्त्र बल और नौसेना ने शायद यह बयान आश्चर्य से पढ़ा होगा। यदि यह वाकयुद्ध यूं ही चलता रहा, तो ट्रंप को वास्तव में कुछ कदम उठाने पड़ सकते हैं, लेकिन अभी यह केवल शब्दों तक सीमित है। ट्रंप के बयान के बाद रूसी शेयर बाजार पर भी असर देखने को मिला। मॉस्को एक्सचेंज इंडेक्स शुक्रवार शाम 8:01 बजे (भारतीय समय अनुसार 10:31 बजे रात) तक 2,709.26 अंक (0.99प्रतिशत) गिर गया। इस घटनाक्रम के बीच, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के हालिया बयान का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने अमेरिका और रूस के बीच प्रत्यक्ष सैन्य टकराव से बचने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया था।

घरेलू उपायों से करें कॉन्र्स का इलाज

कॉर्न्स को दूर करने के लिए घरेलू उपचार प्रभावी होते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कॉन्र्स के लिए घरेलू उपचार

कठोर त्वचा समय के साथ कॉर्न का रूप ले लेती है। कॉन्र्स मोटी त्वचा के धब्बे की तरह उभरता है और दबाव के माध्यम से बढ़ता है। कॉन्र्स अक्सर तेज दर्द का कारण बन सकता है। कॉन्र्स का जल्द से जल्द इलाज नहीं किए जाने पर इससे छुटकारा पाना थोड़ा कठिन हो सकता है। चिकित्सकीय रूप में कॉन्र्स केवल एक छोटी सी शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है। साथ ही कॉन्र्स के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर क्रीम और औषधीय बैंड उपलब्ध हैं, लेकिन इनकी प्रकृति अधिकतर बनावटी होती हैं। इसलिए कॉन्र्स को दूर करने के लिए आप इन सिद्ध और प्रभावी घरेलू उपचार को अपना सकते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय में अपने पैरों को भिगोना सुखदायक होता है और यह अस्थायी रूप से त्वचा के पीएच को बदल कर पसीने से तर पैर को सूखने में मदद करता है। गुनगुने पानी में सेंधा नमक और कैमोमाइल चाय को मिलाकर उसमें पैर भिगोना,कॉन्र्स को नर्म करने की चिकित्सा के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि चाय से पैर में दाग हो सकते हैं, लेकिन इसे आसानी से साबुन और पानी से हटाया जा सकता है।

प्यूमिक स्टोन

सबसे पहले हार्ड त्वचा को नर्म करने के लिए अपने पैरों को गीला करें। फिर हल्के दबाव का उपयोग कर, गीले प्यूमिक स्टोन को कॉर्न के आगे पीछे रगड़ें। मृत त्वचा को धोने के लिए हर कुछ मिनट के लिए रुकें, और कॉन्र्स को थोड़ा नर्म होने तक दोहराएं।

सफेद सिरका

सिरका सॉस सहित कई व्यंजन की तैयारी में प्रयोग किया जाती है। साथ ही यह पैर पर कॉन्र्स को दूर करने का एक शानदार और परखा हुआ उपाय है। सफेद सिरका आसानी से खरीदा जा सकता है। एक साफ औषधीय कॉटन बॉल लेकर उसे सफेद सिरका में डुबोकर इसे कॉर्न पर लगाएं। कॉन्र्स पर कॉटन को सुरक्षित रखने के लिए डक्ट टेप का उपयोग करें। तीन से चार घंटे तक इसे ऐसे ही छोड़ दें। निर्धारित समय के बाद डक्ट टेप और कॉटन निकाल लें।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री तेल में मौजूद एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण इसे कॉन्र्स के इलाज के लिए बेहतर बनाते है। एक साफ कॉटन बॉल लेकर, उसपर आवश्यक तेल की पांच बूंदों डालकर कॉन्र्स पर रगडें। फिर कॉन्र्स पर कॉटन को लगा रहने दें। रात भर लगा रहने के बाद सुबह इसे पानी से धो लें।

पपीता

पैर से कॉन्र्स को दूर करने के लिए एक और बहुत ही आसान और कारगर उपाय है। पपीते में मौजूद कई एंजाइम कठिन और मृत त्वचा को दूर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, पपीता किसी भी दर्द या बेचैनी को कम करने और यहां तक कि कॉन्र्स को सूखने और तेजी से गिरने में मदद करता है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, कच्चे पपीता का उपयोग करें। कच्चे पपीते के रस में कॉटन को डूबोकर उसे कॉन्र्स पर लगाएं और इसपर पट्टी के साथ सुरक्षित करें। इसे रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह धीरे से त्वचा को प्यूमिक स्टोन से एक्सोफोलिएट करें।

लहसुन

लहसुन प्रकृति से एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण यह एंटी-बैक्टीरियल और फंगल संक्र मण से लड़ने में उपयोगी होती है। लहसुन के साथ कॉन्र्स के इलाज के लिए लहसुन की तीन कली को अच्छे से भूनकर कुचलकर पाउडर बना लें। फिर लहसुन के साथ लौंग पाउडर को मिलाकर इसे कॉन्र्स पर लगाएं। इसे पट्टी से कवर करके पूरी रात के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को खोलकर गुनगुने पानी से पैरों को धो लें। इस उपाय कॉन्र्स के गायब होने तक करें।

तारपीन का तेल

तारपीन का तेल एक मजबूत एंटीसेप्टिक है, जो कॉन्र्स के इलाज में मदद करता है। तेल त्वचा में जल्दी प्रवेश कर जाता है जिससे उपचार तेजी से किया जा सकता है। एक पतले कपड़े में बर्फ लपेटकर प्रभावित क्षेत्र में दो मिनट के लिए मसाज करें। कॉन्र्स वाले हिस्से को अच्छे सुखाकर उसपर थोड़ा सा तारपीन का तेल लगाएं। फिर इस पर पट्टी बॉंधकर रात भर के लिए छोड़ दें। रात को सोने से पहले इस उपाय को नियमित रूप से करें।

नींबू का रस

यह इलाज धीमी गति से काम करता है, लेकिन कॉन्र्स के लिए किसी भी अन्य घरेलू उपचार की तरह प्रभावी है। ताजा नींबू का एक चम्मच रस लेकर उसमें लौंग के दो टुकड़े मिलाएं। 15 मिनट के लिए नींबू के रस में लौंग को छोड़ दें। फिर लौंग को हटाकर, नींबू के रस को कॉन्र्स पर अच्छी तरह से रगड़ें। कुछ देर सुखने के बाद पानी से इसे साफ कर लें।

हल्दी

कॉन्र्स को दूर करने के लिए हल्दी भी बहुत अच्छा उपाय है। एंटी-इफ्लेमेंटरी प्रकृति के कारण, हल्दी परेशानी और दर्द को कम करने और उपचार को गति प्रदान करती है। एक चम्मच शहद में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कॉन्र्स पर लगाकर इसे सुखने के लिए छोड़ दें। कॉन्र्स के निकलने तक इस उपाय को कम से कम एक सप्ताह में दिन में दो या तीन बार दोहराये।

मुलेठी

अदभुत चिकित्सा और औषधीय गुणों के कारण आयुर्वेद में कॉन्र्स के इलाज के लिए मुलेठी की सिफारिश की जाती है। कॉन्र्स के उपचार के लिए एक चम्मच मुलेठी में पर्याप्त मात्रा में सरसों का तेल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सोने से पहले प्रभावित क्षेत्र पर लगा लें। इसपर पट्टी बांधकर रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को हटाकर गुनगुने पानी से उस क्षेत्र को धो लें। ऐसा तब तक करें जब तक कॉन्र्स नर्म और आकार में कम न हो जाये।

रेसिपी

हेल्दी कर्ड राइस

सामग्री

■ राइस -एक कटोरी ■ दही एक कटोरी ■ उड़द दाल-एक छोटा चम्मच ■ चने की दाल-एक छोटा चम्मच ■ मूंगफली -आधी छोटी कटोरी ■ दो हरी मिर्च ■ एक सूखी लाल मिर्च ■ एक सफेद प्याज ■ चुटकीभर अदरक ■ करी पत्ते 5-6 ■ आधा छोटा चम्मच राई ■ चुटकीभर मेथी दाना ■ चुटकीभर हींग ■ तेल जरूरत के अनुसार ■ नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले चावल को पानी में डालकर पका लें। इसके एक पैन में तेल डालें और राई, मेथी दाना, उड़द दाल, चने की दाल और सूखी लाल मिर्च डालकर भून लें। इसके बाद सफेद प्याज, अदरक, हरी मिर्च और करी पत्ते डालकर भूनें। इसी तेल में मूंगफली भी डालकर भून लें और इनमें नमक मिलाकर अलग रख लें। इसके बाद हींग डालें और सभी को अच्छे से मिक्स कर लें। अब साधारण पके हुए चावल में दही मिलाएं और दही के बाद भुनी मूंगफली डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद ऊपर से तैयार तड़का डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। तैयार हैं आपके कर्ड राइस ।

काले चने की कढ़ी

सामग्री

■ भिगोए और उबले हुए काले चने ■ दही ■ बेसन ■ एक छोटा चम्मच हल्दी ■ एक बड़ा चम्मच गरम मसाला ■ दो तेजपत्ता ■ दो सूखी लाल मिर्च ■ चुटकीभर हींग ■ आधा चम्मच मेथी दाना ■ आधा छोटा चम्मच जीरा ■ दो हरी मिर्च ■ आधा कप प्याज ■ आधा कप टमाटर ■ एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ दो बड़ा चम्मच तेल ■ नमक

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल डालें और हींग तेजपत्ता, सूखी लाल मिर्च और मेथी दाना और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब गरम मसाला, हल्दी, और काले चने डालकर तब तक पकाएं जब तक की मसाला तेल न छोड़ने लगे। दूसरी ओर एक कटोरी में दही में बेसन डालकर अच्छी तरह घोल लें। मसाले के तेल छोड़ते ही दही वाला मिश्रण डालकर धीमी आंच पर पकाएं। धनिया पत्तियों ऊपर से डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 1797

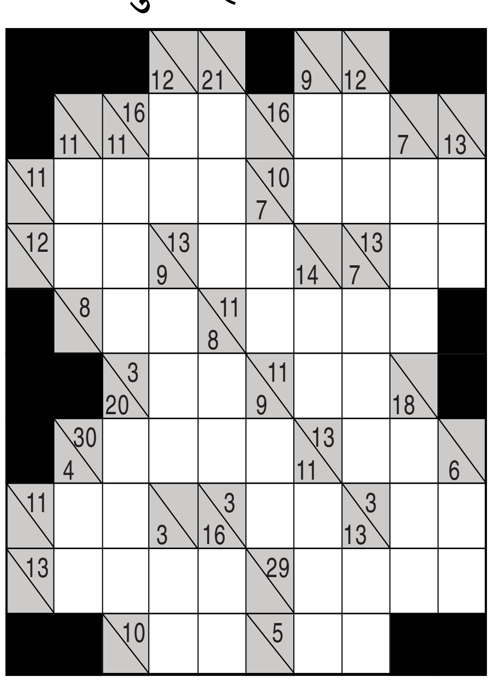

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

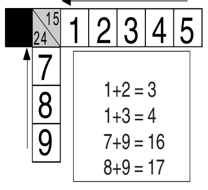

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1796 का हल

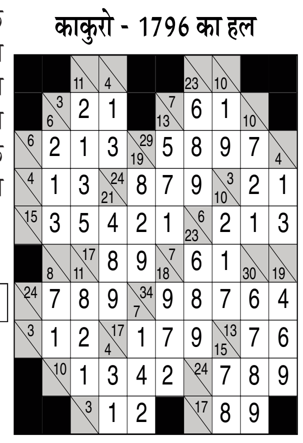

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका (प्रेमी से)- नरेश, आप जुआ मत खेला करो, जुएँ में अगर आदमी एक दिन जीतता है तो दूसरे दिन हारता भी है।

नरेश- तो ठीक है! तुम्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं। आज से मैं एक दिन छोड़कर जुआ खेला करूँगा!

❑ ❑ ❑

एक रईसजादी ने दो घोड़े खरीदे। उन दोनों घोड़ों की अलग-अलग पहचान के लिए अंतर कैसे रखा जाए, इस बाबद उसने अपने पड़ोसी से पूछा। पड़ोसी ने सुझाया कि एक घोड़े की पूँछ काट दो।

उसने पूँछ काट दी, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े की पूँछ एक झाड़ी में फँस गई और काटनी पड़ी। अब दोनों घोड़े पूँछ कटे हो गए थे। फिर पहचान की समस्या आ खड़ी हुई। उसने फिर पड़ोसी से राय ली।

पड़ोसी ने कहा कि एक घोड़े का एक कान काट दो, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े का कान खेत के चारों तरफ लगी तार फेंसिंग में उलझ कर कट गया।

उसने सुझाया कि उनकी ऊँचाई नाप लो। रईसजादी ने घोड़ों की ऊँचाई नापकर पड़ोसी को बताई- 'सफेद घोड़ा काले घोड़े से दो इंच ऊँचा है।'

❑ ❑ ❑

फिल्म वर्ग पहेली- 1797

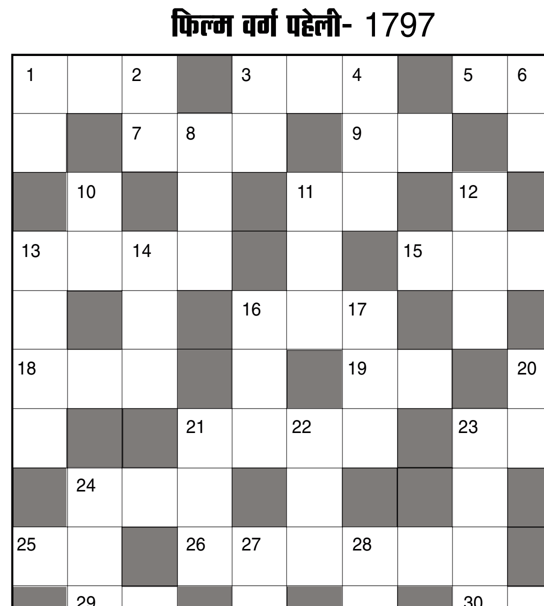

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1796

खा	मो	शी		आ	प	की	क	स	म
की		शा	दी		ड़ो		भी		स्त
	आ		वा	प	स		ना		
प	ह	चा	न		न	या	क	द	म
रा			गी	ता			भी		ड
या	रा	ना		ज	मा	ना		स	र
ध		य	ति	म			रा	नी	
न	म	क		ह	म	रा	ज		फ
	र्या			ल		जे			रा
अ	दा	ल	त		इं	द्र	कु	मा	र

सूडोकु -1797

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1796 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 1797

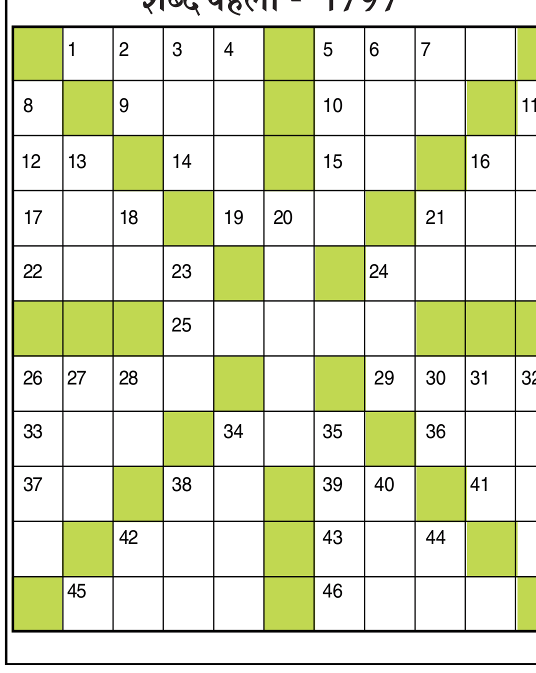

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली - 1796 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	व	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

देश की अर्थव्यवस्था को महिलाएं सशक्त बना रही हैं : गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी
देहरादून। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हरबंस कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल, गढ़ीकैंट, देहरादून में आयोजित रक्षाबंधन समारोह-2025 में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया और महिलाओं को संबल प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं को बारे में विस्तार से बताया। मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रक्षाबंधन कार्यक्रम में कहा कि देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और महिलाएं देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारियों के सम्मान और स्वाभिमान के लिए 2014 से लेकर अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं प्रांरभ की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं के जीवन में परिवर्तन लाने का जो संकल्प लिया था, वो आज पूरा हो रहा है। आज की महिलाएं हर क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। देश की अ?र्थव्यवस्था को महिलाएं सशक्त बना रही हैं। महिलओं के सशक्तिरण के साथ-साथ देश का सशक्तिरण हो रहा है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के पहले नरेन्द्र मोदी ने गांव, गरीब, किसान और महिला उत्थान का

जो संकल्प लिया था, वह आज साकार होता दिख रहा है। केन्द्र सरकार ने हर गरीब को घर, बैंक खाता खोलने, बिजली, शौचालय, पीने का पानी और गैस का चुल्ला उपलब्ध कराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि योजनाएं देश में पहले भी बनती थी। लेकिन भाई-भतीजावाद और वोट की राजनीति में सिमट कर रह जाती थी। प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया था कि विकास की योजनाओं में किसी भी प्रकार का कोई बंधन नहीं होगा। शत प्रतिशत लोगों तक योजनाओं का अब लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि हर घर शौचालय पहुंचाने की योजना के तहत अबतक 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए हैं। देश के 19 करोड़ घरों में से 17 करोड़ घरों तक पीने का साफ पानी पहुंचा गया है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उन्हें हर घर शौचालय और जल जीवन मिशन जैसी महिलाओं के कल्याण से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

राकांपा नेता जितेंद्र आव्हाड के सनातन विरोधी व्यक्तव्य के बाद भड़के हिंदूवादी नेता

एजेंसी
मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता जितेंद्र आव्हाड के सनातन विरोधी व्यक्तव्य के बाद हिंदूवादी नेताओं में रोष फैल गया है। कई हिंदूवादी नेताओं ने जितेंद्र आव्हाड की तीखी आलोचना की है। शिवसेना शिंदे समूह के नेता संजय निरुपम ने कहा कि अगर सनातन नहीं होता हो जितेंद्र जितुद्दीन बन जाता। संजय निरुपम ने कहा कि सनातन धर्म ने हजारों सालों से भारत की सभ्यता, संस्कृति और परंपरा को जीवित रखा है। अगर सनातन न होता तो यह देश बहुत पहले ही सऊदी अरब बन गया होता। ऐसे धर्म को आतंकवादी कहना कृतघ्नता है। जितेंद्र आव्हाड को याद रखना चाहिए कि उनके अपने पूर्वजों को सनातन की छाया में आश्रय मिला था।शिवसेना (शिंदे गुट) की नेता शाइना एनसी ने विपक्ष के नेताओं के सनातन पर दिए गए बयान की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग सनातन के बारे में गलत धारणा रखते हैं और अक्सर ऐसे बयान देते हैं, जिससे समाज में बिखराव पैदा हो। भाजपा नेता राम कदम ने कहा कि इस समय सावन का महीना चल रहा है और लोग धार्मिक गतिविधियों में लगे हैं। ऐसे समय में जितेंद्र आव्हाड के बयान ने हिंदू समाज को आहत किया है। राम कदम ने कहा कि सनातन धर्म हिंदू समाज की अहम अंग है, इसलिए जितेंद्र आव्हाड को देश और हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए।दरअसल शनिवार को एक कार्यक्रम में आव्हाड ने सनातन धर्म के बारे में आपत्तिजनक व्यक्तव्य दिया था। इसलिए आज आव्हाड के विरुद्ध हिंदू समाज के लोगों ने रोष व्यक्त किया है।

राजस्थान की वीर वसुधा को धर्मांतरण और नशे के चंगुल में नहीं फंसने देंगे : डॉ. सुरेंद्र जैन

एजेंसी
राजसमंद। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने राजसमंद में आयोजित चित्तौड़ प्रांत की दो दिवसीय बैठक में कहा कि राजस्थान को हम किसी भी सूरत में ईसाई मिशनरियों, जिहादी संगठनों और नशे के सौदागरों के चंगुल में नहीं फंसने देंगे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप और महारानी पद्मिनी की वीरभूमि पर इन षड्यंत्रों के विरुद्ध धर्मप्रेमी और राष्ट्रभक्त समाज हर मोर्चे पर खड़ा रहेगा।दो दिवसीय बैठक के समापन अवसर पर विहिप के प्रांत स्तर से लेकर जिले स्तर तक के सभी प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगठनात्मक विस्तार, सेवा कार्यों की दिशा और राष्ट्रहित के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। डॉ. जैन ने जानकारी दी कि इस वर्ष विहिप स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में 4000 से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और प्रत्येक गांव में परिषद की इकाई स्थापित करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप और महारानी पद्मिनी की पावन धरती राजस्थान में ईसाई मिशनरी और मुल्ला-मौलवियों के धर्मांतरण की गतिविधियां तेजी से बढ़ती जा रही है। इस्लामिक जिहादियों की हरकतें कन्हैया लाल की हत्या के बाद क्रूरता के साथ सामने आती रही हैं।

ओडिशा-झारखंड सीमा पर नक्सलियों ने रेलवे ट्रैक उड़ाया, ट्रेन संचालन ठप, सर्च ऑपरेशन शुरू

भुवनेश्वर। एक विध्वंसक घटना में संदिग्ध नक्सलियों ने ओडिशा-झारखंड सीमा पर रेलवे ट्रैक को विस्फोट कर उड़ा दिया। माओवादियों द्वारा मनाए जा रहे 'शहीद सप्ताह' (28 जुलाई से 3 अगस्त) के अंतिम दिन यह घटना हुई । यह घटना झारखंड के करमपाड़ा और ओडिशा के रेंजेडा स्टेशन के बीच सरंडा वन क्षेत्र में हुई, जिससे इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही ठप हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह विस्फोट बिमलगढ़ रेलवे सेक्शन के अंतर्गत तड़के हुआ, जिससे रेलवे ट्रैक को भारी नुकसान पहुंचा। हालांकि, घटना के समय ट्रैक पर कोई ट्रेन नहीं थी, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। घटना के बाद प्रभावित खंड पर रेल संचालन को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। उधर ओडिशा पुलिस, झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ और झारखंड जैगुआर्स की संयुक्त टीमों ने सरंडा वन क्षेत्र में व्यापक सर्च और कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेलवे ट्रैक पर अन्य संभावित विस्फोटकों की जांच के लिए बम निरोधक दस्तों को भी तैनात किया गया है। करमपाड़ा (झारखंड) और रेंजेडा (ओडिशा) स्टेशन दोनों ही सीमा क्षेत्र में स्थित हैं और माओवादियों के लिए संवेदनशील माने जाते हैं।

अश्विनी विश्नोई ने कुश्ती में गोल्ड जीतकर बढ़ाया राजस्थान का मान-भजनलाल

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल विजेता भीलवाड़ा निवासी अश्विनी विश्नोई ने मुलाकात की। श्री शर्मा से श्री विश्नोई ने मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दुपट्टा ओढ़ाकर अश्विनी का सम्मान किया तथा उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। भीलवाड़ा की बेटी

अश्विनी ने कुश्ती में गोल्ड मेडल जीतकर पूरे विश्व में राजस्थान का मान बढ़ाया है। उन्होंने अश्विनी विश्नोई को इस सफलता में मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए उनके पिता श्री मुकेश विश्नोई को भी बधाई दी। उल्लेखनीय है कि अश्विनी विश्नोई ने एथेंस में अंडर 17 वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप के 65 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। इस जीत के साथ ही अश्विनी वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली प्रदेश की प्रथम महिला पहलवान बनी है।

भारतीय जनता पार्टी सेवा के लिए सदैव समर्पित रही है : भूपेन्द्र

अलवर। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में हुई बहस के दौरान कांग्रेस का रुख नकारात्मक ही रहा जबकि देश ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेनाओं के साथ खड़ा है। श्री यादव रविवार को अलवर के थानागाजी क्षेत्र में स्थित उदयनाथ आश्रम में वन विहार एवं पौधारोपण कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पहले पाकिस्तान द्वारा कभी दिल्ली में, कभी मुंबई में, कभी जयपुर में, बम विस्फोट किये किये। उस समय हम पाकिस्तान को फोटो भेजा करते थे लेकिन अब हम गोले भेजते हैं। उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ था उस समय 1200 राजनीतिक दलों का पंजीकरण हुआ था। उस समय पंचायत से लेकर संसद तक केवल एक पार्टी कांग्रेस होती थी। वर्ष 1952 के चुनाव में हमारी पार्टी को केवल तीन सीटें मिली थीं। श्री यादव ने कहा कि आपातकाल के दौर में जनसंघ के कार्यकर्ताओं के साथ बहुत अन्याय किये गए।

दुख की घड़ी में आंखों में आंसू मत लाना, सरकार बाढ़ के संकट से बाहर निकालेगी: शिवराज सिंह

एजेंसी
यसेन। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री और क्षेत्रीय सांसद शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में सिलवानी तहसील में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बम्होरी, पड़रिया जोड़, बरदहा बम्होरी जोड़, साईखेड़ा और सिलवानी का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से फसलों, मकानों आदि को हुई क्षति का जायजा लिया। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने आज साईखेड़ा में बाढ़ प्रभावित खेतों में पहुंचकर फसलों को हुई क्षति का भी जायजा लिया। उन्होंने साईखेड़ा और सिलवानी के वार्ड क्रमांक-01 में घरों में जाकर बाढ़ से हुए नुकसान को देखा। उन्होंने बाढ़ प्रभावितों से कहा कि यह दुख, तकलीफ की घड़ी है। माताएं-बहनें, किसान ऑखों में आंसू मत लाना, मुसीबत की इस घड़ी से सरकार बाहर निकालेगी। केन्द्र और प्रदेश सरकार बाढ़ प्रभावितों के साथ है उनकी हर संभव मदद करेगी। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि वह किसान हैं और किसानों के दर्द को भली-भांति जानते हैं। किसानों की सेवा उनके लिए भगवान की पूजा है। बाढ़ से हुई क्षति का सर्वे कर आकलन किया जाएगा और सर्वे पूरा होने पर सूची पंचायत में लगाई

जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वे कार्य ईमानदारी से किया जाए। मकान गिर गए हैं, क्षतिग्रस्त हो गए हैं, सामान बह गया है या फसल खराब हुई है, जो नुकसान हुआ है वह पूरा लिखें। इसके अलावा आरबीसी 6/4 के तहत भी राहत दिलवाई जाए। साथ ही जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है उन्हें फसल बीमा योजना के तहत भी राशि दिलवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में खाद की शिकायत प्राप्त होने पर अकेले सिलवानी के लिए 600 मीट्रिक टन खाद का आवंटन कराया है, जिससे कि जहां जरूरत हो वहां किसानों को सरलता से खाद मिले। साथ ही पूरे रायसेन जिले के लिए 2500 मीट्रिक टन खाद का आवंटन कराया गया है। जिले में कहीं भी नकली खाद बेची जाती है तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी की जा रही है। उपार्जन केन्द्रों पर केवल किसानों की मूंग ही खरीदी जाए। कुछ जगह सर्वेयर की शिकायतें प्राप्त हुई हैं, इसकी जांच कराई जाएगी। मूंग उपार्जन कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप कराया जाए।

मप्र के छिंदवाड़ा का वॉश ऑन व्हील्स नवाचार पहुंचा फिक्की अवॉर्ड की फाइनल सूची में

एजेंसी
छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत संचालित नवाचार 'वॉश ऑन व्हील्स' सेवा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। इस पहल को फिक्की द्वारा आयोजित इंडिया सेनिटेशन कोएलिशन अवॉर्ड में दो श्रेणियों में फाइनल प्रेजेंटेशन के लिए चयनित किया गया है। यह छिंदवाड़ा के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। यह जानकारी स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण) के जिला परियोजना अधिकारी सुधीर कृषक ने दी। जिला परियोजना अधिकारी कृषक ने बताया कि छिंदवाड़ा जिले के 'वॉश ऑन व्हील्स' नवाचार का दो श्रेणियों- कैटिगरी 2: एक्सीलेंस इन सस्टेनेबल मेंटेनेंस एंड कम्युनिटी मैनेजमेंट ऑफ वॉश सिस्टम्स तथा कैटिगरी 7 : बेस्ट स्किलिंग इनिशिएटिव इन वॉश- में चयन हुआ है। कैटिगरी-2 के लिए प्रस्तुति एक अगस्त 2025 को एवं कैटिगरी-7 के लिए दो अगस्त 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी गई। फाइनल चयन पैनल के समक्ष जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार द्वारा स्वयं यह प्रेजेंटेशन दिया गया। गौरतलब है कि यह सेवा जिले में स्वच्छता साथियों के जनपदों के ब्लॉक समन्वयकों एवं स्वच्छता साथियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने बताया कि जिले के इस नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

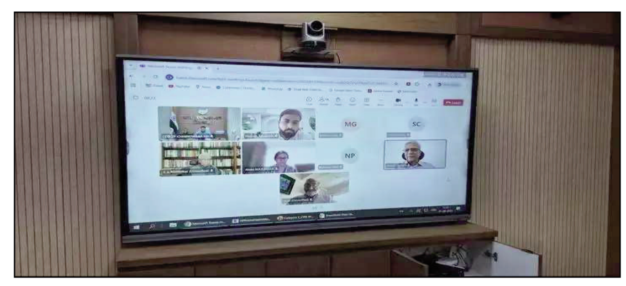

माध्यम से संचालित की जा रही है, जिसमें शौचालय सफाई के लिए डिजिटल तकनीक (क्यूआर कोड स्कैन सुविधा), समुदाय भागीदारी एवं नियमित निगरानी जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है। इसका संचालन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, डीएफ प्लस और जिला पंचायत छिंदवाड़ा के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण) के जिला परियोजना अधिकारी ने बताया कि इस नवाचार को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सभी मिलने के पीछे कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह का सतत मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार का कुशल नेतृत्व हैं, उनके निर्देशन में स्वच्छता को लेकर नए प्रयोग और तकनीक आधारित समाधान को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे छिंदवाड़ा स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी बनता जा रहा है। जहाँ सोच, वहाँ स्वच्छ शौचालय-इसी सोच के साथ 'वॉश ऑन व्हील्स' सेवा छिंदवाड़ा की एक प्रेरक मिसाल बन चुकी है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिल्ली विस में सौर ऊर्जा संयंत्र एवं 'नेवा' का किया लोकार्पण

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 500किलोवाट की क्षमता वाले रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र और नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, ऊर्जा मंत्री आशीष सूद, तथा मुख्य सचेतक अभय वर्मा सहित कई विधायक उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इस अवसर पर कहा कि दिल्ली विधानसभा की यह पहल देशभर की विधायिकाओं व संस्थानों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे डिजिटल एवं हरित परिवर्तन

की सराहना करते हुए कहा कि 'वन नेशन, वन एप्लीकेशन' की अवधारणा को साकार करती यह पहल केवल तकनीकी नहीं, बल्कि संस्थागत मूल्यों में बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि संसदीय कार्य मंत्रालय दिल्ली विधानसभा को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा , ताकि यह संक्रमण सुचारू रूप से लागू हो और देशभर में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत हो। अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में हमारा एक समग्र प्रयास है। 1912 में बने इस ऐतिहासिक भवन में देश की पहली संसद का संचालन हुआ था–आज हम उसी विरासत को आधुनिकता से जोड़ रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि ई-विधान प्रणाली का कार्य महज 100 दिनों में पूरा किया गया। सोमवार प्रातः 11 बजे इसका परीक्षण और दोपहर 2 बजे पहली बार पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित सदन की बैठक आयोजित होगी। गुप्ता ने यह भी बताया कि सौर ऊर्जा से होने वाली बचत को जनता के विकास कार्यों में लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त विधानसभा पुस्तकालय का डिजिटलीकरण तथा आईटी बुनियादी ढांचे का सशक्तीकरण भी प्रगति पर है। यह सौर ऊर्जा संयंत्र दिल्ली विधानसभा के संचालन को न केवल शत-प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित बनाता है, बल्कि लगभग 15 लाख रुपये प्रतिमाह की लागत बचत सुनिश्चित करता है और वार्षिक अनुमानित बचत 1.75 करोड़ रुपये तक हो सकती है।

बिहार में गंडक बैराज से छोड़ा गया 1.09 लाख क्यूसेक पानी,कई जिलों में अलर्ट जारी

एजेंसी
पटना। बिहार में गंडक बैराज, वाल्मीकिनगर से पानी छोड़ा गया है, जिसके बाद राज्य के कई जिलों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। जल संसाधन विभाग ने बाढ़ की संभावना को देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी है और आसपास के जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। गंडक बैराज, वाल्मीकिनगर से रविवार सुबह 10 बजे तक के अपडेट के अनुसार भारी जल प्रवाह दर्ज किया गया है। बैराज से उपरी जल प्रवाह करीब 1,09,500 क्यूसेक रहा, जबकि निचली ओर 86,000 क्यूसेक मापा गया। बैराज का ऊपरी जलस्तर 362.00 फीट और निचला जलस्तर 345.00 फीट रिकॉर्ड किया गया, जो जलस्तर में लगातार वृद्धि की ओर संकेत करता है। दरअसल, गंडक नहर प्रणाली के अंतर्गत आने वाली नहरों से छोड़े गए जल की मात्रा अभी उनकी डिज़ाइन क्षमता से कम है, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रशासन जलस्तर को नियंत्रित रखने की कोशिश कर रहा है। नेपाल के देवघाट क्षेत्र से मिली जानकारी के अनुसार, वहां से गंडक नदी में 1,22,349.15 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। वर्तमान में जलस्तर 4.43 मीटर पर है, जो चेतावनी स्तर (7.3 मीटर) और खतरे के स्तर (9.0 मीटर) से नीचे है, लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण इसकी निगरानी बेहद आवश्यक हो गई है। ईस्टर्न मेन कैनाल से 9,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जबकि इसकी डिज़ाइन क्षमता 15,645 क्यूसेक है।

गृहमंत्री अमित शाह 8 अगस्त को सीता मंदिर की रखेंगे आधारशीला,गिरिराज सिंह ने बिहारवासियों को दिया न्योता

एजेंसी
पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीतामढ़ी जिले के पुपरी नगर स्थित नागेश्वर स्थान मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और बिहारवासियों से माता सीता के बनने वाले मंदिर के शिलान्यास समारोह में आने का न्योता दिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना भी साधा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आगामी आठ अगस्त को मंदिर का शिलान्यास करने वाले हैं।कार्यक्रम के दौरान मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार के सीतामढ़ी में माता सीता के भव्य मंदिर निर्माण की बात कही। उन्होंने कहा कि जिस भूमि ने माता सीता को जन्म दिया, वहां अब अयोध्या की तरह भव्य मंदिर का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आठ अगस्त को मंदिर

की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने बिहार के लोगों से शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि मैं इस मंच से सभी बिहारवासियों को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण देता हूं। केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि देश में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हो रहा है, फिर भी कुछ लोगों को दिक्कत हो रही है। कल उनकी (तेजस्वी) की झूठ की बुनियाद सबके सामने बेनक़ाब हो गई। उन्हें अपनी पत्नी के नाम और पहचान को छिपाने की क्या जरूरत थी? अगर वो ईसाई थीं, तो इसमें क्या बुराई थी? भारत तो सबको स्वीकार करता है। जब देश ने सोनिया जी को स्वीकार किया,तो तेजस्वी की पत्नी भी इस देश की बेटी हैं।गिरिराज ने कहा कि आज राजनीति विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के नाम पर चल रही है, जिसमें एस से सोनिया, आई से इमरान (या इशारा), और आर से राहुल है। उन्होंने विपक्ष पर बांग्लादेशी घुसपैठियों और फर्जी वोट के मुद्दे पर हंगामा करने का आरोप लगाया और कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार ने देश की आर्थिक स्थिति और राष्ट्रीय सुरक्षा को मज़बूती दी है, जिसे पहले की कांग्रेस सरकारों ने कमज़ोर किया था। उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की सरकार पर प्रहार करते हुए कहा जिन्होंने रामसेतु तक को नकारा, वे भला माँ जानकी के मंदिर को क्या महत्व देंगे? आज मोदी सरकार माता सीता की महिमा को विश्वपटल पर स्थापित करने में लगी है।

रेल मंत्री वैष्णव ने भावनगर-अयोध्या ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी
गांधीनगर। गुजरात के भावनगर रेलवे स्टेशन से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भावनगर से अयोध्या के लिए नई साप्ताहिक ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री मनसुखभाई मांडविया, केंद्रीय राज्य मंत्री निमुबेन बंबनिया सहित कई विधायकगण और स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि देश के पवित्र तीर्थधाम अयोध्या के लिए भावनगर से सीधी ट्रेन सेवा के शुभारंभ से हजारों श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने इस ट्रेन को गुजरात के रेलवे विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत बताया।रेल मंत्री ने कहा कि गुजरात के भावनगर और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों की मांग को पूरा करते हुए भारतीय रेलवे ने भावनगर और अयोध्या के बीच एक नई ट्रेन सेवा शुरू की है। यह नई ट्रेन सेवा यात्रियों, पर्यटकों तथा व्यवसाय और

रोजगार के लिए यात्रा करने वालों के लिए अत्यंत सुविधाजनक होगी। इससे लोगों को विभिन्न स्थानों से जोड़ने में मदद मिलेगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों और पर्यटन को गति मिलेगी, रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे और क्षेत्रों का समग्र विकास होगा। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने उत्तर भारत के धार्मिक स्थलों से भावनगर की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। वहीं, निमुबेन बंबनिया ने भी इस ट्रेन को अपने संसदीय क्षेत्र और सौराष्ट्र के लिए एक आशीर्वाद बताया। यह ट्रेन संख्या 19201 भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस की नियमित सेवा 11 अगस्त 2025 से शुरू होगी। यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार को दोपहर 13:50 बजे भावनगर टर्मिनस से रवाना होगी और अगले दिन शाम 18:30 बजे अयोध्या कैंट स्टेशन पहुंचेगी। अयोध्या कैंट-भावनगर टर्मिनस (साप्ताहिक) एक्सप्रेस प्रत्येक मंगलवार को अयोध्या कैंट स्टेशन से रवाना होगी इसी तरह, ट्रेन संख्या 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर टर्मिनस (साप्ताहिक) एक्सप्रेस प्रत्येक रात 22:30 बजे अयोध्या कैंट स्टेशन से रवाना होगी और तीसरे दिन (गुरुवार) सुबह 04:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 12 अगस्त 2025 से नियमित रूप से चलेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और सेकंड क्लास जनरल कोच होंगे। स्टॉपेज भावनगर परा, सिहोर (गुजरात), ढोला, बोटाद, लिमडी, सुरेन्द्रनगर गेट, वीरमगाम, मेहसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ और बाराबंकी स्टेशन रहेगा।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का समापन 8 को, मुख्यमंत्री होंगे शामिल

एजेंसी
लखनऊ। नौनिहालों और युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करने और आजादी के इतिहास की जानकारी देने के उद्देश्य सेराज्य सरकार विगत 8 वर्ष से लगातार आयोजन कर रही है। इसी क्रम में अगस्त 2024 में शुरू हुआ काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का समापन समारोह 8 अगस्त को शहीद स्मारक काकोरी पर होगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर संस्कृति विभाग लगातार भारत मां के रणबांकुरों, महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जन्मदिवस व बलिदान दिवस पर अनेक कार्यक्रम करता आ रहा है। जिसमें सभी विभागों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, स्कूलों, एकेडमी, स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग रहा। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के तहत अगस्त 2024 से कार्यक्रम हो रहे हैं। शताब्दी समारोह का अब 8 अगस्त को समापन होना है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि 9 अगस्त 2024 से शुरू हुए काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का 8 अगस्त 2025 (शुक्रवार) को समापन होगा। यह कार्यक्रम शहीद स्मारक काकोरी में होगा। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का सम्मान भी किया जाएगा।

मोदी पिछले 11 वर्षों से रेलवे को आधुनिक बनाने को संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी
भोपाल। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रेलवे के साथ भावनात्मक जुड़ाव है। यह देश के गरीब और मध्यम वर्ग के लिए आवागमन का प्रमुख साधन है। प्रधानमंत्री मोदी के विजन से केंद्र सरकार ने 10-11 वर्ष में रेलवे को आधुनिक बनाने के लिए संकल्प के साथ कार्य किए हैं। नई ट्रेनों की शुरुआत, आधुनिक कोच निर्माण और रेलवे स्टेशनों का जीर्णोद्धार रेलवे के अभूतपूर्व कार्य हैं।रेल मंत्री वैष्णव आज गुजरात के भावनगर रेलवे स्टेशन से मध्य प्रदेश के जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस और रीवा-पुणे (हड़पसर) एक्सप्रेस के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रीवा से पुणे की कनेक्टिविटी बढ़ रही है। जबलपुर और रायपुर के बीच नई ट्रेन से जनजातीय अंचल को लाभ मिलेगा। गत 11 साल में 34 हजार किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बनाए हैं। प्रतिदिन 12 किलोमीटर ट्रैक बिछाया जा रहा है और 1300 स्टेशनों का नव निर्माण किया जा रहा है, यह दुनियाभर के विकसित देशों में अपने आप में अलग स्थान

रखता है। वंदेभारत जैसी नई ट्रेन चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि देश में 8 अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू की जा चुकी हैं, इसमें वंदेभारत जैसी सुविधाएं कम किराये पर दी जा रही है। नमो भारत, आसपास के दो शहरों की कनेक्टिंग ट्रेन हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रेलवे की सूरत बदलने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि पोरबंदर से राजकोट के बीच नई ट्रेन जल्द शुरू करेंगे। राणावाद स्टेशन पर नई कोच मेंटेनेंस फैसिलिटी विकसित करेंगे। सारडिया से बांसजालिया के बीच नई रेल लाइन बिछाएंगे। मुंबई से अहमदाबाद के बीच जल्द ही बुलेट ट्रेन की भी शुरुआत होगी। यह ट्रेन मात्र 2 घंटे 13 मिनट में गंतव्य तक पहुंचेगी। रेल मंत्री वैष्णव ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार मानते हुए कहा कि उनका सहयोग रेल नेटवर्क के विस्तार में निरंतर प्राप्त हो रहा है। डबल इंजन की सरकार होने से कोई भी प्रकल्प अधिक समय लंबित नहीं रह पाता है। नए रेल संचालन के शुभारंभ कार्यक्रम में अनेक मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि और नागरिक प्रत्यक्ष और वर्चुअल रूप से शामिल हुए। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नया भारत विश्व में अपनी अलग पहचान बना रहा है।

भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को हराया, सीरीज बराबर

लंदन (एजेंसी)। भारत ने उतार-चढ़ाव से भरे बेहद रोमांचक पांचवें और अंतिम टेस्ट के पांचवें दिन सोमवार को यहां मोहम्मद सिराज के करिश्माई प्रदर्शन से इंग्लैंड को 6 रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी जिसे क्रिकेट की दो दिग्गज टीमों के बीच बेहद कड़े मुकाबले के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।

सिराज ने तूफानी गेंदबाजी का नजारा पेश करते हुए 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और टीम की जीत के नायक साबित हुए। उन्होंने श्रृंखला में कुल 23 विकेट चटकाए और दोनों टीमों में सबसे सफल गेंदबाज रहे। भारत के 374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चौथे दिन जब छह विकेट पर 339 रन बनाए थे जब खराब रोशनी और बारिश के कारण खेलना रोकना पड़ा था। इंग्लैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 35 रन जबकि भारत को चार विकेट की दरकार थी।

सिराज की अगुआई में भारत ने हालांकि इंग्लैंड को 85.1 ओवर में 367 रन पर समेट दिया और रोमांचक जीत दर्ज की। प्रसिद्ध कृष्णा ने भी 126 रन देकर 4 विकेट चटकाए। कंधे में चोट बावजूद क्रिस वोक्स एक हाथ में बल्ले थामे अंतिम बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे और काफी दर्द के बावजूद मैदान पर डटे रहे लेकिन अंततः सिराज ने गस एटकिंसन (17) को बोल्ड करके भारत को जीत दिला दी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला मैच पांच विकेट से जीत दर्ज की थी जबकि भारत ने बर्मिंघम में जोरदार वापसी करते हुए दूसरा टेस्ट 336 रन से जीता था। लार्ड्स में तीसरे टेस्ट में मेजबान टीम ने 22 रन की रोमांचक जीत दर्ज की जबकि मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। इसके बाद भारत ने जो रूट और हैरी ब्रूक की शतकीय पारियों के बावजूद चौथी शाम चार विकेट चटकाकर जोरदार वापसी की और फिर श्रृंखला के अंतिम दिन जीत दर्ज की।

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत की सरल योजना का खुलासा किया

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लंदन के ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला बराबर की। पारी में 5 और मैच में कुल 9 विकेट लेकर जीत के सूत्रधार रहे मोहम्मद सिराज को प्लेयर ऑफ द मैच मिला। जीत के बाद सिराज ने योजना का खुलासा किया जो इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए बनाई थी।

सिराज ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बहुत अच्छा लग रहा है। हम पहले दिन से ही कड़ी टक्कर देना चाहते थे और यह नतीजा देखकर बहुत अच्छा लगा। हमारी योजना थी कि इसे सरल रखा जाए और एक ही जगह पर गेंद डाली जाए। आज जब मैं उठा तो मुझे विश्वास था कि मैं आज यह कर सकता हूं। अगर मैंने वह कैच ठीक से पकड़ा होता, तो शायद हमें आज यहां आने की जरूरत ही न पड़ती। लेकिन ब्रूक ने वाकई बहुत अच्छा खेला। यह दिल तोड़ने वाला पल था। वह बस मुझे गेंद को बीच में रखने के लिए कह रहे थे। अपने पिता को और यहां तक पहुंचने के लिए की गई आपकी कड़ी मेहनत को याद करो।'

गौर हो कि भारत ने टॉस हारने के बाद पहली पारी में करुण नायर के अर्धशतक (57) की बदौलत 224 रन बनाए। नायर के अलावा कोई

अन्य बल्लेबाज पहली पारी में चल नहीं सका। लेकिन मोहम्मद सिराज (4) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 247 पर रोक दिया जिसमें जैक क्रॉली और हैरी ब्रुक ने अर्धशतक लगाए।

इंग्लैंड द्वारा मामूली बढ़त (23) के बाद भारत ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के शतक (118) और आकाशदीप (66), रविंद्र जडेजा (53) तथा वाशिंगटन सुंदर (53) के अर्धशतकों की बदलौत 396 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम की शुरूआत खराब रही लेकिन हैरी ब्रुक ने 19 रन पर मिले जीवनदार का फायदा उठाते हुए जो रूट (105) के बाद शतकीय पारी (ब्रुक 111) खेली। लेकिन करीबी मुकाबले में भारत ने मोहम्मद सिराज (5) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत 6 विकेट से जीत दर्ज की।

सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद फिट होने के लिए एनसीए पहुंचे, एशिया कप की तैयारी शुरू

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (NCA) में है। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में पुनर्वास और फिटनेस आकलन के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेंटर में रिपोर्ट की थी। पूरी तहर फिट न होने के कारण उन्हें पश्चिम क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने दलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार ने उन्हें सूचित कर दिया था कि उन्होंने सीओई जांच करा ली है।

म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया की सर्जरी के बाद वह पुनर्वास की प्रक्रिया में है। सूर्यकुमार का अगला बड़ा टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक UAE में होने वाला एशिया कप है। इस तेजतर्रर टी-20 बल्लेबाज से इस टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करने की उम्मीद है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों के अनुसार उन्हें इस आयोजन से पहले पूरी तरह फिट होने का भरोसा है। उन्हें आखिरी बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए देखा गया था।

इस बीच पता चला है कि श्रेयस अय्यर पिछले हफ्ते फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई आये थे। अब वह मुंबई लौट गये हैं और माना जा रहा है कि यह दौरा नियमित जांच के लिए था। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं। एशिया कप के लिए चुने जाने तक, उन्हें दलीप ट्रॉफी में खेलना चाहिए।

अय्यर आखिरी बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी की कप्तानी करते हुए देखे गए थे। आईपीएल के बेहद सफल सीजन के बाद एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम में उनके शामिल होने की काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अपेक्षित चयन नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी मैच 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होंगे, लेकिन पश्चिम क्षेत्र की टीम जिसे सीधे सेमीफाइनल में जगह दी गई है। अपना पहला मैच चार सितंबर से खेलेगी।

फरहान और अयूब का शानदार प्रदर्शन, पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज जीती

फ्लोरिडा (अमेरिका) (एजेंसी)। साहिबजादा फरहान और सैम अयूब के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने सोमवार को फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा और अंतिम टी20 मैच 13 रनों से जीतकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम अयूब और साहिबजादा फरहान की सलामी जोड़ी ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 47 रन जोड़कर पाकिस्तान को शानदार शुरुआत दिलाई।

उन्होंने लय बरकरार रखी और पारी के मध्य तक टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 82 रन तक पहुंचाकर पाकिस्तान का दबदबा और बढ़ा दिया। फरहान ने अपना तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया। अयूब ने भी अपने साथी के साथ मिलकर अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया और पाकिस्तान के लिए 100 रनों की शुरुआती साझेदारी पूरी की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 रन जोड़े, इससे पहले कि शमर जोसेफ ने 17वें ओवर में फरहान को 74 रन पर आउट कर दिया। हसन नवाज ने रोस्टन चेज की गेंद पर अपना विकेट गंवाने से पहले कुछ बड़े शॉट खेले, इसके बाद हारिस रन आउट हो गए और वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की। खुशदिल शाह और फहीम अशरफ ने अंतिम ओवर में 19 रन ठोक डाले और पाकिस्तान ने अपनी पारी 189/4 पर समाप्त की।

जवाब में 190 रनों का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज एलिक अथानाजे और जेरलानी एंड्रयू ने भी अपनी टीम को शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े, इससे पहले कि हारिस राउफ ने 5वें ओवर में एंड्रयू को 24 रन पर आउट कर दिया। कप्तान शाई होप का बल्ले से रनों का सूखा जारी रहा और 9वें ओवर में मोहम्मद नवाज ने उन्हें सात रन पर आउट कर दिया।

अथानाजे ने 11वें ओवर में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया, उन्होंने अपने कुल स्कोर में 10 रन और जोड़े, इससे पहले कि अगले ओवर में अयूब ने उन्हें 60 रन पर आउट कर दिया। रोस्टन चेज ने 15 रन बनाए लेकिन वे रन नहीं बना पाए और 18 गेंदों में जीत के लिए 41 रन शेष रहते रिटायर हो गए। शेरफेन रदरफोर्ड ने 35 रनों पर महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया और अपनी टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन घरेलू टीम अंततः लक्ष्य से 13 रन पीछे रह गई। फरहान को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि नवाज को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

यश ढुल ने डीपीएल 2025 का पहला शतक जड़ सेंट्रल दिल्ली किंग्स को दिलाई जीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल 2025) के दूसरे दिन का पहला मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 8 विकेट से मात दी। यह मैच 3 अगस्त को दिल्ली के ऐतिहासिक अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले के हीरो रहे युवा बल्लेबाज यश धुल, जिन्होंने सीजन का पहला शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। 175 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। सलामी बल्लेबाज यश धुल ने विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए महज 55 गेंदों पर शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में कुल 15 चौके-छक्के (8 चौके और 7 छक्के) जड़े। यश धुल ने 56 गेंदों में 101 रन बनाए और 180.36 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 17.3 ओवर में ही 177 रन बना लिए और 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यश के अलावा युगल सैनी ने भी उपयोगी योगदान दिया और 24 गेंदों में 36 रन बनाए। वहीं कप्तान जोंटी सिद्धू 19 गेंदों पर 23 रन बनाकर नाबाद लौटे। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से दोनों विकेट कुलदीप यादव ने चटकाए, लेकिन बाकी गेंदबाज बिखरे नजर आए।

दलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास करेंगे श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इसी माह शुरु होने जा रही दलीप ट्रॉफी में अब श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे और सरफराज खान जैसे क्रिकेटर भी खेलते दिखेंगे। भारतीय टीम से बाहर चल रहे श्रेयस का प्रयास घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का टीम इंडिया में वापसी करना है। इसी को देखते हुए श्रेयस ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए अपने को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी। श्रेयस के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी इसके लिए अपने को उपलब्धत बताया है। इन क्रिकेटरों ने मुंबई क्रिकेट संघ को अपने खेलने की जानकारी दे दी है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। वहीं सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5 अर्धशतक और एक शतक लगाया है। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल गेंद वाला क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिली थी। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले सात टीम से बाहर कर दिया गया था हालांकि इस बार उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी मिल गय है। जिससे अब वह घरेलू क्रिकेट में और बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना चाहते हैं।

रूट घरेलू धरती पर सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बने

ओवल। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। रुट ने दूसरी पारी में 152 गेंदों में 12 चौकों की सहायता से 105 रन बनाये। यह रूट के टेस्ट करियर का 39वां शतक है। इसी के साथ ही रूट घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 24वां टेस्ट शतक लगाकर शीर्ष पर पहुंच गये। रूट ने इस शतक के साथ ही श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस का रिकार्ड तोड़ा। इन तीनों ने ही अपने धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 23-23 शतक लगाये हैं। रूट ने इसके अलावा श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा को भी पीछे छोड़ा है। संगकारा इससे पहले टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर थे लेकर अब वह पांचवें स्थान पर फिसल गये हैं। संगकारा ने कुल 38 टेस्ट शतक लगाए थे। टेस्ट में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम 51 शतक का है। उसके बाद जैक कैलिस के नाम 45 और पोंटिंग के नाम 41 शतक हैं। रूट ने इसके अलावा भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की बराबरी की है। रूट और स्मिथ ने भारत के सामने 16-16 शतक लगाये हैं। रूट ने भारत के खिलाफ 13 टेस्ट शतक लगाये हैं। वह एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब तक केवल भारतय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम ही ये रिकार्ड था। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध 13 टेस्ट शतक जड़े थे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय पुरूष हॉकी टीम का ऐलान, युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप की तैयारी के मद्देनजर 15 अगस्त से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में 24 सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम का ऐलान किया है जिसमें कर्नाटक के पूवन्ना सीबी नया चेहरा होंगे। अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट है जो 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में खेला जाएगा। इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की कमान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत के ही पास है जबकि गोलकीपिंग का जिम्मा कृशन पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और नए खिलाड़ी कर्नाटक के पूवन्ना होंगे। मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है जिनकी अक्सर तुलना पूर्व कप्तान सरदार सिंह से होती है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे।

एशिया कप से पहले इस दौरे की अहमियत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'हमारा फोकस शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा।' टीम में युवा खिलाड़ियों को चुने जाने के बारे में उन्होंने कहा, 'हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने और जरूरी एक्सपोजर देने के लिए चुना है।' भारतीय टीम 8 अगस्त को बेंगलुरू से ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी जहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर शिविर चल रहा है।

टीम – गोलकीपर : कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित , जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह , पूवन्ना सीबी

मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे

राजगीर में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप नजर आयेंगी शीर्ष खिलाड़ी

पटना। बिहार के राजगीर स्टेडियम में आने वाले दिनों में एशिया के शीर्ष रग्बी खिलाड़ी खेलते हुए नजर आयेंगे। इन देशों की टीम लेगी। यहां इसी माह 9 और 10 अगस्त को होने वाली एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 में 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें भारत के अलावा हांगकांग, चीन, यूएई, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल के रग्बी खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन को लेकर रग्बी इंडिया के प्रेसिडेंट राहुल बोस ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रौत्सान के कारण ही बिहार में रग्बी जैसे खेल को भी विकसित होने का अवसर मिला है। 9 और 10 अगस्त को होने वाले इस अंतरराष?ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए 7 अगस्त से ही टीम राजगीर पहुंचने लगेंगी। साथ ही कहा कि राजगीर में आने वाले खिलाड़ियों का भव्य स्वागत होगा। वहीं 8 अगस्त को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रंगारंग उद्घाटन समारोह रखा गया है। इस टूर्नामेंट में एशिया के 32 रग्बी खेलने वाले देशों में से केवल शीर्ष 12 रैंकिंग वाली टीमें ही शामिल हो रही हैं। ऐसे में यहां बेहद रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। यह आयोजन बिहार के लिए इसलिए भी विशेष है, क्योंकि रग्बी यहां 14 प्राथमिकता वाले खेलों में शामिल है। हाल ही में नेशनल गेम्स में बिहार की महिला टीम ने रजत पदक जीता था। रग्बी चैम्पियनशिप से राज्य के उभरते हुए खिलाड़ियों को भी प्रौत्साहन मिलेगा।

ओली को कप्तानी के योग्य नहीं मानते वॉन , बोले हैरी को दें जिम्मेदारी

ओवल। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ जारी पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसी मांग कर दी जिससे सभी हैरान हो गये। वॉन ने कहा कि ओली पोप टीम की कप्तानी करने के योग्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें हटा दिया जाना चाहिये। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स के चोटिल होने के कारण इस मैच में ओली इंग्लैंड टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ओली वैसे तो पहले भी टेस्ट मैच में कप्तानी कर चुके हैं पर वॉन उन्हें इस भूमिका के काबिल नहीं मानते। इस पूर्व कप्तान वॉन के अनुसार ऑली की जगह प हैरी ब्रूक को कपतान बनाया जाना चाहिये। वॉन ने इंग्लैंड के लिए 51 टेस्ट में कप्तानी की है, जिसमें से वह 26 में जीते थे। वॉन के अनुसार हैरी अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने केवल 30 टेस्ट में 9 शतक लगाये हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के चौथे दिन शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर हालत में पहुंचाया। उनकी पारी की बदौलत ही इंग्लैंड टीम 6 विकेट पर 339 रन बना पायी। से महज 35 रन दूर है. वॉन ने कहा, 'हैरी ब्रूक, मुझे एक लीडर की तरह दिखते हैं।' इस क्रिकेटर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड का सीमित ओवरों के लिए कप्तान बनाया गया था। वहीं वॉन से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं ओली को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखता हूं जो शानदार उप-कप्तान हैं। वे कप्तान को सलाह देने के लिए एक शानदार व्यक्ति हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि उप-कप्तान शानदार कप्तान नहीं होते। जैसे मार्कस ट्रेस्कोथिक मेरे लिए बेहतरीन उप-कप्तान थे पर वह कप्तानी नहीं कर पाये।'

अमन कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में डेब्यू के लिए तैयार, सुजीत ने भी बनाई भारतीय टीम में जगह

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत (57 किग्रा) को विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में कोई खास चुनौती नहीं मिली तो वहीं सुजीत कलकल ने शानदार कौशल दिखाते हुए सोमवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। क्रोएशिया के जगरेब में अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप 2024 में पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतने के बाद सहरावत का विश्व स्तर का दूसरा टूर्नामेंट होगा। इस 22 साल के पहलवान ने जून में प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करते हुए मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता था। वह हालांकि यहां ट्रायल में मंगोलिया की तुलना में कहीं बेहतर नजर आये। उन्होंने अपने पहले मुकाबले में सुमित के खिलाफ मात्र एक अंक गंवाने के बाद शुरुआती पीरियड में ही तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में राहुल को एकतरफा अंदाज में बिना कोई अंक गवायें तकनीकी श्रेष्ठता से मात दी। अमन ने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आया हूं। मेरी फिटनेस अच्छी है और मेरी लय भी वापस आ गई है। मैं विश्व चैंपियनशिप के लिए तैयार हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कुछ गलतियां की थी लेकिन वह एक साल बाद मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मुझे लगता है कि मैंने इतना बुरा प्रदर्शन नहीं किया था, मैं एक समय 11-6 से आगे भी चल रहा था, लेकिन मैं उस हार (मंगोलिया में) को स्वीकार करता हूं।''

इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती, राहुल ने इंग्लैंड पर जीत के बाद दिया पहला बयान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंचे पांचवें टेस्ट मैच में भारत की यादगार जीत के बाद टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल लोकेश राहुल ने सोमवार को इसे अपने अब तक के करियर की सबसे यादगार श्रृंखला करार दिया। इस मैच से पहले श्रृंखला में 2-1 से आगे इंग्लैंड को आखिरी दिन मैच और श्रृंखला जीतने के लिए 35 रन की जरूरत थी। भारत के सामने चार विकेट लेने की मुश्किल चुनौती थी। मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 367 रन पर आउट कर छह रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के दौर पर 532 रन बनाने वाले राहुल ने कहा, 'यह जीत मेरे लिए सब कुछ है। मैं पिछले कई साल से क्रिकेट खेल रहा हूं। मैं चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहा हूं। मैंने टीम को विश्व कप ट्रॉफी उठाते हुए देखा है लेकिन इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है।' श्रृंखला के सभी मैच पांचवें दिन तक चले और क्रिकेट जगत ने इसे पांच मैचों की सबसे रोमांचक श्रृंखला में एक करार दिया। राहुल ने कहा, 'पिछले काफी समय से इस बात पर चर्चा हो रही है कि टेस्ट क्रिकेट का भविष्य क्या होगा लेकिन हमने जिस तरह से खेला है, उससे हमने उन सभी सवालों का जवाब दे दिया है।'

उन्होंने टीम के युवा खिलाड़ियों के जज्बे की तारीफ की। इस श्रृंखला से पहले हमें जीत का दावेदार नहीं माना जा रहा था लेकिन हमने हर मैच में संघर्ष किया और श्रृंखला को 2-2 से बराबर करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, 'यह श्रृंखला भले ही ड्रॉ रही हो लेकिन हमने हर मैच में जज्बा दिखा। यह भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए, यह सबसे ऊपर रहेगा और यहीं से बदलाव की शुरुआत होती है।'

राहुल ने कहा कि यह सिर्फ आगाज और यह टीम भविष्य में कई श्रृंखलाएं जीतेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टीम श्रृंखला में जीत की दावेदार नहीं थी लेकिन उसने हर मैच में इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा, 'भारतीय टेस्ट टीम भविष्य में कई मैच और श्रृंखला जीतेगी। टीम में रोहित (शर्मा), विराट (कोहली) और रविचंद्रन (अश्विन) की गैरमौजूदगी के बारे में सोच कर मैं दो सप्ताह तक चिंतित था। मैं अचानक से अलग तरह की भूमिका में आ गया था। हर कोई मुझे से इंग्लैंड की परिस्थितियों के बारे में पूछ रहा था।'

उन्होंने गिल की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा, 'गिल ने शानदार तरीके से कप्तानी की। वह खिलाड़ियों से शानदार तरीके से घुलमिल गए। वह रणनीतिक तौर पर शानदार थे, उन्होंने गेंदबाजी में कुछ शानदार बदलाव किए जिससे हम विकेट लेने में सफल रहे। वह शानदार टेस्ट कप्तान बनेंगें।

'कांतारा 2' की रिलीज से पहले ऋषभ की आगामी फिल्म का एलान, योद्धा की भूमिका में दिखेंगे अभिनेता

अश्विन गंगाराजू के निर्देशन में बन रही आगामी ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा फिल्म में ऋषभ शेट्टी शानदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इसकी घोषणा खुद मेकर्स ने आज 30 जुलाई को फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए किया है। इस पोस्टर ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक अलग रोमांच पैदा कर दिया है।

फिल्म निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्म का एक पोस्टर रिलीज किया है, जिसके टाइटल की घोषणा अभी नहीं की है। इसमें देखा जा सकता है कि एक योद्धा चेहरे पर कपड़ा बांधे और पीठ पर दो तलवारें लिए हुए दिखाई दे रहा। साथ ही हजारों संख्या में सैनिक रणभूमि में युद्ध करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा उन सैनिकों का सामना करने के लिए एक तोप और कई बंदूकें दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'सभी विद्रोही युद्ध में नहीं गढ़े जाते। कुछ को भाग्य द्वारा चुना जाता है और यह एक विद्रोही की कहानी है।' इसके आगे मेकर्स ने लिखा उन्हें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस प्रोडक्शन की 36वीं फिल्म का हिस्सा शानदार अभिनेता ऋषभ शेट्टी होंगे।

दो भाषाओं में शूट होगी फिल्म

ऋषभ शेट्टी अभिनीत इस आगामी फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट बैनर के तले किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जाएगा और मेकर्स इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, हिंदी और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। अश्विन गंगाराजू द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी 18वीं सदी के बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

ऋषभ शेट्टी का वर्कफ्रंट

ऋषभ शेट्टी की फिल्मों की बात करें, तो अभिनेता इस समय अपनी आगामी फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तैयारियों में व्यस्त हैं, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन खुद ऋषभ शेट्टी ने ही किया है। वहीं इस फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर द्वारा किया जा रहा है और इसे होमबेल फिल्म्स का सहयोग प्राप्त है।

फिजियोथेरेपिस्ट से एक्ट्रेस बनीं हैं आकांक्षा सिंह

फिल्मों और टीवी की चकाचौंध से भरी दुनिया में नाम कमाना आसान नहीं होता है। अगर कोई इंसान एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग क्षेत्रों में कामयाबी पाए, तो वह वाकई खास होता है। अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ऐसी ही एक मिसाल हैं। आज वह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनय में सफलता पाने से पहले आकांक्षा एक प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट रही हैं। उनकी मां खुद एक थिएटर कलाकार थीं, जिससे घर का माहौल कला से जुड़ा था। यही वजह रही कि आकांक्षा को बचपन से ही मंच और अभिनय से लगाव हो गया। उन्होंने पहले पढ़ाई पर ध्यान दिया और फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल की। इस पढ़ाई के दौरान उन्होंने शरीर, इलाज और देखभाल के बारे में गहराई से सीखा। इस दौरान उन्होंने थिएटर करना जारी रखा। साल 2012 में उन्हें टीवी शो ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा का ऑफर मिला और इस शो के जरिए उन्होंने छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। आकांक्षा ने इस शो में दो बच्चों की मां और विधवा मेघा व्यास भटनागर का किरदार निभाया, जो भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इस भूमिका को इतनी सादगी और गहराई से निभाया कि दर्शक उनके कायल हो गए। इस किरदार के लिए उन्हें इंडियन टेली अवार्ड्स भी मिला।

टीवी पर सफल शुरुआत के बाद, वह 2015 में होटल इंडस्ट्री पर आधारित शो गुलमोहर ग्रैंड में अनाहिता मेहता फर्नांडीज के रोल में दिखीं। इसके बाद, 2016 में बॉक्स क्रिकेट लीग में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल हुईं और 2017 में ऐ जिंदगी के एक एपिसोड में वकील की भूमिका निभाई। आकांक्षा ने फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाई। 2017 में उन्होंने हिंदी फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया से फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें वह किरण कक्कड़ के छोटे लेकिन असरदार रोल में नजर आईं। उसी साल तेलुगु फिल्म मल्ली रावा से उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उनके अभिनय को खूब सराहा गया। साल 2018 में उन्होंने नागार्जुन के साथ तेलुगु फिल्म देवदास में काम किया, जो दर्शकों को काफी पसंद आई। उसी साल वह दो शॉर्ट फिल्मों मेथी के लड्डू और कैद में भी नजर आईं। 2019 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म पैलवान में सुदीप के साथ अभिनय किया, जो कई भाषाओं में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। ओटीटी पर भी आकांक्षा ने खुद को साबित किया। उन्होंने 2021 में डिज्नी प्लस हॉटस्टार की वेब सीरीज परंपरा से ओटीटी डेब्यू किया और फिर 2022 में एस्केप लाइव में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभाई। उसी साल उन्होंने रंगबाज- डर की राजनीति और तेलुगु एंथोलॉजी मीट क्यूट में भी दमदार उपस्थिति दर्ज की। 2022 की ही फिल्म रनवे 34 में उन्होंने अजय देवगन की पत्नी समायरा खन्ना का किरदार निभाया, जो उनकी दूसरी बड़ी हिंदी फिल्म थी। आकांक्षा ने तमिल और तेलुगु की द्विभाषी फिल्म क्लैप, तमिल फिल्म वीरपांडियापुरम, और तेलुगु फिल्म सिवुडु में भी अभिनय किया। 2024 और 2025 में वह रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड, बेंच लाइफ, षष्टीपूर्ति, और खाकी- बंगाल चैप्टर जैसी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। फिजियोथेरेपिस्ट से अभिनेत्री बनी आकांक्षा सिंह हिंदी, तेलुगु, तमिल, और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में एक भरोसेमंद चेहरा बन चुकी हैं।

अब कभी एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज ईरानी

अभिनेता कायोज ईरानी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने सरजमीं से फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया है। उन्होंने इस बात को माना है कि वह एक्टिंग के लिए नहीं बने हैं। बॉलीवुड में एक्टिंग करने के बाद कायोज ने फिल्म बनाने की तरफ अपना रुख किया। उन्होंने 2021 में वेब सीरीज अजीब दास्तान का निर्देशन किया।

कायोज ने फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया

कायोज ने कार्तिक आर्यन की फिल्म धमाका में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। फिल्म बनाने का अनुभव लेने के बाद कायोज ने फैसला किया कि वह अपने अनुभव का इस्तेमाल फिल्म सरजमीं में करेंगे। इसके बाद उन्होंने इस फिल्म से निर्देशन में कदम रखा। उन्होंने बताया काजोल और पृथ्वीराज ने मुझे कभी यह नहीं लगने दिया कि मैं नया निर्देशक हूं। जब भी वो सेट पर रहे उन्होंने हमें बहुत इज्जत दी। उन्होंने मुझे सुना और यह एहसास दिलाया कि मैं उनका हिस्सा हूं।

एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज

कायोज ने यह माना कि उनका एक्टिंग की तरफ लौटने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि वह कैमरे के पीछे सहज महसूस करते हैं। एक्टिंग उनके लिए नहीं है। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि आप हमें दोबारा एक्टिंग करते हुए देख पाएंगे क्योंकि मैं फिल्म बना रहा हूं। मैं हमेशा से यही करना चाहता था। मैं कैमरे के पीछे सहज हूं। यही मेरा मकसद था। आपको निराश करने के लिए मैं शर्मिंदा हूं। मुझे नहीं लगता कि एक्टिंग मेरे लिए है। करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अदाकारी करने के अलावा कायोज ने यंगिस्तान और द लीजेंड ऑफ मिशेल मिश्रा में भी अदाकारी की।

फिल्म सरजमीं के बारे में

फिल्म सरजमीं में काजोल, पृथ्वीराज सुकुमारन और इब्राहिम अली खान अहम किरदार में हैं। इसके निर्माता करण जौहर, हीरू जौहर, अपूर्व मेहता और अदार पूनावाला हैं। फिल्म धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले रिलीज हुई है। फिल्म में काजोल, पृथ्वीराज और इब्राहिम की आदाकारी की काफी तारीफ हुई है।

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में मीरा का किरदार

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार मीरा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है। डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं।

डॉली ने शो को हां कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे मीरा के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है। 'तुम से तुम तक', आर्या और अनु के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो एलएसडी के बैनर तले बने इस धारावाहिक में शरद केलकर और निहारिका चौकसे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो रोजाना जी टीवी पर प्रसारित होता है।

सैयारा का टाइटल ट्रैक बनाते समय डिप्रेशन में था

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' के गाने, खासकर टाइटल ट्रैक कई म्यूजिक चार्ट में छाया हुआ है। टाइटल ट्रैक को बनाने वाले म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची ने इस गाने को बनाने के पीछे की कहानी बताई है। इंटरव्यू में उन्होंने 'सैयारा' के गाने को प्रोडक्ट ऑफ पेन बताया है। तनिष्क से जब इंटरव्यू में पूछा जाता है कि क्या सबसे अच्छा गाना या म्यूजिक दर्द में बाहर आता है? जवाब में वो इस पर हामी भरते हैं। फिर तनिष्क बताते हैं- 'आप यकीन नहीं करोगे, जब सैयारा बन रहा था, तब मैं बहुत ज्यादा डिप्रेशन में था। मैं रोज दवाई ले रहा हूं। सो नहीं पा रहा था। सफलता तो थी, लेकिन फिर भी एक खालीपन था जिसे मैं समझ नहीं सका। मेरे पास घर था, करियर था, सब कुछ था लेकिन उदासी भी थी। अर्सलान निजामी फैमिली इशू से गुजर रहे थे। फहीम अब्दुल्ला का एग्जाम था। मोहित सर और हम सब खुलकर बात करते थे। हमने अपने अंदर का भारीपन एक-दूसरे के साथ शेयर किया। सैयारा में शामिल हर कलाकार ने इसमें अपना दर्द डाला। मुझे लगता है यही वजह है कि इसका असर इतना गहरा है।' इंटरव्यू में जब आगे तनिष्क से पूछा गया कि आपने तो इतने सारे अच्छे गाने बनाए हैं लेकिन इस बार ऐसा क्या हुआ, जो ऑडियंस को इतना पसंद आया? इस पर वो कहते हैं- 'हमने कभी भी हिट फिल्म बनाने का लक्ष्य नहीं रखा था। हम बस यही चाहते थे कि फिल्म रियल, सिंपल और ईमानदार हो। कोई ड्रामा नहीं, कोई बनावट नहीं। जब यह बना तो मैंने इसे लूप पर सुना। पहली बार, मेरे अपने गाने ने मुझे ठीक करना शुरू किया। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह दूसरों को भी ठीक करेगा। बता दें कि 'सैयारा के टाइटल ट्रैक ग्लोबल म्यूजिक वर्ल्ड में धूम मचा रखी है। फिल्म का ये गाना अब कई इंटरनेशनल चार्ट्स में टॉप पर पहुंच गया है। बिलबोर्ड ग्लोबल 200 और स्पॉटिफाई की टॉप ग्लोबल सॉन्ग के लिस्ट में नंबर 1 बन चुका है।

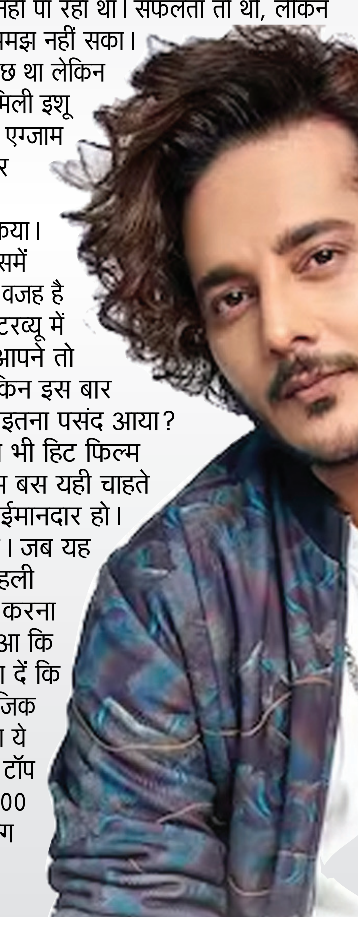

करण जौहर के साथ गहराइयां 2 भी करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

गली बॉय और गहराइयां से पहचान बनाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब धड़क 2 में नजर आ रहे हैं उन्होंने सीए से एक्टिंग तक के सफर, आउटसाइडर होने की चुनौतियों और नई फिल्म के अनुभवों पर खुलकर बात की...

बतौर आउटसाइडर इंडस्ट्री में अपने सफर को कैसे परिभाषित करेंगे?

मेरा सफर कभी भी पूरी तरह सहज नहीं रहा। वैसे भी, जिंदगी का रास्ता अक्सर ऊबड़-खाबड़ ही होता है। जब मैंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की दुनिया छोड़कर अभिनय का फैसला किया, तो यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी आंतरिक लड़ाई थी। एक तरफ सुरक्षित करियर और परिवार का सपोर्ट था, जबकि दूसरी तरफ अभिनय की दुनिया में कदम रखते ही अनिश्चितता का साया मंडरा रहा था। कोई वादा नहीं, कोई गारंटी नहीं, न लॉन्चिंग की सुविधा। उस वक्त मुझे बस खुद पर यकीन करना था। मैंने खुद से कहा, अगर मैं डूबा भी तो खुद की वजह से डूबूंगा लेकिन कोशिश में कमी नहीं रखूंगा। यह मेरे भीतर की गहन जंग थी, जिसमें खुद को लगातार समझाना पड़ता था कि मेरे सपने टूटने नहीं चाहिए।

आपको क्या चीज प्रेरणा देती है कि आप एक्टिंग के लिए ही बने हैं?

मुझे मुझे लगता है आत्मविश्वास दो तरीकों से आता है, भरोसा और अनुभव। भरोसा तब मजबूत होता है जब आपमें यह विश्वास हो कि मैं कर सकता हूं और अनुभव के साथ यह और भी पक्का होता जाता है। बचपन में जब मैं शादियों, पारिवारिक कार्यक्रमों या गांव के आयोजनों में डीजे पर नाचता था, तो लोग बहुत खुश होते थे। उन दिनों मुझे फिल्मी डायलॉग बोलने का भी बहुत शौक था। धीरे-धीरे मुझमें भरोसा पैदा हुआ कि मैं एक्टिंग कर सकता हूं।

सेंसर बोर्ड के कट्स से फिल्म पर क्या असर पड़ा?

नहीं, मुझे नहीं लगता कि कोई खास फर्क पड़ा है। फिल्म देखकर हमें नहीं लगा कि कुछ छूटा है जो मामूली बदलाव हुए वे इतने छोटे है कि दर्शकों को पता भी नहीं चलेगा। सेंसर बोर्ड ने भी काफी समझदारी दिखाई और एक नपा-तुला रास्ता निकाला है। इमोशन और सीन्स की गहराई वैसी की वैसी बनी हुई है।

किस फिल्म के सीक्वल में काम करना चाहेंगे?

सीक्वल करने में मुझे कोई दिक्कत नहीं है। अगर गहराइयां 2 बनती है, तो मैं जरूर करना चाहूंगा। उस फिल्म में जो इमोशनल गहराई थी, वह मुझे अब भी बहुत ज्यादा अपील करती है। मुझे लगता है कि आज के दौर में वैसी फिल्में ही दर्शकों के दिल को छूती हैं। आम लव स्टोरीज का दौर अब थोड़ा पुराना हो गया है।

इतने बड़े बैनर से जुड़ना आपके लिए कैसा रहा?

धर्मा प्रोडक्शंस के साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले मैंने गहराइयां में करण जौहर के साथ काम किया था और वहां हमारी अच्छी ट्यूनिंग बनी। करण सर ने खुद मुझे कॉल करके इस फिल्म का नरेशन सुनने के लिए बुलाया। शाजिया (डायरेक्टर) और राहुल ने कहानी सुनाई और मुझे तुरंत लगा कि यह स्क्रिप्ट दमदार है। उस समय नाम धड़क 2 नहीं था। यह एक स्वतंत्र कहानी की तरह थी। मुझे यह किसी प्रेशर की तरह नहीं लगी।

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

रेसिंग ट्रैक पर हवा से बातें करती कार दौड़ाने की बात हो या आर्मी द्वारा वार फील्ड में गोलियों की तड़ातड़ बौछार करने वाले मुकाबले की, वीडियो गेम की दुनिया में पलक झपकते ऐसे रोमांचक दृश्य पैदा किए जा सकते हैं। यदि यह कल्पना ज्यादा बेहतरीन और सच के करीब हो तो! इस बार के गेम एक्सपो यानी ई-3 में आपकी इसी ख्वाहिश को पूरा करने की कामयाब कोशिश की गई। इस रोचक मेले में हर बड़ी कंपनी ने नए गेम,नए कंसोल पेश किए। उन्होंने दावा किया कि उनके ये नए उपकरण पुरानी सीमाओं को तोड़ देंगे। यहां हजारों खरीदारों ने शिरकत की। एक से बढ़कर एक वीडियो गेम और इससे जुड़ी टेक्नोलॉजी की प्रदर्शनी लगाई गई। गेम के दीवानों की भीड़ के बीच वीडियो गेम के लेटेस्ट ट्रेंड पर भी चर्चा हुई..।

एक्सबॉक्स की धूम

प्लेस्टेशन 4 गेम कंसोल इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। गेम एक्सपो में यह बात देखने को मिली। दरअसल, पीएस 4 गेम कंसोल पहले से कहीं ज्यादा एडवांस है और इसपर कुछ नए और शानदार गेम खेले जा सकते हैं, जैसे-'स्टीमपुक थ्रिलर 'द ऑर्डर: 1986'' अनचार्टेड' और 'लिटिल बिग प्लैनेट' की नई किस्त आदि। 'एनट्वीन्ड' और साई फाई एक्सप्लोरेशन गेम 'नो मैंस स्काई' को पीएस 4 पर खेलने का आनंद ही कुछ और है।

इसके बावजूद एक्सबॉक्स के कुछ नए गेम प्लेस्टेशन 4 के मुकाबले ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 'सनसेट ओवरड्राइव' 'ओरी एंड द ब्लाइंड फॉरेस्ट' और 'हालो', 'फोरजा होराइजॉन' और 'क्रैकडाउन' सीरीज के नए वर्जन को देखते हुए एक्सबॉक्स को लोगों ने सिरआंखों पर बिठाया।

जलवा निटेंडो का

जापानी गेम कंपनी निटेंडो अपने फैंस को लुभाने के लिए हमेशा कुछ न कुछ नया करती रहती है। यही वजह है कि गेम एक्सपो में भी लोगों ने निंटेंडो को हाथोंहाथ लिया। इसकी पुरानी लोकप्रियता बरकरार रही। बदले में निटेंडो ने अपने चाहने वालों को कुछ खास तरह के गेम उपहार में दिए, जैसे-'लिजेंड ऑफ जेल्डा', 'स्प्लाटून' आदि। इसके अलावा, कैप्टन टोड ट्रेजर ट्रेकर कुछ ऐसे गेम हैं, जिन्हें खेलने का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा मजेदार है। इसी तरह, एमीबो लाइन, एक ऐसा गेम है, जो रियल वर्ल्ड के खिलौने मारियो से कनेक्ट करता है और इसे कहीं ज्यादा बेहतरीन बनाता है।

ऑक्यूलस है बेस्ट

ई 3 में सबसे अधिक चर्चा हुई उस हेडसेट की, जिसे कानों पर लगाते ही आप थ्रीडी वर्चुअल रियल्टी की दुनिया में खो जाते हैं। बेस्ट हेडसेट की इस होड़ में सोनी ने अपने लेटेस्ट प्रोजेक्ट मॉरफीयस डिवाइस का डेमो भी दिया। यह ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें हेडसेट को अत्याधुनिक बनाने का प्रयास किया गया है। पर इससे भी बेहतर साबित हुआ ऑक्यूलस हेडसेट, जो वर्चुअल रियलिटी को कहीं ज्यादा सच के करीब ले जाता है। इसकी मदद से 'एलियन : आइसोलेशन', अ मारियो स्टाइल गेम 'लकीज टेल' जैसे गेम को सबसे ज्यादा पंसद किया गया।

मल्टीप्लेयर या सोलो

'इवोल्व', 'रेनबो सिक्स :सीज' निटेंडो का प्वाइंटबॉल कॉम्पिटिशन 'स्पलाटून', ऐसे कई सोलो गेम हैं, जिन्हें आप अकेले खेल सकते हैं। सोनी का 'द ऑर्डर' भी इसी प्रकार का रोचक गेम है। पर यदि आप कहीं ज्यादा रोमांचक और थ्रिलिंग एक्सपीरियंस के साथ वीडियो गेम खेलना चाहते हैं, तो बेहतर होगा इसके लिए आप अपने कुछ खास दोस्तों की तलाश करें। दरअसल, मल्टीप्लेयर गेम खेलने का आनंद ही कुछ और है। ई-3 में प्रशंसकों के बीच मल्टीप्लेयर वीडियो गेम का उत्साह ज्यादा दिखा और इसे भविष्य में सोलो गेम से ज्यादा पसंद किया जाएगा, गेम विशेषज्ञों ने यह भविष्यवाणी भी की। टॉप मल्टीप्लेयर गेम के तौर पर इवोल्व, रेनबो, बैटलफील्ड हार्डलाइन, स्पलाटून और जस्ट डांस नाउ को ज्यादा पसंद किया गया।

खेलें सीटिंग पोजिशन में

कुछ साल पहले तक मोशन-डिटेक्टिंग गेम डिवाइस हमें अपनी जगह से उठकर इधर-उधर मूव करने पर मजबूर कर देता था। पर निटेंडो का शुक्रिया अदा करना होगा कि इससे इस परेशानी से निजात दिला दी। निटेंडो का वाई (6 और माइक्रोसॉफ्ट का काइनेक्ट (%ह्लीड्ड3) बैठकर खेलने की सुविधा देता है। हां, बिना काइनेक्ट के एक्सबॉक्स वन के जरिए आप एक जगह बैठकर कहीं ज्यादा आरामदायक तरीके से खेल एनजॉय कर सकते हैं। इस तरह, ई-3 में सीटिंग गेम को सपोर्ट करने वाली टेक्नोलॉजी को मूव करने वाले डिवाइस से कहीं ज्यादा पसंद किया गया।

तीन ह्रदय वाली कटलफिश

कटलफिश कई मायनों में विचित्र है। जहां हर प्राणी के शरीर में एक ह्रदय होता है, वहीं इसके तीन ह्रदय होते हैं। गिलों के पास दो ह्रदय होते हैं जिनका काम अशुद्ध रक्त को गिलों में भेजना है। वहां से यह रक्त तीसरे ह्रदय में जाता है और फिर शरीर के विभिन्न हिस्सों में पहुंचता है...

मछलियों की हजारों प्रजातियां हैं लेकिन जो बात कटलफिश में है, वह दूसरी मछलियों में कहां! यह सेफलोपोडा वर्ग में आती है। यह समुद्री किनारों के उथले पानी में रहती है। इसकी लंबाई 1.8मीटर तक हो सकती है। कटलफिश कई मायनों में विचित्र है। जहां हर प्राणी के शरीर में एक ही ह्रदय होता है, वहीं इसके तीन ह्रदय होते हैं। गिलों के पास दो ह्रदय होते हैं जिनका काम अशुद्ध रक्त को गिलों में भेजना है। वहां से यह रक्त तीसरे ह्रदय में जाता है और फिर शरीर के विभिन्न हिस्सों में पहुंचता है। यह एकमात्र ऐसी मछली है जिसके रक्त का रंग लाल न होकर नीला होता है। इसका कारण इसके रक्त में हीमोग्लोबिन की बजाय हीमोसाइनिन नामक पदार्थ होता है। हीमोग्लोबिन में लोहा होता है जबकि हीमोसाइनिन में तांबा। तांबे की वजह से इससे रक्त का रंग नीला होता है। आमतौर पर कटलफिश समुद्री किनारों पर उथले पानी में निवास करती है। कटलफिश बसंत या ग्रीष्म ऋतु में अंडे देती है जिनकी संख्या 100 से 300 तक होती है। इस मछली के शरीर का रंग कत्थई होता है तथा शरीर पर कुछ धारियां और धब्बे भी होते हैं। गिरगिट की भांति इनमें भी अपने शरीर का रंग बदलने की अद्भुत क्षमता होती है। जब सूर्य की रोशनी इन पर पड़ती है तो इनका रंग काफी चमकदार दिखता है। यह दो मीटर तक लंबी हो सकती है। दुश्मनों से अपनी रक्षा करने का इसका तरीका भी गजब का है। जब कोई शत्रु इन पर आक्रमण करने की कोशिश करता है तो ये अपने शरीर से काले रंग का एक पदार्थ उस पर छोड़ती हैं जो धुएं के रूप में वातावरण में फैल जाता है। इस बीच वह दुश्मन की नजर से ओझल हो जाती है।

बॉल की तरह दिखने वाला पौधा

बेसबॉल प्लांट का डायमीटर अर्थात व्यास 6सेमी. से लेकर 15 सेमी. तक होता है। इसका व्यास इसकी उम्र पर आधारित होता है। युवावस्था में इसकी आकृति गोल होती है, परंतु विकास के विभिन्न चरणों में इसका आकार बदलता जाता है

आपने बहुत से पौधों के बारे में देखा और सुना होगा। कुछ पौधे ऐसे होते हैं जिन्हें अगर देखें तो व्यक्ति देखता ही रह जाए, वहीं कुछ पौधे इतने भयावह होते हैं कि उनके पास जाने की कल्पना भी मनुष्य नहीं कर सकता। लेकिन क्या आपने कभी किसी ऐसे पौधे के बारे में सुना है जो बिल्कुल बॉल की तरह दिखता हो। जी हां, साउथ अफ्रीका में यूफॉर्बी ओबेसा नामक पौधा पाया जाता है, जिसे दूर से देखने पर आभास होता है कि मानो कोई बेसबॉल हो। यूफॉर्बी ओबेसा सिर्फ साउथ अफ्रीका के उत्तरी केप प्रांत के जंगलों में ही पाया जाता है। इस प्लांट को खोजने का श्रेय समरसेट पूर्व में स्थित गिल कॉलेज के वनस्पतिशास्त्री पीटर मेकोवेन को जाता है। उन्होंने पहली बार इसे 1897 में ग्राफ रैनेट के पास पाया। इसके आकार के कारण ही इसे बेसबॉल प्लांट नाम से जाना जाता है। यह दक्षिण अफ्रीका के सबसे रसीले पौधों में से एक है। इसका विकास काफी धीमी गति से होता है। इसके फली पर केवल 2-3 ही बीज होते हैं। इसकी सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है। इसकी बाहरी सतह पर लगभग आठ लकीरें उभरी हुई नजर आती हैं, जिससे इसकी सुंदरता में चार-चांद लग जाते हैं। यह देखने पर हरे रंग का प्रतीत होता है परंतु जब यह सीधे तौर पर धूप के संपर्क में आता है तो इसके लाल और बैंगनी क्षेत्र भी साफ तौर पर दिखाई देते हैं। बेसबॉल प्लांट का ऊपरी सिरा नहीं होता। इसके ऊपरी सिरे के स्थान पर छोटे-छोटे फूल होते हैं। हालांकि इसमें कांटे नहीं होते लेकिन इससे निकलने वाला दूधिया पदार्थ विषैला होता है। बेसबॉल प्लांट का डायमीटर अर्थात व्यास 6से लेकर 15 सेंटीमीटर तक होता है। इसका व्यास इसकी उम्र पर आधारित होता है। युवावस्था में इसकी आकृति गोल होती है, परंतु विकास के विभिन्न चरणों में इसका आकार बदलता जाता है। जैसे-जैसे यह बड़ा होता जाता है इसकी आकृति बेलनाकार हो जाती है। इसकी दूसरी सबसे बड़ी खूबी यह है कि बेसबॉल प्लांट में जल को संरक्षित करने की अद्भुत क्षमता होती है। गर्मी के दिनों और सूखे के समय में यह जल इनके बहुत काम आता है। हालांकि इसे अपने विकास के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती। एक समय था जब यह पौधे बहुतायत मात्रा में पाए जाते थे लेकिन इसकी सुंदरता ही इसके लिए घातक सिद्ध हुई। इनकर अवैध शिकार और संग्रह शुरू हो गया जिसके चलते आज इसकी प्रजाति संकटग्रस्त है।

इनकी बची हु ई संख्या के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत से कदम उठाए जा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में केवल 500 मेच्योर बेसबॉल प्लांट ही शेष हैं। भले ही यह प्रजाति संकटग्रस्त हो लेकिन इसके पैतृक निवास स्थान पर बेसबॉल प्लांट की खेती करना लोगों के लिए आम बात है। बड़ी मात्रा में इस प्लांट की खेती, नर्सरी व बोटैनिकल गार्डन इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि बेसबॉल प्लांट की खरीद-फरोख्त और संग्रह के बावजूद भी इसे विलुप्त होने से बचाया जा सकता है।